



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-11032020-218599
CG-DL-E-11032020-218599

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 63]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 4, 2020/फाल्गुन 14, 1941

No. 63]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 4, 2020/PHALGUNA 14, 1941

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 मार्च, 2020

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जन. गण., कोरिया गणराज्य, ताइवान और थाईलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नायलान मल्टी फिलामेंट यार्न के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

क. मामले की पृष्ठभूमि

फा. सं. 6/11/2019-डीजीटीआर.—समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम 1975 (जिसे यहां आगे “अधिनियम” भी कहा गया है) और उसकी समय समय पर यथासंशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, मूल्यांकन और पाटनरोधी शुल्क का संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1975 (जिसे यहां आगे “नियमावली” भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए

1. मै० सेंचुरी इंका लि० और मै० गुजरात पोलिफिलम्स लि० (जिन्हें यहां आगे आवेदक कहा गया है) ने चीन जन. गण., कोरिया गणराज्य ताइवान और थाईलैंड (जिन्हें यहां संबंध देश भी कहा गया) से नायलान मल्टी फिलामेंट यार्न (जिन्हें यहां आगे विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) संबंध सामान भी कहा गया है) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच शुरू करने के लिए अधिनियम तथा नियमावली के अनुसार प्राधिकारी के समक्ष एक नया आवेदन पत्र दायर किया है

2. आवेदकों द्वारा दायर विधिवत पूर्ण आवेदन पत्र के मद्देजनर प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों के आरोपित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने के लिए तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो यदि लगाया जाए और घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा, की सिफारिश करने के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 28 जून, 2019 की अधिसूचना सं. 6/11/2019-डीजीटीआर द्वारा पाटनरोधी जांच शुरू की।

ख. प्रक्रिया

3. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:-

- प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार जांच की शुरुआत से पूर्व संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- प्राधिकारी ने उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों तथा निर्यातकों, ज्ञात आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 28 जून, 2019 की जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी। हितबद्ध पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे निर्धारित स्वरूप एवं तरीके से संगत सूचना उपलब्ध कराए तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित अपने ज्ञात अनुरोध दें।
- आवेदकों द्वारा दायर आवेदन पत्र के आगोपनीय रूपांतर की प्रति नियमावली के नियम 6(2) तथा नियम 3(6) के अनुसार संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों तथा संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई थी।
- प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को पाटनरोधी जांच शुरू किए जाने की सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार 40 दिन के भीतर लिखित में उनको ज्ञात अनुरोध प्रस्तुत करने का अवसर दिया।

क. चीन रिसोर्सेज यान्ताई नायलॉन कंपनी लि०, चीन जन. गण.

ख. फुजियान जिंगफेंग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.

ग. फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.

घ. फुजियान जिनसेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.

ङ. फुजहोऊ यांग इंटरनेशनल ट्रेड कंपनी लि०, चीन जन. गण.

च. गुआंगडोंग चार्मी इंडस्ट्रीयल कंपनी, चीन जन. गण.

छ. जियांगसू वनटच बिजनेस सर्विस सी, चीन जन. गण.

ज. जियानहू हौशुन टेक्सटाइल कंपनी लि०, चीन जन. गण.

झ. लीहेंग (चांगले) पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.

ञ. न्यू ब्राइट इंडस्ट्रीज इंक., चीन जन. गण.

ट. यूनाइटेड रॉ मेटेरियल पीटीई लि०, चीन जन. गण.

ठ. कोलोन कारपोरेशन, चीन जन. गण.

ड. गायोयाओ हौजिन ग्रुप कंपनी लि०, चीन जन. गण.

ढ. किंगदाओ झोंगताई ग्रुप कंपनी लि०, चीन जन. गण.

ण. बास्फ-हुआयुन नायलान कंपनी लि०, चीन जन. गण.

त. शानडोंग डैचेंग केमिकल इंडस्ट्री ग्रुप कंपनी लि०, चीन जन. गण.

थ. गुआंगडोंग जिनहुईमेडा नायलान कंपनी लि०, चीन जन. गण.

द. जिनान जुडा फाइबर कंपनी लि०, चीन जन. गण.

- ध. वू जियांग हेंग यू टेक्सटाइल कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- न. जियामेन टोंगलुन इंडस्ट्रीयल कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- न. कोलोन नानजिंग कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- प. जियामेन फोनिक्स इनयू मैटेरियल टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- फ. यीवू बैंगचेंग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- ब. झांगजीयागांग बोजुन ट्रेड कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- भ. झेजियांग समर प्लस ट्रेडिंग कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- म. झुजीबैफुकिन ट्रेड कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- कक. ह्योसुंग कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य
- खख. ह्योसुंग टीएनसी कंपनी, कोरिया गणराज्य
- गग. इंको इंटरनेशनल कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य
- घघ. कोलोन फैशन मैटेरियल, इंक, कोरिया गणराज्य
- ङङ. शिन्हान ट्रेडिंग कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य
- चच. कोहाप कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य
- छछ. कोलोन इंडस्ट्रीज, कोरिया गणराज्य
- जज. सुंग हवा इंडस्ट्री लि०, कोरिया गणराज्य
- झझ. टेकवांग इंडस्ट्रीयल कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य
- ञञ. एसीलॉन केमिकल्स एंड फाइबर कारपोरेशन, ताइवान
- टट. इलाइट स्प्रिट कंपनी, लि० ताइवान
- ठठ. हाय-टेक टेक्सटाइल कंपनी, लि० ताइवान
- डड. जोयसुन टेक्सटाइल कारपोरेशन, ताइवान
- ढढ. चुंग शिंग टेक्सटाइल, ताइवान
- णण. ली पेंग इंटरप्राइज कंपनी, लि० ताइवान
- तत. न्यू ब्राइट इंडस्ट्रीज इंक, ताइवान
- थथ. पैसिफिक इंटरनेशनल फायनेन्सियल कंपनी, लि० ताइवान
- दद. किन जियांग इंडस्ट्रीयल कंपनी, लि० ताइवान
- धध. माँ चाँग इंटरप्राइज कंपनी, लि० ताइवान
- नन. चेन यार्न कंपनी, लि० ताइवान
- तत. नेशन स्पिनिंग कंपनी, लि० ताइवान
- पप. फोरमोसा नायलॉन, ताइवान
- फफ. राइट प्रास्पेर इंक, ताइवान
- बब. सनटेक्स फाइबर कंपनी, लि० ताइवान
- भभ. यूनाइटेड रॉ मैटेरियल पीटीई लि०, ताइवान
- मम. जिग शेंग इंडस्ट्रीयल कंपनी, लि० ताइवान

ककक. मै० फेनाटेक्स कंपनी लि०, ताइवान
 खखख. थाई टोरे सिंथेटिक्स कंपनी, लि० थाईलैंड
 गगग. थाइलॉन टेक्नो फाइबर, लि० थाईलैंड
 घघघ. एशिया फाइबर पब्लिक कंपनी, लि० थाईलैंड
 ड.ड.ड. थाई बरोडा इंडस्ट्रीज, लि० थाईलैंड

v. उपर्युक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए।

- क. फुजियान जिनसेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- ख. फुजियान जिनजियांग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- ग. फुजियान जिंगफेंग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- घ. फुजियान जिनचुआंक नायलॉन इंडस्ट्री कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- ड. फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- च. चांगले हार्डसुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नालॉजीज कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- छ. लीहेंग (चांगले) पोलिमाइड टेक्नालॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- ज. फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
- झ. ह्योसुंग टीएनसी कंपनी, कोरिया गणराज्य
- ञ. इंको इंटरनेशनल कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य
- ट. शिन्हान ट्रेडिंग कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य

vi. तदनुसार, चाइना चेंबर ऑफ कॉमर्स फार इम्पोर्ट्स एंड एक्सपोर्ट्स ऑफ टेक्सटाइल द्वारा अनुरोध किए गए हैं।

vii. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजीं।

- क) ब्रेक्स इंडिया लि०
- ख) एएएसयू टेक्सटाइल प्रा० लि०
- ग) बालिगा फिशनेट्स
- घ) बायर इंडिया लि०
- ड) बिरला एजिक्सन ऑप्टिकल लि०
- च) चिदंबरम फिशनेट्स प्रा० लि०
- छ) डी सी मिल्स प्रा० लि०
- ज) डुपोन्ट फाइबर लि०
- झ) इंटीमोड पोलिकोटर्स लि०
- ञ) गारवेयर वाल रोप्स लि०
- ट) गोएंका इंडस्ट्रीज
- ठ) हाबासिटलकोका प्रा० लि०
- ड) आई डी एल इंडस्ट्रीयल
- ढ) एस आर एफ लि०

- ण) विविलॉन टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०
 त) गोर्डेन सिल्क्स मिल्स लि०
 थ) यूरो विस्ता इंडिया लि०
 द) कयावलोलम्पेक्स प्रा० लि०
 ध) एस के एक्सपोर्ट्स
 न) सरला परफार्मेंस फाइबर्स लि०
 त्त) शैलॉन सिल्क इंडस्ट्रीज प्रा० लि०
 प) सूरत सिंथेटिक लि०
 फ) स्वेजटेक्सलैण्ड्स लि०
 ब) सुप्रीम इंडिया इम्पेक्स लि०
 भ) वॉलसन पोलिसटर लि०
- viii. उपर्युक्त उत्तर में निम्नलिखित आयातकों / प्रयोक्ताओं ने उत्तर दायर किए और अनुरोध किए।
 क. गिंजा इंडस्ट्रीज लि०
 ख. प्रतिमान टेक्सटाइल
 ग. एस जी पी इंडिया
- ix. प्राधिकारी ने निम्नलिखित एसोसिएशनों को जांच की शुरुआत की संबंध में उन्हें सूचित करते हुए तथा जांच की शुरुआत के संबंध में उनकी टिप्पणियां मांगने के लिए भी जांच की शुरुआत की अधिसूचना भेजी।
 क. फेडरेशन ऑफ इंडियन आर्ट सिल्क वेविंग इंडस्ट्री
 ख. फेडरेशन ऑफ गुजरात वेविंग एसोसिएशन
 ग. सूरत ग्रे कपड़ा उत्पन्नक संघ
- x. निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने जांच की शुरुआत की अधिसूचना का उत्तर देते हुए अनुरोध दायर किए।
 क. सूरत आर्ट सिल्क वेविंग इंडस्ट्री
 ख. सूरत टेक्सटाइल क्लब
 ग. साउथ गुजरात वार्प नीटर्स एसोसिएशन
 घ. फेडरेशन ऑफ गुजरात वीवर्स वेलफेयर एसोसिएशन
 ङ. पांडेसारा वीवर्स को-ऑप एसओसी लि०
 च. एसएसएमई को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि०
- xi. बिश्नू टेक्सपोर्ट प्रा० लि०, सुनहेरी टेक्सक्रेफ्ट प्रा० लि० और थाईलॉन टेक्नो फाइबर लि० द्वारा भी अनुरोध दायर किए गए हैं।
- xii. सुनवाई के बाद वेद रोड आर्ट सिल्क स्माल कंपनी ऑफ फेडरेशन लि०, द सूरत आर्ट सिल्क क्लॉथ मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन और साईनाथ नीटेक्स ने भी लिखित अनुरोध दायर किए जिन विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिए अथवा इस जांच से संगत सूचना नहीं दी उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना गया है।
- xiii. जांच 1 अप्रैल, 2018 से शुरू होने वाली 31 मार्च, 2019 (पीओआई) तक की अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति संबंधी जांच 2015-16, 2016-17, 2017-18 और जांच की अवधि के लिए की गई थी।

- xiv. वाणिज्यिक असूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से विगत तीन वर्षों तथा जांच की अवधि के लिए संबद्ध सामानों के आयातों के ब्यौरे की व्यवस्था करने के लिए अनुरोध किया गया था। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा का परिकलन करने तथा अपेक्षित विश्लेषण के लिए डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया है।
- xv. प्राधिकारी द्वारा आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना / आंकड़ों के आवश्यक समझी गई सीमा तक स्तर सत्यापन किया गया था। आवश्यक संशोधन के साथ केवल उस सत्यापित सूचना, जहां लागू थी, पर वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए विश्वास किया गया है।
- xvi. सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों की ईष्टतम उत्पादन लागत और निर्माण लागत तथा बिक्री लागत निकाली गई थी। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध-III के तहत निर्धारित सिद्धांतों के तहत क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की गई है।
- xvii. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को 10 अक्टूबर, 2019 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोटिव टायर्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी के बदलने के मद्देनजर दूसरी मौखिक सुनवाई 5.12.2019 को की गई थी। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए उनसे अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त विचारों के लिखित अनुरोध दायर किए और उसके बाद प्रत्युत्तर अनुरोध दें।
- xviii. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निरीक्षण के लिए खुले में रखी गई सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।
- xix. इस जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी संगत पाये गए हैं, को इस अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा हल कर दिया गया है।
- xx. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ है गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध करायें।
- xxi. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने सूचना देने से इंकार किया है अथवा वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना नहीं दी है अथवा जांच में काफी बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रकटन रिकार्ड किया है।
- xxii. इस जांच में अनिवार्य तथ्यों से युक्त एक प्रकटन विवरण जो वर्तमान अंतिम जांच परिणाम का आधार बनता है, हितबद्ध पक्षकारों को 4.2.2020 को जारी किया गया था। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन पश्चात विवरण के अनुरोधों पर संगत पायी गई सीमा तक इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में विचार किया गया है।
- xxiii. *** गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकार द्वारा दी गई और नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा मानी गई सूचना दर्शाता है। इस जांच परिणाम में () में सूचना नकारात्मक संख्या/ रेंज दर्शाती है।
- xxiv. प्राधिकारी द्वारा जांच की अवधि के दौरान विद्यमान 1 यूएस डॉलर = 70.82 रूपए की औसत विनमय दर अपनाई गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद एवं समान वस्तु

4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “नायलान का सिंथेटिक मल्टी फिलामेंट यार्न” है जिसे पोलिमाइड मल्टी फिलामेंट यार्न अथवा “नायलान मल्टी फिलामेंट यार्न” के रूप में भी जाना जाता है।

ग.1 घरेलू उद्योग द्वारा अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं-

- क. आंशिक रूप से ओरिएंटेड यार्न और पूर्ण रूप से ड्रॉन यार्न के बीच कीमत का अंतर काफी है, जिस पर पीसीएन निर्धारित करने के लिए विचार किया जाना चाहिए।
- ख. पीसीएन सिद्धांत पूर्व जांच में अपनाए गए सिद्धांत के अनुसार क्रिपड / फ्लैट यार्न, आंशिक रूप से ओरिएंटेड / पूर्णतः ड्रॉन यार्न, फिलामेंट, डेनियर, लस्टर और कलर के आधार पर होना चाहिए।
- ग. घरेलू उद्योग उम्दा डेनियर यार्न, मैक्रो फिलामेंट यार्न, एस एंड जेड ट्विस्ट वाले यार्न और मदर यार्न का उत्पाद कर रहा है।
- घ. यद्यपि घरेलू उद्योग ने लो मेल्लिंग एनएफवाई अथवा कंडक्टिव यार्न का उत्पादन नहीं किया है तथापि उसमें उसका उत्पादन करने की क्षमता और केवल कम मांग तथा गैर अर्थक्षम कीमतों के कारण ही उनका उत्पादन नहीं किया है।
- ङ. ऑफ ग्रेड यार्न को अलग नहीं किया जा सकता क्योंकि ये यार्न सभी उत्पादकों के साथ उत्पादन के भाग के रूप में अनिवार्य रूप से उठते हैं। यह सुनिर्धारित है कि उत्पाद का क्षेत्र गुणवत्ता के आधार पर परिभाषित नहीं किया जा सकता।
- च. मदर यार्न को अलग करने की कोई आवश्यकता नहीं है, जो आपस में मिलाए बिना पूर्णतः ड्रान मल्टी फिलामेंट यार्न है और घरेलू उद्योग द्वारा बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, मदर यार्न के आयातों से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।
- छ. जहां तक नायलान 66 को अलग करने का अनुरोध है। यह मुद्दा प्राधिकारी के विगत जांच परिणामों में सुनिर्धारित है जिनमें यह नोट किया गया था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नायलान 66 यार्न आयातित नायलान 6 यार्न की समान वस्तु हैं।
- ज. जहां तक उत्तरदाताओं की शर्त का संबंध है कि घरेलू उद्योग ने बराबर लंबाई और भार वाले यार्न की आपूर्ति नहीं की है, यह अनुरोध है कि घरेलू उद्योग ने यह सिद्ध करते हुए साक्ष्य दिया है कि उसने उसकी आपूर्ति की है।
- झ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि इस यार्न के लिए गुणवत्ता को मानदंड बनाया जाना चाहिए। यह अनुरोध है कि गैर प्राइम और प्राइम समान कच्ची सामग्री का प्रयोग करते हैं और उनमें समान उत्पादन प्रक्रिया होती है तथा समान परिवर्तन लागतें आती हैं और इसीलिए पीसीएन के लिए गुणवत्ता को एक मानदंड नहीं होना चाहिए।

ग.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

6. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में निर्यातक/आयातक/प्रयोक्ता/व्यापारियों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- क. भारतीय उत्पादक एस एंड जेड ट्विस्ट वाले डेलीकेट डेनियर फिलामेंट का उत्पादन करने में असमर्थ है जिसका सीमलैस प्रधानों के उत्पाद में प्रयोग किया जाता है।
- ख. नायलान 6 और नायलान 66 को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत नहीं होना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा उनका उत्पादन नहीं किया जाता है। उनका एयर कवर्ड यार्न का उत्पादन करने के लिए आयात किया जाता है। वे पूर्व जांचों के क्षेत्र से भी बाहर थे।
- ग. मदर यार्न को विचाराधीन उत्पाद का भाग नहीं होना चाहिए क्योंकि उसे पूरी तरह मोनो फिलामेंट यार्न में परिवर्तित किया जाता है जो कि विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर है।
- घ. लो मेल्लिंग एनएफवाई जिसमें 90-100 डिग्री सेल्सियस का मेल्लिंग प्वाइंट होता है और जूते के ऊपरी फैब्रिक का निर्माण करने में प्रयुक्त किया जाता है, भारत में उत्पादित नहीं किया जाता है और इसे जांच के क्षेत्र से अलग किया जाना चाहिए।
- ङ. हाई ओरिएंटेड यार्न (एच ओ वाई), ड्रॉन टेक्सचर्ड यार्न (डी टी वाई), स्पिन ड्रॉन यार्न (एस डी वाई), एयर टेक्सचर्ड यार्न (ए टी वाई) में लागत एवं कीमतों में काफी अंतर है। अतः उनके लिए पृथक पीसीएन होना चाहिए।

- च. 10 से कम और 250 से अधिक डेनियर वाले सामानों के लिए पृथक पीसीएन निकाला जाना चाहिए।
- छ. प्राइम तथा नान प्राइम के संदर्भ में उत्पाद के ग्रेड पर पीसीएन के लिए मानदंड के रूप में विचार किया जाना चाहिए जो कि पाटनरोधी करार, नियमावली, डीजीटीआर द्वारा निर्धारित प्रपत्र और अन्य प्राधिकारियों की परिपाटी के अनुरूप है।
- ज. टेकवांग द्वारा निर्यातित ऑफ ग्रेड उत्पादों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग किया जाना चाहिए।
- झ. रिसाइकिल यार्न को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग किया जाना चाहिए।
- ञ. चूंकि घरेलू उद्योग बराबर लंबाई तथा भार के पैकेजों वाले नायलान फिलामेंट यार्न का उत्पादन नहीं कर रहा है, जिसकी वार्ष मीटिंग उद्योग को आवश्यकता होती है, अतः उसे उत्पाद के क्षेत्र से अलग किया जाना चाहिए।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों तथा समान वस्तु से संबंधित मुद्दों की जांच की गई है।
8. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद नायलान का 'सिंथेटिक फिलामेंट यार्न, जिसे "पोलिमाइड मल्टी फिलामेंट यार्न" के रूप में भी जाना जाता है अथवा "नायलान मल्टी फिलामेंट यार्न" है। संबद्ध सामान सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के सीमा शुल्क उपशीर्ष सं. 5402 के तहत शीर्ष अध्याय 54 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं।
9. विचाराधीन उत्पाद का आयात प्रशुल्क कोड 5402 31, 5402 32, 5402 39, 5402 45, 5402 49, 5402 51, 5402 59, 5402 61 और 5402 69 के अंतर्गत किया गया है। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और किसी भी तरह वर्तमान जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।
10. विचाराधीन उत्पाद में नायलान अथवा पोलिमाइड के सभी प्रकार के सिंथेटिक्स मल्टी फिलामेंट यार्न शामिल हैं यथा – फ्लैट यार्न, ट्विस्टेड / अथवा अनट्विस्टेड, पूर्णतः ड्रान यार्न फुली ड्रॉन यार्न (एफ डी वाई), स्पिन ड्रॉन यार्न (एस डी वाई), हाई ओरिएण्टेड यार्न (एच ओ वाई), पार्शियली ओरिएण्टेड यार्न (पी ओ वाई), टेक्चर्ड यार्न - ट्विस्टेड / अथवा अनट्विस्टेड, और डेड यार्न, सिंगल, डबल, मल्टीप्लाई, फोल्डेड अथवा केबलड। नायलान फिलामेंट यार्न आर्गेनिक मोनोमर्स के पोलिमराइजेशन द्वारा उत्पादित किया जाता है। मदर यार्न भी मल्टी फिलामेंट यार्न होने के नाते, विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद में केवल मल्टी फिलामेंट यार्न शामिल हैं और मोनो फिलामेंट यार्न को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग किया गया है।
11. इस उत्पाद में नायलान फिलामेंट यार्न अथवा पोलोमाइड यार्न की सभी किस्में शामिल हैं यथा- फ्लैट/टेक्चर्ड ट्विस्टेड/ अनट्विस्टेड, ब्राइट/ सेमी डल/ फुल डल (अथवा उसकी किस्में), ग्रे / कलर्ड/ डाइड (अथवा उसकी किस्में), सिंगल/ डबल/ मल्टीपल/ फोल्डेड/ केबिलड (अथवा उसकी किस्में), किसी आकार में हों या न हों, परंतु नायलान के उच्च तनन यार्न को अलग करता है। सभी मैनमेड फिलामेंट यार्न जिनमें नायलान अथवा पोलिमाइड न हों, विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से बाहर हैं।
12. हितबद्ध पक्षकारों ने विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से कुछ उत्पाद किस्मों को अलग करने की मांग की है उन दावों की जांच निम्नलिखित रूप में की गई है:
 - क. नायलान 66 यार्न (जिसे नायलान 6.6 यार्न के रूप में भी उल्लिखित किया गया है) – हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि नायलान 66 यार्न को अलग किया जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग द्वारा उनका उत्पादन नहीं किया जा रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नायलान 66 को अलग करने के मुद्दे की पूर्व जांचों में भी जांच की गई है। चीन जन. गण., चीनी ताइपे, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित नायलान फिलामेंट यार्न के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में 3 जुलाई, 2006 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 14/5/2005-डीजीएडी में प्राधिकारी ने निम्नलिखित रूप में नोट किया।

“ 7. नायलान फिलामेंट यार्न के टेक्सटाइल अनुप्रयोगों में व्यापक अनुप्रयोग हैं जिनमें साड़ी, दुपट्टा, महिलाओं की ड्रेस सामग्री, / फैशन वियर, फैशी, कैजुअल नेट वियर, स्टार्किंग्स और स्टॉक, इंटीमेट वियर और फाउंडेशन वेयर, लिंगरी, और नाइट वियर, ब्रीफ्स, पैंटीज, स्लिप्स, किड्स वियर, स्पोर्ट्स वियर और

एक्टिव वियर, स्विम वियर और बीच वियर, आउटर वियर, विंड वियर, फैशन एसेसरीज, इलैक्सि टेप्स, शो/ फुट वियर लाइनिंग्स, लेसेज/ फैसी टेप्स, टाई/स्कारवेस, फीदर यार्न रिबन्स/सैटिन रिबन्स आदि शामिल हैं। कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा नायलान 66 से बनाये गए नायलान फिलामेंट यार्न को उसकी तथाकथित भिन्न विशेषताओं के कारण ध्यान में न लिए जाने के लिए टिप्पणियों के संबंध में प्राधिकारी ने इस संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सभी संगत सूचना पर विचार किया है कि नायलान 6 और नायलान 66 एक ही उत्पाद हैं अथवा नहीं और नोट करते हैं कि नायलान 66 को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में सही शामिल किया गया है। प्राधिकारी ने नायलान 6 और नायलान 66 को भौतिक एवं रासायनिक गुण धर्मों, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, प्रकार्य एवं प्रयोग, प्रशुल्क वर्गीकरण आदि जैसे मानदंडों पर विचार करते हुए एक समान उत्पाद मानते हैं। अतः नायलान 66 को वर्तमान जांच के क्षेत्र के अंतर्गत विचार किया गया है”

प्राधिकारी ने 19 नवंबर, 2011 की अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना सं. 15/14/2010-डीजीएडी लेकर चीन जन. गण. चीनी ताइपे, मलेशिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड और कोरिया गणराज्य से नायलान फिलामेंट यार्न के आयातों पर लगाए गए पाटनारोधी शुल्क के निर्णायक समीक्षा जांच में भी समान दृष्टिकोण दिया था। हटाये जाने की मांग करते समय किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसी कोई नई सूचना नहीं दी है जो पूर्व जांच परिणामों में प्राधिकारी के सतत दृष्टिकोण पर पुनः विचार करने का औचित्य बना सके। अतः प्राधिकारी नायलान 66 यार्न को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र के अंतर्गत मानते हैं। हालांकि, प्रकटन पश्चात अनुरोधों के आधार पर, गैर-वस्त्र प्रयोगों के लिए उपयोग किए जाने वाले नायलॉन 66 यार्न को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर कर दिया गया है।

ख. मदर यार्न- जहां तक मदर यार्न को अलग करने का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि यह मल्टी फिलामेंट यार्न है तथा घरेलू उद्योग द्वारा इसका उत्पादन और बिक्री की जाती है। यह तथ्य कि यह यार्न बाद में मोनो फिलामेंट यार्न में बदला गया है, विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र को निर्धारित करने के लिए संगत नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि मदर यार्न को यूरोपीय संघ और वियतनाम से भी नायलान फिलामेंट यार्न के आयातों की पाटनारोधी जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल किया गया था।

ग. डेलीकेट डेनियर यार्न, मैक्रो फिलामेंट यार्न, एस एंड जेड ट्विस्ट संयुक्त यार्न और रिसाइकिल यार्न- हितबद्ध पक्षकारों ने इस आधार पर उपर्युक्त प्रकार के यार्नों को भी अलग करने की मांग की है कि ये किस्में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं की जा रही है। तथापि, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान इन यार्नों का उत्पादन और बिक्री की है। घरेलू उद्योग ने यह सिद्ध करते हुए बिक्री बीजक और अन्य साक्ष्य भी प्रस्तुत किये हैं कि उन्होंने इस प्रकार यार्नों का उत्पादन और बिक्री की है। तदनुसार प्राधिकारी इन यार्नों को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करना नहीं मानते।

घ. लो मेल्टिंग यार्न – हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग लो मेल्टिंग यार्न की आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है। घरेलू उद्योग ने माना है कि उसने उसका उत्पादन नहीं किया है बल्कि उसके पास उसकी आपूर्ति करने की क्षमता है और उत्पादन न करने का एक मात्र कारण ग्राहकों से आदेशों की कमी है। दोनों हितबद्ध पक्षकारों ने स्वीकार किया है कि इस यार्न की कीमत अन्य यार्नों की कीमत से काफी अधिक है। प्राधिकारी ने इसकी जांच की है और यह पाया गया है कि इस यार्न की कीमत अन्य यार्नों से अधिक है। तदनुसार प्राधिकारी इस यार्न को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करना उपयुक्त समझते हैं।

ड. आफ ग्रेड उत्पाद – हितबद्ध पक्षकारों ने ऑफ ग्रेड उत्पादों को अलग करने की मांग की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी उत्पाद को केवल गुणवत्ता में अंतर के आधार पर जांच के क्षेत्र से अलग नहीं किया जा सकता। यह विशेष रूप से तब है जब यह दर्शाने के लिए कुछ न हो कि आफ ग्रेड उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित समान वस्तु से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद की पूर्व जांचों में समान दृष्टिकोण लिया था। तदनुसार, प्राधिकारी ऑफ ग्रेड उत्पादों को अलग करने की बात नहीं मानते।

13. उपर्युक्त अध्यधीन संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध सामानों और आवदेकों द्वारा उत्पादित संबद्ध सामानों के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित नायलान फिलामेंट यार्न और संबद्ध देशों से आयातित यार्न भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण किया एवं प्रौद्योगिकी, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संदर्भ में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और उपभोक्ता इनका प्रयोग परस्पर

परिवर्तनीय रूप से कर सकते हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदकों द्वारा उत्पादित सामान संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु हैं।

14. पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन निर्धारित करने के प्रयोजन के लिए उचित तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित करने के बाद एक पीसीएन सिद्धांत अपनाया गया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों पर पहले ही विचार कर दिया गया है और पीसीएन सिद्धांत में उपयुक्त रूप से हल कर दिया गया है। जहां तक प्राइम / नान प्राइम के पीसीएन श्रेणीकरण के संबंध में तर्कों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया पीसीएन सिद्धांत उनकी सतत परिपाटी के अनुरूप है। नान प्राइम ग्रेड / आफ ग्रेड सामग्री समान कच्ची सामग्री भी उत्पादित किया जाता है और उसमें समान प्रक्रिया होती है तथा तदनुसार, प्राइम ग्रेड की तरह समान उत्पादन लागत होती है। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि इस जांच के लिए अपनाया गया पीसीएन सिद्धांत उपयुक्त है।

प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित पीसीएन सिद्धांत पर विचार किया है :

क्र.सं.	विशेषता	प्राप्य	स्पष्टीकरण
1.	यार्न प्रकार	XX	पार्टली/हाई ओरिएंटेड यार्न "पीओ" फुल ड्रॉन/(फ्लैट /स्पिन ड्रॉन यार्न "एफडी" ड्रॉन टेक्सचर्ड/क्राइम्पड यार्न "डीटी" एयर टेक्सचर्ड यार्न "एटी" उपर्युक्त को छोड़कर: "ओटी" (कृपया उल्लेख करें तथा अलग से स्पष्टीकरण / औचित्य दें)
2.	डेनियर	XXXX	पीसीएन में अगले चार अंक डेनियर दर्शाने चाहिए : उदाहरण के लिए: 15 डेनियर: 0015 20 डेनियर: 0020 100 डेनियर: 0100
3.	फिलामेंट्स	XXX	पीसीएन में ये तीन अंक फिलामेंट की संख्या होने चाहिए
4.	लस्टर	XX	पीसीएन में अगले दो अंक लस्टर होना चाहिए जो चमकीला, डल आदि हो सकता है: ब्राइट: "बीआर" सेमी डल: "एसडी" फुल डल: "एफडी" उपर्युक्त को छोड़कर: "ओटी" (कृपया उल्लेख करें तथा अलग से स्पष्टीकरण / औचित्य दें)
5.	कलर	XX	अगले दो अंक यह दर्शाने के लिए हैं कि क्या उत्पाद ग्रे है अथवा रंगीन है जीआर= ग्रे (रॉ व्हाइट) डीवाई (कलर्ड) यूएन= पहचान नहीं उपर्युक्त को छोड़कर: "ओटी" (कृपया उल्लेख करें तथा अलग से स्पष्टीकरण / औचित्य दें)
6.	विशेष उत्पाद	XX	अगले दो अंक यह दर्शाने के लिए हैं कि क्या उत्पाद विशेषता वाला उत्पाद है अथवा नहीं विशेषता वाला उत्पाद "नहीं" विशेषता वाला उत्पाद "हां"

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र एवं आधार**घ.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध**

15. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. आवेदक ने न तो संबद्ध सामानों का आयात किया और न ही वे किसी निर्यातक अथवा आयातक से संबद्ध है।
- ख. निम्नलिखित उत्पादक संबद्ध सामानों के आयात में लगे हुए हैं और इसीलिए उनका उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन में शामिल नहीं किया जाना चाहिए।
 - i. मै० एवाईएम सिनटेक्स
 - ii. मै० पीएनपी पोलिटेक्स प्रा० लि०
 - iii. मै० सरला परफार्मेंस फाइबर लि०
 - iv. मै० अग्लोन इंडस्ट्रीज प्रा० लि० और
 - v. मै० जेसीटी लि०
 - vi. शिवने यार्न प्रा० लि०
- ग. मै० सालासर पालीटेक्स प्रा० लि० और मै० टोडी रॉयन्स प्रा० लि० की एक संबद्ध कंपनी अर्थात् मै० सालासर यार्न प्रा० लि० है जो संबद्ध सामानों के आयात में शामिल है। अतः दोनों कंपनियों के उत्पादन पर भी कुल भारतीय उत्पादन के परिकलन में विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- घ. जेपीबी फाइबर, मै० ईगल फाइबर प्रा० लि० और मै० अल्लोन इंडस्ट्रीज प्रा० लि० से संबद्ध है जो संबद्ध सामानों के आयात में शामिल हैं।
- ङ. विरोधी पक्षकारों के तर्कों के विपरीत मै० प्रफुल्ल ओवरसीज प्रा० लि० ने 8 अगस्त, 2019 को पूरी लागत संबंधी सूचना दी है।
- च. कुल 13 अन्य घरेलू उत्पादकों ने जांच की शुरुआत के बाद की जांच का समर्थन करते हुए पत्र दायर किए हैं। दो अन्य उत्पादकों गुजरात सिंथेटिक्स लि० और गुजरात स्टेट फर्टीलाइजर एवं केमिकल लि० ने अपना उत्पादन रोक दिया और मै० जे-कोरिन स्पिनिंग प्रा० लि० ने अपना उत्पादन पोलिस्टर में बदल दिया है। भारत में सभी प्रचालनात्मक उत्पादों ने वर्तमान याचिका का समर्थन किया है।
- छ. समर्थन पत्रों का गोपनीय रूपांतर दिनांक 5 अगस्त, 2019 के पत्र द्वारा किया गया था।
- ज. कई उत्पादक संबद्ध सामानों का आयात कर रहे हैं क्योंकि संबद्ध आयात भारत में उत्पादन लागत से काफी कम कीमत पर हैं।
- झ. आवेदकों का कुल घरेलू उत्पादन में 30 प्रतिशत से अधिक और पात्र भारतीय उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा है और इस प्रकार वे घरेलू उद्योग हैं।
- ट. यदि प्रफुल्ल ओवरसीज को शामिल किया जाए तो उत्पादकों का संयुक्त हिस्सा कुल घरेलू उत्पाद के 40 प्रतिशत से अधिक है।
- ठ. चूंकि किसी भी घरेलू उत्पादक द्वारा कोई विरोध नहीं है। अतः आवेदकों का समर्थन अथवा विरोध व्यक्त करने वाले घरेलू उत्पादकों के उस भाग के कुल उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक है।
- ड. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि अन्य घरेलू उत्पादकों को भाग लेने की आवश्यकता नहीं है, यह अनुरोध किया गया था कि घरेलू उत्पादक नियमावली के नियम 2(ग) के तहत हितबद्ध पक्षकार हैं। इसके अतिरिक्त, व्यापार सूचना सं. 11/2018 में यह प्रावधान है कि यदि कोई पक्षकार निर्धारित समय के अंतर्गत हितबद्ध पक्षकार के रूप में पंजीकृत है तो उसे जांच में भाग लेने की अनुमति होगी। यहां तक यदि वह प्रश्नावली का उत्तर दायर भी न करें।

- ढ. जैसा कि ब्रजील से मुर्गी पालन के संबंध में अर्जेटीना – निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क से संबंधित मामले में डब्ल्यू टी ओ पैनल की रिपोर्ट द्वारा नोट किया गया है। घरेलू उद्योग कुल घरेलू उत्पादन के 50 प्रतिशत से कम के हिस्से वाले उत्पादकों के मामले में भी परिभाषित किया जा सकता है।

घ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

16. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- क. आवेदकों का कुल घरेलू उत्पादन में केवल 34.3 प्रतिशत हिस्सा है और इसीलिए वे घरेलू उद्योग नहीं हैं।
- ख. चूंकि आवेदकों का कुल घरेलू उत्पादन में 50 प्रतिशत से कम का हिस्सा है। अतः नियम 2(ख) की अपेक्षाएं और नियम 5(3) के तहत घरेलू उद्योग की ओर से माने जाने के लिए आवेदन पत्र हेतु न्यूनतम आवश्यकता पूरी नहीं है। आवेदक 8 उत्पादकों को घरेलू उद्योग के क्षेत्र से अपने आप अलग नहीं कर सकते क्योंकि उत्पादकों को अलग करना प्राधिकारी के विवेक पर है।
- ग. प्रफुल्ल ओवरसीज ने दिनांक 27 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना संख्या 13/2018 के अनुसार अपेक्षित ब्यापार दायर नहीं किए हैं।
- घ. आवेदकों का उत्पादन *** मी. टन है जबकि पात्र उत्पादन ***मी. टन है। अर्थात् कुल उत्पादन ***मी. टन का है। अतः आवेदकों का कुल उत्पादन में केवल 21.96 प्रतिशत है जो 25 प्रतिशत के निर्धारित स्तर से कम है।
- ङ. भारत में 19 उत्पादक संबद्ध सामानों का उत्पादन करते हैं जबकि केवल दो उत्पादकों ने याचिका दायर की है।
- च. अलग किए गए दो घरेलू उत्पादकों ने न तो अपने समर्थन पत्र दायर किए हैं और न ही अपेक्षित सूचना दायर की है जैसे कि दिनांक 27 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना 13/2018 में अधिवेशित है।
- छ. व्यापार सूचना 6/2018 के अनुसार समर्थन पत्र मूल याचिका के साथ जांच की शुरुआत से पूर्व दायर किए जाने अपेक्षित होते हैं। तथापि, वर्तमान मामले में वे जांच की शुरुआत के बाद दायर किए जाने हैं।
- ज. अग्लोन इंडस्ट्रीज प्रा० लि० ने दावा किया है कि उनके आयात कुल आयातों के केवल 2 प्रतिशत है जो सही नहीं हैं।
- झ. चूंकि समर्थकों ने व्यापार सूचना के अनुसार निर्धारित सूचना दायर नहीं की है। अतः उन्हें मौखिक सुनवाई और आगे की कार्यवाहियों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- ञ. चूंकि अधिकतर उत्पादक भी संबद्ध सामानों का आयात कर रहे हैं। अतः उन्हें आयातक प्रश्नावली के उत्तर दायर करने चाहिए थे। उत्तर के अभाव में उन्हें भाग लेने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

17. नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है :-

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है, जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परन्तु जब ऐसे उत्पादक कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं। ऐसे मामले “घरेलू उद्योग” शेष उत्पादकों को समझा जाएगा।

18. यह आवेदन पत्र मै० सेंचुरी इंका लि० और मै० गुजरात पोलिफिल्म्स लि० द्वारा संयुक्त रूप से दायर किया गया है। दोनों कंपनियों ने संबद्ध देशों से न तो संबद्ध सामानों का आयात किया है और न ही वे संबद्ध उत्पाद के किसी आयातक / निर्यातक से संबद्ध हैं।
19. निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों ने आवेदकों द्वारा दायर याचिका का समर्थन किया है।
 - i. प्रफुल्ल ओवरसीज प्रा० लि०
 - ii. ओरिलॉन इंडिया प्रा० लि०
 - iii. गोर्डेन सिल्क्स मिल्स लि०

- iv. केजरीवाल सिंथेटिक्स प्रा० लि०
- v. वेलनोन पोलिस्टर प्रा० लि०
- vi. पीएनपी पोलिमर्स प्रा० लि०
- vii. जेसीटी लि०
- viii. शिवेन यार्न प्रा लि०
- ix. जेपीबी फाइबर्स
- x. सालासर पोलिटैक्स प्रा० लि०
- xi. टोडी रॉयन्स प्रा० लि०
- xii. अग्लोन इंडस्ट्रीज प्रा० लि०
- xiii. एवाईएम सिंटेक्स लि०
- xiv. सरला परफार्मेंसी फाइबर्स लि०
20. आवेदकों ने विचाराधीन उत्पाद के आयातकों अथवा आयातक से संबद्ध के रूप में निम्नलिखित घरेलू उत्पादक कंपनियों की पहचान की है, जो विचाराधीन उत्पाद का आयात कर रही हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित घरेलू उत्पादक संबद्ध सामानों का आयात कर रहे हैं अथवा आयातकों से संबद्ध हैं।
- i. पीएनपी पोलिमर्स प्रा० लि०
- ii. जेसीटी लि०
- iii. शिवेन यार्न प्रा लि०
- iv. जेपीबी फाइबर्स
- v. सालासर पोलिटैक्स प्रा० लि०
- vi. टोडी रॉयन्स प्रा० लि०
- vii. अग्लोन इंडस्ट्रीज प्रा० लि०
- viii. एवाईएम सिंटेक्स लि०
- ix. सरला परफार्मेंसी फाइबर्स लि०
21. मै० प्रफुल्ल ओवरसीज प्रा० लि० ("प्रफुल्ल ओवरसीज"), आवेदन पत्र के एक समर्थक, ने क्षति संबंधी सूचनाएं प्रस्तुत की हैं।
22. आवेदकों समर्थकों और विचाराधीन उत्पाद के आयातक सहित सभी घरेलू उत्पादकों के संबंध में सूचना संक्षेप में निम्नलिखित है।

क्र. सं.	विवरण		कुल उत्पादन (मी. टन)	पात्र उत्पादन (मी. टन)	कुल उत्पादन में हिस्सा	पात्र उत्पादन में हिस्सा
क	आवेदकों का उत्पादन		***	***	***	***
1	गुजरात पोलिमर्स लि०		***	***	***	***
2	सेंचुरी इंका लि०		***	***	***	***
ख	समर्थक		***	***	***	***
3	प्रफुल्ल ओवरसीज प्रा० लि०		***	***	***	***

4	ओरिलॉन इंडिया प्रा० लि०		***	***	***	***
5	गार्डेन सिल्क्स मिल्स लि०		***	***	***	***
6	केजरीवाल सिंथेटिक्स प्रा० लि०		***	***	***	***
7	वेलनोन पोलिस्टर प्रा० लि०		***	***	***	***
8	पीएनपी पोलिमर्स प्रा० लि०	आयातक	***	***	***	***
9	जेसीटी लि०	आयातक	***	***	***	***
10	शिवेन यार्न प्रा लि०	आयातक	***	***	***	***
11	जेपीवी फाइवर्स	पात्र फाइवर से संबंधित	***	***	***	***
12	सालासर पोलिटेक्स प्रा० लि०	पात्र सालासर पोलिटेक्स प्रा० लि० से संबंधित	***	***	***	***
13	टोडी रॉयन्स प्रा० लि०	पात्र टोडी रॉयन्स प्रा० लि० से संबंधित	***	***	***	***
14	अग्लोन इंडस्ट्रीज प्रा० लि०	आयातक	***	***	***	***
15	एवाईएम सिंटेक्स लि०	आयातक	***	***	***	***
16	सरला परफार्मेंसी फाइवर्स लि०	आयातक	***	***	***	***
			***	***	***	***
घ	अन्य पात्र उत्पादक		***	***	***	***
17	जे-कोरिन स्पिनिंग प्रा० लि०		***	***	***	***
18	गुप्ता सिंथेटिक्स लि०*		***	***	***	***
19	जीएसएफसी लि०*		***	***	***	***
ड.	कुल उत्पादन		1,18,758	66,087	100%	100%
च	याचिककर्ता + पात्र समर्थक			***	***	***

* दोनों कंपनी के संयंत्र जांच की अवधि में बंद थे।

23. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि आवेदक घरेलू उद्योग के क्षेत्र के 8 उत्पादकों को अपने आप अलग नहीं कर सकते क्योंकि आयातक उत्पादकों को अलग करना प्राधिकारी के विवेक पर है। प्राधिकारी नोट करते हैं

कि उन्होंने सभी उत्पादकों के संबंध में रिकार्ड में उपलब्ध पूरी सूचना पर विचार किया है और उसकी जांच करने के बाद घरेलू उद्योग के क्षेत्राधिकार से उन घरेलू उत्पादकों को अलग किया है, जिन्होंने या तो उत्पादन किया है अथवा जो आयातकों से संबद्ध है।

24. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि मै० प्रफुल्ल ओवरसीज ने दिनांक 27 सितम्बर, 2018 की व्यापार सूचना 13/2018 के अनुसार अपेक्षित ब्यापार दायर नहीं किए हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने उपर्युक्त व्यापार सूचना के अनुसार सूचना दायर की है और क्षति संबंधी सूचना भी दायर की है।
25. जहां तक समर्थकों द्वारा व्यापार सूचना 6/2018 के अनुपालन का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि व्यापार सूचना 6/2018 आयातक प्रश्नावली से संबंधित है और आवेदन पत्र के समर्थकों के लिए संगत नहीं है।
26. आवेदकों का कुल पात्र घरेलू उत्पादन में 60 प्रतिशत हिस्सा है और समर्थक सहित वह 98.49 प्रतिशत है। अतः सेंचुरी इंका लि० और मै० गुजरात पोलिफिल्मस लि० का प्रमुख अनुपात है तथा नियमावली के 2(ख) और नियम 5(3) के अभिप्राय से घरेलू उद्योग हैं।

ड. गोपनीयता

ड.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

27. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं-

- क. लिहेंग और हाईसुन ने दिनांक 7 सितंबर, 2018 की व्यापार सूचना 10/2018 की अपेक्षाओं के पूर्ण विपरीत कुछ सूचना को उसके लिए कोई कारण दिए बिना गोपनीय होने का दावा किया है। वे दिनांक 9 दिसम्बर, 2013 की व्यापार सूचना 1/2013 की अपेक्षाओं का पालन करने में भी विफल रहे।
- ख. जिनसेन, जिनजियांग, जिनचांग एवं जिंगफेंग विचाराधीन उत्पाद में प्रमुख कच्ची सामग्री के नाम प्रकट करने में विफल रहे हैं।
- ग. इंको और शिनहान सूचीबद्ध रूप में सूचना देने विफल रहे हैं जैसा व्यापार सूचना द्वारा अपेक्षित है।
- घ. जिनजियांग और जिनफेंग अपने निष्पादन मानदंडों का उपयुक्त एवं सार्थक अगोपनीय सार प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं।
- ङ. निर्यातकों ने सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना का गोपनीय होने का दावा किया है।
- च. टेक्वांग ड्रॉ बैक को शासित करने वाले विनियमों को भी गोपनीय होने का दावा करने की सीमा तक किया गया है।
- छ. बिक्री के लिए वितरण के चैनल, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में समायोजन और क्या उत्पादक इनपुट का उत्पादन कैप्टिव रूप से कर रहा है अथवा संबद्ध पक्षकार से ले रहा है जैसी अन्य महत्वपूर्ण सूचना को गोपनीय होने का दावा किया गया है।
- ज. ह्योसुंग ने उन उत्पादों के नाम भी गोपनीय होने का दावा किया है जिन्हें वह विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग करना चाहता है।
- झ. हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों के विपरीत घरेलू उद्योग ने याचिका के अगोपनीय रूपांतर और अद्यतन आंकड़ों दोनों के साथ गोपनीयता के अपने दावों के लिए एक औचित्य तालिका प्रस्तुत की है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने अपने व्यापार सूचना के अनुपालन को दर्शाने वाली तालिका प्रस्तुत की है।
- ञ. प्रपत्र क से ट में लागत एवं कीमत संबंधी सूचना है जिसे प्रकट नहीं किया जा सकता।
- ट. घरेलू उद्योग के सभी क्षति संबंधी मानदंड सूचीबद्ध रूप में और व्यापार सूचना की अपेक्षा के अनुरूप दिए गए हैं।

ड.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

28. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:-

- क. याचिका का अगोपनीय रूपांतर हितबद्ध पक्षकारों को को पर्याप्त रूप से उनके अधिकारों की रक्षा करने की अनुमति नहीं देता। आवेदकों ने व्यापार सूचना में अपेक्षा के अनुसार औचित्य तालिका नहीं दी है और नियम 7 अथवा व्यापार सूचनाओं की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं किया है।
- ख. आवेदकों ने याचिका के भाग -VI में कोई सूचना नहीं दी है और प्रपत्र क से ट में कुछ नहीं दिया गया है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

29. सूचना की गोपनीयता के संबंध में नियमावली के नियम-7 में निम्नानुसार प्रावधान है:-

(1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) (2) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।

(3) उप नियम (2) में किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट है कि गोपनीयता का अनुरोध अनावश्यक है या सूचना देने वाला या तो सूचना को सार्वजनिक नहीं करना चाहता है या उसकी सामान्य रूप में या सारांश रूप में प्रकटन नहीं करना चाहता है तो वह ऐसी सूचना पर ध्यान नहीं दे सकते हैं।

30. इस तर्क के संबंध में जिनसेन, जिनजियांग, जिनचुआंग एवं जिंगफेंग प्रमुख कच्ची सामग्री के नाम प्रकट करने में विफल रहे हैं और यह कि इंको, शिन्हान, जिनजियांग एवं जिंगफेंग सूचीबद्ध रूप में सूचना देने में विफल रहे हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य नियमावली के अनुबद्ध-1 के पैरा 7 के अनुसार निर्मित किया गया है न कि प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर और इसलिए उपर्युक्त सूचना के प्रकट न होने के कारण इस निमित्त किसी पक्षकार के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं हुआ है।

31. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक था गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां भी संभव हुआ है गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध करायें। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए।

च. विविध

च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

32. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विविध अनुरोध निम्नलिखित रूप में रिकार्ड किए गए हैं :-

- क. इंडियन नायलान स्पिनर्स ने देश में नायलान फिलामेंट यार्न की कमी तथा अच्छी गुणवत्ता और डाइंग गारंटी की आवश्यकता के कारण आयात किए हैं।
- ख. इंडियन नायलान स्पिनर्स ने घरेलू उद्योग के ईष्टतम क्षमता उपयोग पर चलते रहने के बावजूद संबद्ध सामानों के कुल आयातों का एक तिहाई से अधिक आयात किया है।
- ग. यह तथ्य कि निर्यात याचिकाकर्ता की बिक्री का एक प्रतिशत हैं, भी यह दर्शाता है कि भारतीय उत्पादकों का उत्पादन अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार नहीं है।

- घ. भारत में सेंचुरी इंका लि० जैसे कई स्पिनरों ने अपनी पुरानी पोलिस्टर लाइनों को नायलान स्पिनिंग लाइनों में बदल दिया है जिससे वह उसकी गुणवत्ता में समझौता कर रहे हैं।
- ङ. उच्च गुणवत्ता के नायलान चिपों की कमी है और जिसके फलस्वरूप 90 प्रतिशत नायलान चिपों का भारत में आयात किया जा रहा है। नायलान चिपों और नायलान यानों के कुल आयातों में से नायलान चिप का 89 प्रतिशत हिस्सा है।
- च. प्रयोक्ताओं को कमजोर गुणवत्ता के कारण जेसीटी लि०, अग्लोन इंडस्ट्रीज प्रा० लि० एवं टोडी रॉयन्स प्रा० लि० से खरीदे गए सामान लौटाने पड़े थे।
- छ. प्रयोक्ताओं ने चांगले हाई सुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजीज, कंपनी लि० से 151 मी. टन संबद्ध सामानों का आयात किया है और गुणवत्ता का कोई मुद्दा उनके सामने नहीं आया है।
- ज. घरेलू उद्योग समय पर सामानों की आपूर्ति करने में समर्थ नहीं है।
- झ. पाटनरोधी जांच केवल तभी शुरू की जा सकती है जब आवेदक पाटन, वास्तविक क्षति और कारणात्मक संपर्क के पर्याप्त साक्ष्य दें, जो कि वर्तमान मामले में नहीं दिए गए थे।
- ञ. आवेदक ने जांच की शुरुआत की स्थितियां सिद्ध करने के लिए कोई पूर्ण साक्ष्य नहीं दिया तथा जांच की शुरुआत पूर्णतः आधारहीन है।
- ट. घरेलू उद्योग के ईष्टतम क्षमता पर प्रचालन करने के बावजूद वे भारत में मांग की पूर्ति करने में असमर्थ हैं क्योंकि प्रयोक्ता प्रति वर्ष 20 प्रतिशत बढ़ रहे हैं।
- ठ. सेंचुरी इंका लि० ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह उल्लेख किया है कि संबद्ध सामानों की खपत वर्ष दर वर्ष आधार पर 19 प्रतिशत बढ़ रही है। घरेलू उद्योग इस बढ़ती हुई मांग को पूरा नहीं कर सकता।
- ड. पाटनरोधी शुल्क मांग और आपूर्ति का असंतुलन बनाएगा जिससे प्रयोक्ता उद्योग के लिए आधारभूत कच्ची सामग्री की कमी होगी और जिससे आगे कीमत वृद्धि, प्रतिस्पर्धाहीनता, प्रयोक्ता उद्योग से जुड़े लाखों लोगों के लिए प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से बंदी तथा बेरोजगारी होगी।
- ढ. पूरी नायलान शृंखला में आधारभूत सामग्री से लेकर परिष्कृत उत्पाद तक नायलान यार्न को छोड़कर किसी उत्पाद पर कोई पाटनरोधी शुल्क नहीं है।
- ण. यद्यपि भारत में मुट्टी भर नायलान स्पिनर हैं। तथापि, बुनकरों, निटरों, इंटरलाइनिंग आदि से युक्त भारी प्रयोक्ता उद्योग है।
- त. सूरत में 5.5 लाख विद्युत करघों में से 1.1 लाख विद्युत करघों का विगत 1.5 वर्ष में कचरा बन गया है। सूरत में विद्युत करघा उद्योग में 6500 एमएसएमई, 1.5 लाख कामगार प्रत्येक एवं परोक्ष रूप से नियुक्त हैं और 7500 करोड़ रूपए कुल निवल मूल्य है। नायलान फिलामेंट यार्न का प्रयोग करने वाले 1.5 लाख करघे हैं।
- थ. सीआईटीआई, द्वारा प्रकाशित टेक्सटाइल टाइम के अनुसार भारत गुणवत्ता और कीमत की दृष्टि से नायलान यार्न उच्च तनन शीलता वाले यार्न और प्रकार्यात्मक यार्न के उत्पादन में प्रतिस्पर्धी नहीं हैं।
- द. शुल्क लगाने से भारतीय नायलान स्पिनरों को कीमत बढ़ाने और व्यवसायीकरण करने का अवसर मिलेगा।
- ध. जांच की अवधि के लिए आंकड़ों को उद्यतन करते समय क्षति की अवधि के लिए आंकड़ों में निर्यात बिक्री, कर्मचारी की संख्या और उत्पादकता के संबंध में परिवर्तन हो गया।
- न. पूर्व शुल्कों की समामि के बाद केवल एक वर्ष की अवधि के भीतर पाटनरोधी शुल्क लगाना उपयुक्त नहीं है।
- त्त. एक डॉलर शुल्क का अर्थ है कि घरेलू उत्पादक प्रति किलोग्राम 70 रूपए तक कीमत बढ़ाएं जो 35 प्रतिशत की वृद्धि है। चूंकि फेब्रिक 25-35 ग्राम प्रति मीटर होता है और फेब्रिक की कीमत लगभग 14 रु प्रति मीटर होती है। अतः शुल्क से 18 प्रतिशत का प्रभाव पड़ेगा। चूंकि नायलान फेब्रिक 300 रूपए से 400 रूपए प्रति किलोग्राम की औसत पर बेचा जाता है। अतः एक डॉलर शुल्क का प्रभाव 20 प्रतिशत होगा।

च.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

33. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

- क. चूंकि एलीमेंट निट्स, युनिक फर एन फेब्रिक प्रा० लि० और साइनाथ निटेक्स प्रा० लि० निर्धारित समय के भीतर हितबद्ध पक्षकार के रूप में पंजीकृत नहीं थे। अतः उनके अनुरोध व्यापार सूचना 11/2018 के अनुरूप उनके अनुरोधों पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- ख. गुणवत्ता के संबंध में यह अनुरोध है कि भारतीय उत्पादक द्वारा उत्पादित सामान की गुणवत्ता समान अथवा आयातित सामानों से यहां तक कि बेहतर है।
- ग. निर्यातकों ने खुद ही स्वीकार किया है कि वे भारत को नान प्राइम अथवा आफ ग्रेड सामानों का निर्यात कर रहे हैं जो यह दर्शाता है कि घरेलू रूप से उत्पादित सामानों की गुणवत्ता के आरोप आधारहीन हैं।
- घ. घरेलू सामानों की गुणवत्ता इस तथ्य से सिद्ध है कि घरेलू उत्पादकों का भारतीय बाजार में ऐतिहासिक रूप से 80-90 प्रतिशत हिस्सा रहा है।
- ङ. घरेलू उत्पादक आयातित मशीनों और कच्ची सामग्री का प्रयोग कर रहे हैं, उनके पास सुचालित विंडर तथा मानक स्पूल हैं। इसके अतिरिक्त, घरेलू उत्पादकों ने ग्राहकों की शिकायतों को दूर करने के लिए सेल स्थापित किए हैं जबकि आयातों के संबंध में ऐसा कोई निवारण तंत्र नहीं है।
- च. जहां तक इस आरोप का संबंध है कि कोई डाइंग गारंटी नहीं दी जाती है। यह अनुरोध है कि उत्पादक यार्न के लिए गारंटी दे रहे हैं। तथापि, फेब्रिक स्तर पर कोई गारंटी नहीं दी जा सकती क्योंकि फेब्रिक के आपूर्तिकर्ता में यार्न का पता लगाना कठिन है।
- छ. घरेलू रूप से उत्पादित सामानों की वापसी के आरोप का उत्तर देते हुए यह अनुरोध किया गया है कि यह अपने आप में दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ग्राहकों को वांछित उत्पाद दे रहा है।
- ज. जहां तक पोलिस्टर लाइनों को बदलने के संबंध में तर्क का संबंध है। यह अनुरोध है कि संबद्ध देशों में उत्पादक खुद उस मशीनरी का उपयोग कर रहे हैं जो 20-25 वर्ष पुरानी है। यह इस तथ्य से सिद्ध है कि चीन को छोड़कर किसी भी देश में कोई नया निवेश नहीं हुआ है।
- झ. घरेलू उद्योग को उसके द्वारा आपूर्ति किए गए सामानों की किसी भी गुणवत्ता जांच पर कोई आपत्ति नहीं है।
- ञ. अन्य घरेलू उत्पादक सस्ती आयात कीमतों के कारण ही संबद्ध सामानों का आयात कर रहे हैं।
- ट. प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच साक्ष्य की पर्याप्तता के संबंध में पृथग्दृष्ट्या संतुष्ट होने के बाद शुरू की गई है।
- ठ. भारत में क्षमता देश में मांग से अधिक है और कोई मांग और आपूर्ति का अंतराल नहीं है। किसी भी दशा में पाटनरोधी शुल्क उन मामलों में भी लगाया जा सकता है। जहां मांग आपूर्ति अंतराल है।
- ड. अंतिम प्रयोक्ता पर पाटनरोधी शुल्क का कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं होगा क्योंकि प्रभाव 2 प्रतिशत से कम होगा जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त, चूंकि नायलान उत्पाद कुल टेक्सटाइल खपत के केवल 3 प्रतिशत हैं। अतः शुल्क का प्रभाव कुल टेक्सटाइल क्षेत्र पर 0.06 प्रतिशत से कम होगा।

क्षेत्र	अनुमानित खपत मी. टन/ वर्ष	औसत खुदरा कीमत रूपए प्रति यूनिट	ग्राम/यूनिट में यार्न की खपत	यूनिट	प्रति बिक्री कीमत पर 60 रु / कि. ग्रा. के शुल्क का प्रभाव	बिक्री कीमत पर शुल्क का प्रभाव प्रतिशत
साड़ी	54,000	160	60	वर्ग मीटर	3.60	2%
दुपट्टा/ स्टॉल्स	30,000	70	35	वर्ग मीटर	2.10	3%
ड्रेस मैटेरियल	27,000	90	70	वर्ग मीटर	4.20	5%
स्विम वियर, लिंगरीज	1,200	900	80	पीसीएस	4.80	1%

शूटिंग एंड शर्टिंग	300	140	120	वर्ग मीटर	7.20	5%
एक्टिव वियर					-	
सॉक्स/ बॉटम्स	1,500	60	20	पीसीएस	1.20	2%
टी शर्ट/ टॉप्स	500	600	100	पीसीएस	6.00	1%
स्वेटर्स	500	800	60	पीसीएस	3.60	0%
औद्योगिकीय					-	
इलेस्टिक्स / टेप्स	11,000	4	6	वर्ग मीटर	0.36	9%
क्रोकेट / लेबेल्स/ वेल्क्रो/ लेसज	7,000	70	20	वर्ग मीटर	1.20	2%
रग्स, कारपेट्स, पैकेजिंग	2,000	400	250	पीसीएस	15.00	4%
श्रेड्स, कॉस्मेटिक्स, फिश नेट्स	2,400	350	70	मीटर	4.20	1%
ऑटोमोटिव					-	
ऑटोमोटिव वैकिंग, ग्लव्स	1,800	600	40	पीसीएस	2.40	0%
बोल्टिंग, फिल्डर्स	800	70	65	मीटर	3.90	6%
कुल	1,40,000	131			3.18	2%

- ढ. शुल्क का प्रभाव तत्काल प्रयोक्ता की कीमतों के संबंध में नहीं देखा जाना चाहिए बल्कि अंतिम उपभोक्ता की कीमतों पर देखा जाना चाहिए। जब प्रयोक्ता कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि अथवा कमी को अंतिम उपभोक्ता तक ले जाते हैं तो यह तर्क कि शुल्क का प्रभाव आगे नहीं ले जाया जा सकता, मान्य नहीं है।
- ण. यह तथ्य कि निचले स्तर की खपत 20 प्रतिशत से अधिक की दर पर बढ़ी, खुद ही दर्शाता है कि पूर्व में लगाये गए पाटनरोधी शुल्कों का निचले स्तर के उद्योग पर प्रभाव नहीं पड़ा।
- त. यह तर्क कि नायलान श्रृंखला पर अन्य उत्पादों पर शुल्क नहीं है, संगत नहीं है।
- थ. किसी भी बुनाई तथा मीटिंग यूनिट को पूर्व में लागू शुल्कों के कारण बंद होने के लिए मजबूर नहीं किया गया था।
- द. अनुरोध है कि यह सभी संबंधितों के हित में है कि संबद्ध सामानों के लिए गतिमान तथा बढ़ता हुआ भारतीय उद्योग सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रतिस्पर्धा की स्थितियां स्थापित की जाएं। तथापि, प्रयोक्ताओं के अर्थ क्षमता मुश्किल से ही पाटित एवं अनुचित कीमत वाले सामानों में निरंकुश पहुंच पर निर्भर हो सकती है।
- ध. इस तर्क के संबंध में कि पिछले 1.5 वर्ष में 1.5 लाख करघों का कचरा बन गया था, यह अनुरोध है कि उस अवधि के दौरान कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं था।

- न. घरेलू उत्पादकों को व्यापारिक क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए शुल्क लगाना आवश्यक है।
- न. शुल्क लगाए जाने से घरेलू उत्पादकों को उत्पादक संघ बनाने की अनुमति नहीं होगी, क्योंकि परस्पर प्रतिस्पर्धा जारी रहेगी। इसके अतिरिक्त, संघ बनाये जाने की स्थिति में प्रयोक्ताओं को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग का सहारा लेना होगा।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

34. हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सामानों की कमजोर गुणवत्ता के संबंध में चिंताएं उठाई हैं। दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि निर्यातकों ने भारत को आफ ग्रेड सामानों का निर्यात करना स्वीकार किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग का क्षति की अवधि में घरेलू मांग का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा है जो यह दर्शाता है कि भारतीय उद्योग देश में उत्पाद के लिए मांग को पर्याप्त रूप से पूरा कर रहा है। किसी भी दशा में शुल्क लगाए जाने से आयातों की उपलब्धता प्रतिबंधित नहीं होगी और आयात उचित कीमतों पर उपलब्ध होते रहेंगे।
35. इसी प्रकार उचित/अपाटित कीमतों पर आयातों की सतत उपलब्धता का अर्थ यह है कि शुल्क लगाये जाने से कोई संघीकरण नहीं होगा। शुल्क की मात्रा अनुचित कीमत के आयातों द्वारा हुए व्यापार ह्रास को आफसेट ही करेगी और आयातों पर बाधक के रूप में कार्य नहीं करेगी। किसी भी दशा में देश में उत्पादकों की संख्या तथा क्षमताओं पर विचार करते हुए घरेलू उत्पादकों के बीच पर्याप्त उचित प्रतिस्पर्धा होगी जो यह सुनिश्चित करेगी कि संबद्ध सामान प्रयोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उपलब्ध हैं।
36. जहां तक जांच की शुरुआत की उपयुक्तता का संबंध है, यह स्पष्ट किया जाता है कि जांच पाटन क्षति और कारणात्मक संपर्क के पर्याप्त प्रथमदृष्ट्या साक्ष्य प्राप्त करने के बाद ही शुरू की गई थी।
37. मांग- आपूर्ति अंतराल के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि दायर समर्थन पत्रों में सिद्ध की गई सूचना के अनुसार घरेलू उद्योग की क्षमता भारत में मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। जांच की अवधि में 1,36,995 मी. टन की घरेलू खपत की तुलना में जांच की अवधि के दौरान उत्पाद के लिए भारत में संस्थापित क्षमताएं 1,62,291 मी. टन है।
38. जहां तक निचले स्तर के प्रयोक्ताओं का प्रभाव का संबंध है। घरेलू उद्योग ने यह दर्शाते हुए साक्ष्य प्रस्तुत किया कि अंतिम उपभोक्ताओं पर शुल्क का प्रभाव न्यूनतम होगा। तथापि, अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि उनके प्रचालनों पर प्रभाव काफी होगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से भारत में उत्पाद के कीमत स्तर आंशिक रूप से प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपाय लगाने से कम नहीं होते हैं। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति स्थापित हो सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपाय लगाने से किसी भी दशा में संबद्ध देशों से आयात प्रतिबंधित नहीं होते और इसीलिए ग्राहकों को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
39. जहां तक भारतीय उद्योग के आंकड़ों में परिवर्तन का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने इस मूल्यांकन के प्रयोजन के लिए सत्यापित आंकड़ों पर विचार किया है।

छ. पाटनरोधी एवं पाटन मार्जिन

छ.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध

40. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-
- क. संबद्ध देशों से 2006 से पाटन का इतिहास है।
- ख. संबद्ध देशों के लिए परिकलित पाटन मार्जिन सकारात्मक एवं काफी है।
- ग. चीन जन. गण. के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था स्तर का दावा नहीं किया है।

- घ. संबद्ध देशों के उत्पादकों/ निर्यातकों की भारी संख्या तथा उत्पाद किस्म की संख्या पर विचार करते हुए नमूनाकरण की आवश्यकता है।
- ङ. कई उत्पादकों ने उत्पाद के निर्यात के लिए संबद्ध अथवा असंबद्ध व्यापारियों का प्रयोग किया है और इसलिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत सही बनाने के लिए मूल्य श्रृंखला की स्थापना अत्यंत आवश्यक हो जाती है।
- च. किसी भी निर्यातक ने पाटन के तथ्य से इंकार नहीं किया है।
- छ. ब्राजील ने भी संबद्ध सामानों के आयातों के विरुद्ध पटानरोधी शुल्क लगाया है। शुल्क की राशि 3224 अमेरिकी डॉलर/ मी. टन तक अधिक है और वह 2013 से लागू है।
- ज. उत्तरदाता निर्यातकों ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत में अनुपयुक्त समायोजनों का दावा किया है।
- झ. ह्योसुंग टीएनसी कारपोरेशन ने घरेलू बिक्री के लिए समुद्री भाड़ा और अंतर्देशीय भाड़ा दोनों का दावा किया है।
- ञ. इंको इंटरनेशनल कं० लि० और शिन्हान कं० लि० ने समायोजन के रूप में भाड़े का दावा नहीं किया है।
- ट. फुजियान जिनजियांग, फुजियान जिनचांग एवं फुजियान जिंगफेंग के संबद्ध सामानों के उत्पादन में लगे संबद्ध पक्षकार हैं। जिन्हें उत्तर में प्रकट नहीं किया गया है। इसी प्रकार ह्यूसन और लीहेंग ने संबद्ध सामानों के उत्पाद में लगे संबद्ध पक्षकारों के ब्यौरे छुपाए हैं।
- ठ. फुजियान जिनजियांग, फुजियान जिनचांग एवं फुजियान जिंगफेंग की संबद्ध व्यापारिक कंपनी अर्थात् फुजियान जिनजियांग हांगसेंग ट्रेडिंग कंपनी ने जांच में भाग नहीं लिया है।
- ड. टेकवांग और फुजियान जिनसेंग ने कुछ व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से भारत को निर्यात किए हैं जिन्होंने जांच में भाग नहीं लिया है।
- ढ. फुजियान जिनसेंग द्वारा दायर उत्तर अपूर्ण हैं क्योंकि वह संबद्ध पक्षकारों की सूचना देने में विफल रहा है कि वे विचाराधीन उत्पाद के निर्यात में शामिल थे अथवा नहीं। अन्य न्यायिक क्षेत्राधिकारों में जांचकर्ता प्राधिकारी इस आधार पर उत्तरों को रद्द करने के संबंध में अवगत रहे हैं।
- ण. इसकी जांच की जानी चाहिए कि संबद्ध पक्षकारों से लिए गए इनपुट अथवा सेवाएं निकटस्थ कीमतों पर मानी जाती हैं।
- त. सूचित की गई लागत, बिक्री तथा लाभ की प्रवृत्तियों में कुछ असामान्यताएं हैं जो निर्यातकों द्वारा दिए गए आंकड़ों की शुद्धता की जांच किए जाने की आवश्यकता दर्शाते हैं। जहां तक कीमत संबंधी वचनबद्धता के लिए अनुरोध का संबंध है। घरेलू उद्योग ने उस पर कोई आपित्त व्यक्त नहीं की है, यदि प्राधिकारी यह पाएं कि उस वचनबद्धता की प्रभावी रूप से मानीटरिंग की जा सकती है और निर्यातक उस पर कुछ नहीं कर पाएंगे।
- थ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि चीन जन. गण. को एक बाजार अर्थव्यवस्था माना जाना चाहिए। यह अनुरोध है कि अभिगम नयाचार के अनुच्छेद 15 (क) (i) के प्रावधान लागू रहते हैं जिनका यह अर्थ है कि चीनी कीमतों अथवा लागतों का प्रयोग केवल तभी किया जा सकता है। यदि जांचाधीन उत्पादक स्पष्ट रूप से यह दर्शा सकें कि उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां विद्यमान हैं।

छ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

41. सामान्य मूल्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नलिखित हैं :-
 - i. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में चाइना चैंबर ऑफ कॉमर्स फार इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ टेक्साटाइल ने यह दावा किया है कि चीन जन. गण. के निर्यातकों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों के अंतर्गत प्रचालनकर्ता के रूप में विचार किया जाना चाहिए क्योंकि चीन जन. गण. के अभिगम संबंधी नयाचार की धारा 15 (क) (ii) 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गई थी।

- ii. ह्योसुंग ने अनुरोध किया कि उन्हें नियमावली के नियम 15 के तहत कीमत वचनबद्धता देने की अनुमति दी जाए।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

42. प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/ निर्यातकों को सलाह दी कि वे जांच की शुरुआत की सूचना का उत्तर दें और अपनी बाजार अर्थव्यवस्था की स्तर के निर्धारण से संबंधित संगत सूचना दें तथा सभी ज्ञात उत्पादकों/ निर्यातकों परक प्रश्नावली की प्रतियां भेजीं। प्राधिकारी ने चीन जन. गण. सरकार से यह भी अनुरोध किया कि वे चीन में उत्पादकों/ निर्यातकों को संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दें।
43. चाइना चैंबर ऑफ कॉमर्स फार इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ टेक्साटाइल ने दावा किया कि निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालनकर्ता के रूप में माना जाना चाहिए। तथापि, अलग चीनी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है।
44. निम्नलिखित उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए गए हैं:-
- क. फुजियान जिनसेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
 - ख. फुजियान जिजियांग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
 - ग. फुजियान जिंगफेंग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
 - घ. फुजियान जिनचुआंक नायलॉन इंडस्ट्री कंपनी लि०, चीन जन. गण.
 - ङ. फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
 - च. चांगले हाईसुन सिंथेटिक्स फाइबर टेक्नोलॉजीज कंपनी लि०, चीन जन. गण.
 - छ. लीहेंग (चांगले) पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, चीन जन. गण.
 - ज. ताइक्वांग इंडस्ट्रीयल कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य
 - झ. ह्योसुंग टीएनसी कंपनी, कोरिया गणराज्य
 - ञ. इंको इंटरनेशनल कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य
 - ट. शिन्हान ट्रेडिंग कंपनी लि०, कोरिया गणराज्य

ज. सामान्य मूल्य का निर्धारण

ज.1 चीन जन. गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

45. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चाइना चैम्बर ऑफ कामर्स फार इंपोर्ट्स एंड एक्सपोर्ट्स फार टेक्साटाइल ने यद्यपि बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया है लेकिन चीन के किसी भी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा नहीं किया है। चूंकि चीन जन. गण. से किसी भी निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा नहीं किया है इसलिए नियमावली के अनुबंध- 1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य परिकल्पित किया गया था। तदनुसार, प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध- 1 के पैरा 7 में विनिर्दिष्ट क्रम के अनुसार सामान्य मूल्य परिकल्पित करने के विकल्प की तलाश की है, जिसके तहत यह प्रावधान है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी तीसरे बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश में कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य के आधार पर अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों, जिसमें भारत शामिल है, को कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां कहीं यह संभव नहीं है, वास्तव में भुगतान की गई कीमत और समान उत्पाद के लिए भारत में भुगतान की जाने वाली कीमत सहित अन्य किसी तर्क संगत आधार पर किया जाएगा, जिसमें एक तर्कसंगत लाभ मार्जिन को शामिल करके आवश्यकता के अनुसार विधिवत समायोजन किया जाएगा।
46. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने एक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकल्पित मूल्य अथवा भारत सहित अन्य देशों को ऐसे किसी तीसरे देश से कीमत के संबंध में सूचना प्रदान नहीं की है। इसके अलावा, सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए अपेक्षित पी सी एन- वार सूचना उपलब्ध है और इसमें शामिल प्रत्येक पी सी एन के लिए अलग से सूचना उपलब्ध होनी चाहिए। चूंकि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में लागत और कीमत अथवा ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य

देशों, जिसमें भारत शामिल है, को कीमत के संबंध में रिकार्ड में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण इसके आधार पर नहीं किया जा सका। तदनुसार, अनुबंध- 1 के पैरा 7 के प्रावधानों के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण, भारत में भुगतान की गई अथवा भुगतान की जाने वाली कीमत के आधार पर किया गया है। अतः प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है, जिसमें 5 प्रतिशत की दर से तर्कसंगत लाभ मार्जिन को जोड़कर, बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्यय का उचित समायोजन किया गया है। इस प्रकार परिकल्पित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

चीन जन. गण. से सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

47. चीन जन. गण. से सभी असहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य, नियमावली के नियम 6 (8) के प्रावधानों के तहत सहयोगी निर्यातकों के बीच सबसे अधिक सामान्य मूल्य के आधार पर तय किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

ज.2 कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य

48. धारा 9 (1) (ग) के तहत, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य से तात्पर्य है कि :-

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो, अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उदगम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत:

परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल स्थानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

मै० टेक्वांग इंडस्ट्रीयल कं० लि० के लिए सामान्य कीमत

49. मै० टेक्वांग इंडस्ट्रीयल कं० लि० ने निर्यातक प्रश्नावली में अपनी घरेलू बिक्रियों के संबंध में सूचना प्रदान की है। उत्तर से यह नोट किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान, कंपनी ने विभिन्न असंबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में *** मी. टन की बिक्री की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभकारी घरेलू बिक्री सौदों के निर्धारण के लिए सामान्य व्यापार जांच आयोजित की है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि लाभकारी बिक्रियां 80 प्रतिशत से कम हैं, इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए केवल लाभकारी बिक्रियों पर ही विचार किया है। कंपनी ने ऋण लागत के संबंध में समायोजनों का दावा किया है, जिसकी अनुमति नहीं दी गई। तदनुसार, मै० टेक्वांग इंडस्ट्रीयल कं० लि०, कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

मै० ह्योसुंग टी एन सी कंपनी, मै० इंको इंटरनेशनल कंपनी लि० और मै० शिन्हान ट्रेडिंग कंपनी लि० के लिए सामान्य मूल्य

50. दायर किए गए उत्तर से यह नोट किया गया है कि उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली उत्तर में अपनी घरेलू बिक्रियों के संबंध में सूचना प्रदान की है। उत्तर से यह भी नोट किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान कंपनी ने विभिन्न असंबद्ध पक्षकारों को घरेलू बाजार में *** मी. टन की बिक्री की है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के संदर्भ में लाभकारी घरेलू बिक्रियों के निर्धारण के

लिए सामान्य व्यापार जांच आयोजित की है। प्राधिकारी ने यह पाया है कि लाभकारी बिक्रियां 80 प्रतिशत से कम हैं, इस प्रकार कंपनी ने ऋण लागत के संबंध में समायोजनों का दावा किया है, जिसकी अनुमति दे दी गई। तदनुसार मै० ह्योसुंग टी एन सी कंपनी लि० के लिए सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

कोरिया गणराज्य से सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

51. कोरिया गणराज्य के सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के नियम 6 (8) के प्रावधानों के अनुसार सहयोगी निर्यातकों के बीच सर्वाधिक सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

ज.3 ताइवान के लिए सामान्य मूल्य

52. ताइवान से किसी भी उत्पादक / निर्यातक ने जांच में हिस्सा नहीं लिया है। तदनुसार, नियमावली के लिए नियम 6 (8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर किया है, जिसमें 5 प्रतिशत की दर से तर्क संगत लाभ मार्जिन को जोड़कर बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्यय को समायोजित किया गया है। इस प्रकार से निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

ज.4 थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य

53. थाईलैंड से किसी भी उत्पादक/ निर्यातक ने जांच में भाग नहीं लिया है। तदनुसार, नियमावली के नियम 6 (8) के प्रावधानों के अनुसार, उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण 5 प्रतिशत की दर से तर्कसंगत लाभ मार्जिन को जोड़कर, बिक्री, सामान्य व प्रशासनिक व्यय को समायोजित करके संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन लागत के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर किया है। इस प्रकार से निर्धारित किया गया सामान्य मूल्य पाटन मार्जिन सारणी में दिया गया है।

झ. निर्यात कीमत का निर्धारण

झ.1 चीन जन. गण. के लिए निर्यात कीमत

मै० फुजियान जिन्सेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि० के लिए निर्यात मूल्य

54. मै० फुजियान जिन्सेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि० ने भारत को सीधे *** मी. टन की बिक्री की है और *** मी. टन बिक्री असंबद्ध कंपनी के माध्यम से की है। असंबद्ध कंपनी से कोई भी उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। तदनुसार *** मी. टन के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण कंपनी द्वारा प्रदान किए गए डाटा के आधार पर किया गया है। निर्यातकों ने समुद्री माल भाड़ा, बीमा, बंदरगाह दुलाई, और अन्य व्यय, ऋण लागत और बैंक प्रभारों, के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने किए गए दावों के अनुसार समायोजनों की अनुमति दे दी है और उत्पादकों/निर्यातकों के लिए कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। *** मी. टन के लिए असहयोगी व्यापारियों के लिए कारखाना बाह्य कीमत का निर्धारण असहयोगी निर्यातक के आंकड़ों के आधार पर किया गया है। तदनुसार, *** मी. टन के लिए भारत औसत कारखाना बाह्य निर्यात कीमत निर्धारित की गई है। इस प्रकार से निर्धारित की गई कारखाना बाह्य निर्यात कीमत पाटन मार्जिन सारणी में दी गई है।

मै० फुजियान जिनजियांग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, मै० फुजियान जिनचुंग नायलान इंडस्ट्री कंपनी लि० और मै० फुजियान जिंगफेंग टेक्नोलॉजी कंपनी लि० के लिए निर्यात मूल्य

55. मै० फुजियान जिनजियांग टेक्नोलॉजी कंपनी लि० ने भारत को सीधे *** मी. टन की बिक्री की है और *** मी. टन की बिक्री अपनी संबद्ध कंपनी मै० फुजियान जिनफेंग टेक्नोलॉजी कंपनी लि० के माध्यम से की है। निर्यातक ने स्वदेशी दुलाई, बंदरगाह और अन्य संगत व्यय, फूमिगेशन शुल्क, सीमा शुल्क रिपोर्टिंग शुल्क, माल भाड़ा और क्लीयरेंस एवं हैंडलिंग प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावा किए गए समायोजनों की अनुमति प्रदान की है और उत्पादक / निर्यातक के संबंध में कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार से निर्धारित कारखाना बाह्य निर्यात कीमत पाटन मार्जिन सारणी में दी गई है।

मै० लिहेंग (चांगले) पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि० और मै० चांगले हिंगसुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि० के लिए निर्यात मूल्य

56. मै० लिहेंग (चांगले) पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि० और मै० चांगले हिंगसुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि० संगत कंपनियां हैं जो संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में लगी हुई हैं। प्रत्येक कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तुएं भारतीय असंगत ग्राहक को सीधे निर्यात की गई हैं। निर्यात की मात्रा मै० लिहेंग (चांगला) पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि० से *** मी. टन और मै० चांगले हिंगसुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि० से *** मी. टन है। चांगले ग्रुप द्वारा कुल निर्यात की मात्रा *** मी. टन है। चांगले ग्रुप ने समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी दुलाई, दस्तावेज शुल्क, बंदरगाह और सीमा शुल्क प्रभार, ऋण लागत और बैंक प्रभार जैसे कारखाना के बाद के व्यय के संबंध में कटौती का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावा किए गए अनुसार समायोजनों की अनुमति प्रदान की है और उत्पादक / निर्यातक के संबंध में कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार से निर्धारित कारखाना बाह्य निर्यात कीमत पाटन मार्जिन सारणी में दी गई है।

मै० फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि० के लिए निर्यात मूल्य

57. मै० फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि० ने संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन और निर्यात में शामिल हैं। कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तुएं भारतीय असंबद्ध ग्राहक को सीधे निर्यात की गई हैं। मै० फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि० की निर्यात की मात्रा *** मी. टन है। कंपनी ने समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी दुलाई, दस्तावेज शुल्क, बंदरगाह और सीमा शुल्क प्रभार, ऋण लागत और बीमा प्रभारों जैसे कारखाना उपरांत के व्यय के संबंध में कटौती का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावा किए गए अनुसार समायोजनों की अनुमति प्रदान की है और उत्पादक/ निर्यातक के संबंध में कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार से निर्धारित की गई कारखाना बाह्य निर्यात कीमत पाटन मार्जिन सारणी में दी गई है।

चीन जन. गण. से सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

58. चीन जन. गण. से अन्य असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत नियमावली के नियम 6 (8) के प्रावधानों के तहत सहयोगी निर्यातकों के बीच न्यूनतम निर्यात कीमत के रूप में निर्धारित की गई है।

झ.2 मै० टेक्वांग इंडस्ट्रीयल कंपनी लि० के लिए निर्यात कीमत

59. मै० टेक्वांग इंडस्ट्रीयल कंपनी लि० ने भारत भारत को *** मी. टन की सीधे बिक्री की है। निर्यातक ने समुद्री माल भाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बंदरगाह, हैंडलिंग प्रभारों, ऋण लागत, ब्रोकरेज, बैंक प्रभारों और ड्यूटी ड्राबैक के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावा किए गए अनुसार समायोजनों की अनुमति प्रदान की है और उत्पादक / निर्यातक के संबंध में कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार से निर्धारित की गई कारखाना बाह्य निर्यात कीमत पाटन मार्जिन सारणी में दी गई है।

मै० ह्योसिंग टी एन सी कंपनी, मै० इंको इंटरनेशनल कंपनी लि० और मै० शिनहान ट्रेडिंग कंपनी लि० के लिए निर्यात कीमत

60. मै० ह्योसिंग टी एन सी कारपोरेशन ने भारत को सीधे *** मी. टन और असंबद्ध व्यापारियों के माध्यम से *** मी. टन की बिक्री की है। निर्यातक ने समुद्री माल भाड़ा, बीमा, स्वदेशी दुलाई, बंदरगाह, हैंडलिंग और अन्य प्रभारों, ऋण लागत, ब्रोकरेज, बैंक प्रभारों के संबंध में समायोजनों का दावा किया है। प्राधिकारी ने दावा किए गए अनुसार समायोजनों की अनुमति प्रदान की है और उत्पादक / निर्यातक के संबंध में कारखाना बाह्य निर्यात कीमत का निर्धारण किया है। इस प्रकार से निर्धारित की गई कारखाना बाह्य निर्यात कीमत पाटन मार्जिन सारणी में दी गई है।

कोरिया गणराज्य से सभी असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

61. कोरिया गणराज्य से अन्य असहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6 (8) के प्रावधानों के अनुसार सहयोगी निर्यातकों के बीच सबसे कम निर्यात कीमत के रूप में किया गया है।

झ.3 ताइवान के लिए निर्यात कीमत

62. ताइवान से किसी भी उत्पादक / निर्यातक ने स्वयं जांच में भाग नहीं लिया है। तदनुसार, निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इसके प्रयोजन के लिए डीजीसीआई एंड एस द्वारा प्रदान की गई सूचना पर विचार किया गया है। इसके अतिरिक्त, समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी माल

भाड़ा, बैंक प्रभार, बंदरगाह व्यय और कमीशन के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है।

झ. 4 थाईलैंड के लिए निर्यात कीमत

63. थाईलैंड से किसी भी उत्पादक / निर्यातक ने स्वयं जांच में भाग नहीं लिया है। तदनुसार, निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है। इसके प्रयोजन के लिए डीजीसीआई एंड एस द्वारा प्रदान की गई सूचना पर विचार किया गया है। इसके अतिरिक्त, समुद्री माल भाड़ा, समुद्री बीमा, स्वदेशी माल भाड़ा, बैंक प्रभार, बंदरगाह व्यय और कमीशन के संबंध में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर कीमत समायोजन किया गया है।

ट. सामान्य मूल्य, कारखाना बाह्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

64. सभी संबद्ध देशों के लिए, वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य, कारखाना बाह्य निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन इस प्रकार है :-

क्र.सं.	देश	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन
		(यू एस डॉलर/मी. टन)	(यू एस डॉलर/मी. टन)	(यू एस डॉलर/मी. टन)	(%)	(रेंज % में)
क	चीन जन. गण.					
1	फुजियान जिनसेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि०	***	***	***	***	20-40
2	फुजियान जिनजियांग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, फुजियान जिनचांग नायलान इंडस्ट्री कंपनी लि०, और फुजियान जिंगफेंग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०	***	***	***	***	10-30
3	लीहिंग नालॉजटेक् पोलिमाइड (चांगले) कंपनी लि० और चांगले हाईसुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि०	***	***	***	***	10-30
4	फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०	***	***	***	***	20-40
5	चीन जन. गण. के असहयोगी / शेष	***	***	***	***	40-60
ख	कोरिया गणराज्य					
1	टेवांग इंडस्ट्रीयल कंपनी लि	***	***	***	***	10-30
2	ह्योसुंग टीएनसी कंपनी, इंको इंटरनेशनल कंपनी लि० और शिन्हान ट्रेडिंग कंपनी लि०	***	***	***	***	90-110
3	कोरिया गणराज्य के असहयोगी / शेष	***	***	***	***	110-130
ग	ताइवान	***	***	***	***	20-40
घ	थाईलैंड	***	***	***	***	10-30

ठ. क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच**ठ.1 घरेलू उद्योग के अनुरोध**

65. घरेलू उद्योग द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में भारी वृद्धि हुई है।
- ख. यद्यपि केवल 24 प्रतिशत तक ही मांग में वृद्धि हुई है, लेकिन आयातों में हुई वृद्धि करीब 144 प्रतिशत तक है।
- ग. अन्य पक्षकारों के तर्क के विपरीत आयातों में वृद्धि केवल संबद्ध आयातों के संदर्भ में ही देखी जानी चाहिए न कि कुल आयातों के संदर्भ में।
- घ. उत्पादन, खपत और कुल आयातों के अनुपात में विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान दुगुनी वृद्धि हुई है।
- ङ. चीन में उत्पादक चीन जन. गण. ने मांग में वृद्धि के विपरीत महत्वपूर्ण क्षमता वृद्धि कर रहे हैं।
- च. कोरियाई निर्यातकों द्वारा दायर किए गए उत्तर यह दर्शाते हैं कि उनकी घरेलू बिक्रियों में गिरावट आई है और भारत को निर्यातों में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, भारत को निर्यातों में अन्य देशों को निर्यातों की तुलना में तेज गति से वृद्धि हुई है।
- छ. चीन जन. गण. से अनेक निर्यातकों ने केवल जांच की अवधि के दौरान अथवा उसके बाद के वर्ष में भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात शुरू किया है।
- ज. इस तर्क के संबंध में कि यूरोपीय संघ और वियतनाम से प्रतिस्थापन आयातों में वृद्धि हो रही है, यह कहना है कि यदि एक देश से पाटित आयात दूसरे देशों से पाटित आयातों का स्थान लेते हैं तो उनके साथ एक जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए।
- झ. कोरिया का हिस्सा अधिक नहीं है।
- ञ. जांच की अवधि के बाद की अवधि में आयातों में काफी वृद्धि हुई है जिनमें संबद्ध आयातों में जांच की अवधि की तुलना में 80 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। 2017-18 के स्तर की तुलना में 340 प्रतिशत तक तक वृद्धि हुई है, जब शुल्क लागू रहे थे।
- ट. चीन से कुल निर्यातों में भारत को निर्यातों का हिस्सा, शुल्क समाप्त होने के बाद सामान्यतः 1-5 प्रतिशत से बढ़कर 20-30 प्रतिशत तक अधिक रहा है, जिससे भारत संबद्ध वस्तुओं का सबसे बड़ा आयातक हो गया है।
- ठ. कच्ची सामग्री की लागत पर आयात कीमत के मार्क-अप में कमी आई है।
- ड. पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में महत्वपूर्ण कटौती हो रही है।
- ढ. 75 प्रतिशत आयात घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से नीचे की कीमत पर है।
- ण. संबद्ध देशों से आयात, घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से काफी कम स्तर पर आ रहे हैं।
- त. कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है और महत्वपूर्ण है। यहां तक कि पूर्व जांचों में भी प्राधिकारी ने 10 प्रतिशत अधिक पर कम कीमत की बिक्री पाई है।
- थ. घरेलू उद्योग हानियों पर बिक्री करने को मजबूर है और अपनी कीमतों में यहां तक कि अपनी लागत के अनुसार बिक्री कीमतों में वृद्धि करने की स्थिति में भी नहीं है। आयातों से कीमत वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा होती।
- द. घरेलू उद्योग के लिए वर्तमान कीमतों पर समान स्तर तक पहुंचाना भी असंभव है। घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों में पर्याप्त वृद्धि करनी होगी, जो तभी संभव होगा जब संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत अपाटित और गैर-क्षति स्तर पर रहे।

- ध. घरेलू उद्योग की बिक्रियों और उत्पादन में तभी वृद्धि हो सकती है जब घरेलू उद्योग बाजार में हिस्सा बनाए रखने के लिए हानि पर बिक्री करे।
- न. भारत में अनेक उत्पादकों ने क्षमता का कम उपयोग होने के बावजूद आयातों का सहारा लिया है।
- प. घरेलू उद्योग की इन्वेंट्री बढ़ रही है। घरेलू उद्योग हानि उठा रहा है और उसकी नकदी हानि तथा निवेश पर प्रतिफल नकारात्मक बन गया है।
- फ. यद्यपि क्षमता में वृद्धि के कारण कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है लेकिन कर्मचारियों का उत्पादन प्रति मी. टन घट गया है।
- ब. घरेलू उद्योग उत्पादन, बिक्रियों, क्षमता और बाजार अंश में सकारात्मक वृद्धि करने में समर्थ रहा है और लगातार उसकी स्थिति में लाभप्रदता, नकदी लाभ और निवेश पर प्रतिफल के संबंध में गिरावट आई है।
- भ. यह तथ्य कि घरेलू उद्योग नकारात्मक प्रतिफल दर्शा रहा है, यह दर्शाता है कि उसकी पूंजीगत निवेश बढ़ाने की क्षमता प्रभावित हुई है।
- म. गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लि० अपना उत्पादन बंद करने को मजबूर है।
- य. प्राधिकारी के पिछले जांच परिणामों के समय की स्थिति में विपरीत स्थिति आ गई है क्योंकि आयातों में भारी वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग को हानि का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा विगत निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद में मोनो फिलामेंट यार्न शामिल था, जिसमें घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही थी।
- र. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जांच की अवधि के बाद के आंकड़े संगत नहीं हैं, यह कहना है कि ऐसे आंकड़ों पर प्राधिकारी द्वारा आवश्यकता के अनुसार कई मामलों में विचार किया गया है। ऐसे आंकड़ों की जांच से यह मूल्यांकन हो सकेगा कि शुल्क समाप्त होने के बाद कैसे आयातों में वृद्धि हुई।
- ल. सेंचुरी इंका लि० की वार्षिक रिपोर्ट के संदर्भ में यह कहना है कि लाभों में वृद्धि अन्य उत्पादों में निष्पादन के अनुकूल होने के कारण से थी और यह कि उसी वार्षिक रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयात से शुल्क हटाने के बाद मार्जिन पर दबाव पड़ रहा था।
- व. प्रफुल्ल की आई सी आर ए रेटिंग पर हितबद्ध पक्षकारों की निर्भरता गलत बताई गई है क्योंकि यह 2017-18 के संबंध में थी, जब उत्पादक को अपेक्षाकृत अधिक लाभ हो रहा था।
- श. घरेलू उद्योग को क्षति किसी अन्य कारण से नहीं हुई है।
- ष. संबद्ध वस्तुओं के पाटन और घरेलू उद्योग को क्षति के बीच एक स्पष्ट कारणात्मक संबंध है।
- स. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग को क्षति, क्षमताओं में अतार्किक वृद्धि के कारण से थी, यह कहना है कि घरेलू उद्योग ने यह प्रदर्शित किया है कि उसकी प्रसंस्करण लागत, क्षमता में वृद्धि के कारण से कम हुई है। तथापि, कच्ची सामग्री की कीमतों पर आयात की कीमतों में वृद्धि के घटते प्रभाव के कारण वह कम होती प्रसंस्करण लागतों से लाभ प्राप्त करने में असमर्थ था।
- ह. घरेलू उद्योग को विभिन्न देशों से विभिन्न सामानों में पाटन के कारण से निरंतर क्षति का सामना करना पड़ा है। यदि विगत शुल्क जारी रहते, जब यूरोपीय संघ और वियतनाम पर शुल्क लगाए गए थे, तो घरेलू उद्योग को पर्याप्त लाभ होता।
- कक. चूंकि संबद्ध वस्तुओं के लिए मांगों में वृद्धि हुई है, मैक्रो इकोनॉमिक सुधारों के बावजूद, घरेलू उद्योग को क्षति ऐसे सुधारों के कारण से नहीं है।

ठ.2 अन्य हितबद्ध पक्षकार के अनुरोध

66. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- क. आवेदक विगत 12 वर्षों से पाटनरोधी शुल्क के रूप में संरक्षण का लाभ उठा रहे हैं। प्राधिकारी ने स्वयं ही यह कहा है कि शुल्कों का प्रयोजन पूरा हुआ है और घरेलू उद्योग के समग्र निष्पादन को देखते हुए इसकी आगे सिफारिश की जरूरत नहीं है।

- ख. आवेदक ने आयातों को बढ़ाकर दिखाया है और जानबूझकर क्षति दर्शाई है।
- ग. आयातों की मात्रा में मांग में वृद्धि के साथ वृद्धि हुई है।
- घ. आयातों में मामूली वृद्धि यूरोपीय संघ और वियतनाम से आयातों पर शुल्क लगाए जाने के कारण हो सकती है। कुल आयातों में वर्षों के दौरान गिरावट आई है।
- ङ. आयातों में कुल घरेलू उत्पादन का मात्र 15 प्रतिशत शामिल है।
- च. देश में आयातों में बढ़ोत्तरी नहीं हुई और देश का कुल आयात स्थिर रहा है।
- छ. कोरिया के पास संबद्ध आयातों का केवल 14.16 प्रतिशत है जो अधिक नहीं है।
- ज. कुल आयातों में संबद्ध आयातों के हिस्से में पहले तीन वर्षों के दौरान 30 प्रतिशत से 22 प्रतिशत की गिरावट आई है और उसके बाद 50 प्रतिशत तक की अस्थायी वृद्धि हुई है।
- झ. जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों का कोई संबंध नहीं है क्योंकि यह जांच केवल जांच की अवधि से संबंधित है।
- ञ. घरेलू उद्योग के बाजार अंश में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है जबकि संबद्ध आयातों का बाजार अंश आधार वर्ष की तुलना में वही रहा है।
- ट. यद्यपि 2017-18 की तुलना में जांच की अवधि में आयातों में वृद्धि हुई है, लेकिन यह वृद्धि आवेदकों की घरेलू बिक्रियों में वृद्धि से कम है।
- ठ. आवेदकों द्वारा उत्पादित उत्पादों के लिए प्रयोक्ताओं की तरजीह के संबंध में आयात की मात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- ड. घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता में काफी वृद्धि हुई है।
- ढ. आयातों की पहुंच कीमत में इस अवधि के दौरान धीरे- धीरे वृद्धि हुई है।
- ण. आयातों की कीमतों में वृद्धि धीरे- धीरे हुई है और घरेलू उद्योग की कीमतों में उसके अनुपात में वृद्धि दर्शाई गई है।
- त. आवेदकों की बिक्री कीमतों में जांच की अवधि के दौरान वृद्धि जारी रही जबकि आयात की कीमतों में उतार- चढ़ाव रहा है। कीमतों में कटौती सकारात्मक है।
- थ. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में लागत की तर्ज पर वृद्धि हुई है।
- द. घरेलू उद्योग की हानि में कमी आई है और नकदी लाभ में सुधार आया है। अतः घरेलू उद्योग को क्षति अन्य कारकों के कारण से थी।
- ध. सेंचुरी इंका लि० की वार्षिक स्वयं ही यह दर्शाती है कि कंपनी को उत्पादन बिक्री और लाभ में इस अवधि के दौरान सुधार आया है और यह कि इसके लाभों पर इन्वेंट्री हानियों के कारण से प्रभाव पड़ा है, जिसके परिणामस्वरूप कच्ची सामग्री की कीमतों में अचानक गिरावट आई है।
- न. ब्रिक्स रेटिंग के अनुसार मै० गुजरात पोलिफिल्म्स लि० के लाभों में कच्ची सामग्री, कैप्रोलैक्ट्स की कीमत के कारण गिरावट आई है।
- प. आई सी आर ए द्वारा जारी की गई क्रेडिट रेटिंग रिपोर्ट के अनुसार प्रफुल्ल ओवरसीज के राजस्व में फैब्रिक्स की बिक्री में गिरावट के कारण गिरावट आई है और नायलोन यार्न घटक के लाभ में वृद्धि हुई है।
- फ. याचिका में दिए गए डाटा और कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट तथा क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों की रिपोर्ट पर आधारित डाटा के बीच भेद है।
- ब. इस अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई है।
- भ. घरेलू उद्योग को क्षति अन्य कारकों जैसे मांग पूरी करने में इसकी अक्षमता के कारण से है।

- म. घरेलू उद्योग को क्षति क्षमताओं में अतार्किक वृद्धि के कारण से है क्योंकि घरेलू उद्योग अपनी क्षमताओं को स्थिर करने में सक्षम नहीं है जिसके कारण से अधिक पूंजी लगती है, लगाई गई पूंजी दर नकारात्मक प्रतिफल मिलता है और भारी हानि उठानी पड़ती है।
- य. घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की कीमतों में उतार चढ़ाव के कारण से क्षति का सामना करना पड़ा है, जिससे क्षति अवधि के दौरान 33 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।
- र. घरेलू उद्योग के पुरानी प्रौद्योगिकी के उपयोग के कारण से क्षति का सामना करना पड़ा है।
- ल. घरेलू उद्योग को मैक्रो इकोनोमिक कारकों जैसे कि नोट बंदी तथा जी एस टी के कारण क्षति का सामना करना पड़ा है क्योंकि इससे समग्र वस्त्र उद्योग के लिए खराब स्थिति उत्पन्न हुई है।
- व. घरेलू उद्योग को क्षति होने का कारण कच्ची सामग्री का उपलब्ध न होना है क्योंकि यह कच्ची सामग्री के आयात पर निर्भर करता है।
- श. यह कहना कि 10,000 कर्मचारी प्रभावित होंगे, भ्रामक है और बढ़ा-चढ़ा कर बताया गया है।
- ष. टेक्वांग द्वारा निर्यातित ऑफ ग्रेड सामग्री की तुलना घरेलू उद्योग द्वारा बेचे गए अन्य ऑफ ग्रेड उत्पादों से की जानी चाहिए।
- स. केवल ऑफ ग्रेड उत्पादों को ही 15 सेंट की कन्वर्सन लागत पर बेचा जा रहा है और अधिकांश वस्तुएं बाजार में तर्कसंगत कन्वर्सन लागत पर आ रही हैं।

ठ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

67. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और प्रति तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण हितबद्ध पक्षकारों के विभिन्न अनुरोधों का उत्तर है।

क. संचित आकलन

68. विश्व व्यापार संगठन करार के अनुच्छेद 3.3 तथा नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (iii) के तहत यह प्रावधान है कि ऐसे मामलों में जिनमें एक से अधिक देशों से उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जांच की जाती है वहां प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन करेंगे, यदि यह निर्धारित किया जाना है कि :
 - (क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में स्थापित पाटन का मार्जिन, निर्यात कीमत की प्रतिशतता के रूप में दो प्रतिशत अधिक होता है और प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा, समान वस्तु के आयात के तीन प्रतिशत (अथवा अधिक) होती है अथवा जहां विशिष्ट पृथक देश का निर्यात तीन प्रतिशत से कम होता है, तो वहां समग्र रूप से संचयी आयात, समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से भी अधिक बनते हैं, और
 - (ख) आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति को देखते हुए आयातों का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है।
69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :
 - (क) संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है। ऐसे प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन का मार्जिन, नियमावली में निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।
 - (ख) प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा, विशिष्ट रूप से प्रत्येक देश की मात्रा, आयातों की मूल मात्रा के 3% से अधिक है।
 - (ग) आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से आयात न केवल प्रत्येक संबद्ध देश द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश की जा रही समान वस्तुओं से भी सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं।
70. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह समझते हैं कि चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य, ताइवान और थाईलैंड से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभाव का संचयी रूप से घरेलू उद्योग की क्षति का मूल्यांकन करना उचित है।

71. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटन रोधी नियमावली के नियम -11 में किसी क्षति के निर्धारण के लिए यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में " पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए.. "... ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी, जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उद्योग की स्थिति को प्रभावित करने वाले उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्रियों की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निबल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे सूचकों पर पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।
72. प्राधिकारी घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में घरेलू उद्योग और निर्यातकों/ आयातकों/ व्यापारियों/ प्रयोक्ताओं के अनुरोधों पर विचार किया है और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों और लागू कानूनों के अनुसार विचार करके विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा लिया गया क्षति विश्लेषण स्वतः ही हितवद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करता है।

ख. मांग का आकलन

73. संबद्ध वस्तुओं की घरेलू खपत / मांग का मूल्यांकन करने के प्रयोजन से घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री मात्रा को भारत में किए गए कुल आयातों में जोड़ा गया है और उसे नीचे सारणी में दिया गया है :

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	149	183
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	118	159
संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	8,135	7,852	5,080	12,411
अन्य आयात	मी. टन	17,072	19,547	16,315	8,614
कुल मांग	मी. टन	94,897	1,07,117	1,10,256	1,36,995

74. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं के लिए मांग में क्षति अवधि के दौरान निरंतर वृद्धि हुई है।

I. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

75. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो भारत में उत्पादन या खपत के संदर्भ में सापेक्ष और निरपेक्ष दृष्टि से हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजन से प्राधिकारी ने डीजीसीआई एंड एस से प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण इस प्रकार किया गया है :

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
चीन जन. गण.	मी. टन	989	1,108	1,708	7,024
कोरिया गणराज्य	मी. टन	732	753	379	1,924
ताइवान	मी. टन	5,827	5,356	2,294	2,683
थाईलैंड	मी. टन	586	634	698	779
संबद्ध देश	मी. टन	8,135	7,852	5,080	12,411

शुल्क वाले अन्य देशों से आयात	मी. टन	11,947	16,576	14,566	7,032
अन्य आयात	मी. टन	5,125	2,971	1,748	1,582
कुल आयात	मी. टन	25,207	27,399	21,394	21,025
निम्नलिखित के संबंध में आयात					
घरेलू उत्पादन	%	***	***	***	***
खपत	%	8.57%	7.33%	4.61%	9.06%
कुल आयात	%	32.27%	28.66%	23.74%	59.03%

76. यह देखा गया है कि :

क. संबद्ध देशों से आयातों में 2017- 18 तक गिरावट आई थी, जब पाटनरोधी शुल्क लागू थे और शुल्क समाप्त किए जाने के बाद इसमें 144 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है।

ख. संबद्ध देशों से आयातों में घरेलू उत्पादन, खपत और कुल आयातों के संबंध में 2017- 18 तक गिरावट आई लेकिन शुल्क हटाए जाने के बाद इनमें जांच की अवधि में तीव्र वृद्धि हुई है।

ग. अन्य देशों से आयातों में जांच की अवधि के दौरान गिरावट दर्ज की गई है।

II. पाटित आयातों का कीमत संबंधी प्रभाव

77. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत के साथ तुलना करने पर पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती की जा रही है अथवा ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा कीमतों को अत्यधिक स्तर पर मंद करते अथवा कीमत में वृद्धि को रोकते हैं, जो कि अन्यथा बहुत अधिक हो जाती। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कीमतों के प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर बिक्री होने, कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण, यदि कोई है, को ध्यान में रख कर किए जाने की आवश्यकता है। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत, निवल बिक्री वसूली तथा क्षति रहित कीमत की संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच लागत के साथ तुलना की गई है।

क. कीमत कटौती

78. जांच की अवधि के दौरान कीमत कटौती की गणना आयातों की पहुंच कीमत की घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली के साथ तुलना करके की गई है।

विवरण	इकाई	चीन जन. गण.	कोरिया गणराज्य	ताइवान	थाईलैंड
निवल बिक्री वसूल	रूपए/मी. टन	***	***	***	***
पहुंच कीमत	रूपए/मी. टन	215,778	200,063	209,492	219,350
कीमत कटौती	रूपए/मी. टन	***	***	***	***
कीमत कटौती	%	***	***	***	***
कीमत कटौती	% रेंज में	0-10	10-20	10-20%	0-10

79. यह देखा गया है कि कीमत कटौती सकारात्मक है।

ख. कीमत ह्रास/ न्यूनीकरण

80. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयातों से घरेलू कीमतों पर दबाव पड़ रहा है और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों पर पर्याप्त रूप से दबाव डालने अथवा कीमतों को रोकने के लिए है, जो अन्यथा

इतनी मात्रा में नहीं होता, प्राधिकारी ने क्षति अवधि के दौरान आयातों की पहुंच कीमत की तुलना में लागतों और कीमतों में परिवर्तन पर विचार किया है।

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
बिक्री कीमत	रूपए/ मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	96	100	115
बिक्रियों की लागत	रूपए/ मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	94	103	113
पहुंच मूल्य	रूपए/ मी. टन	181,236	165,389	190,730	212,206
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	105	117

81. यह देखा गया है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और बिक्री की कीमत, दोनों में वृद्धि हुई है, लेकिन फिर भी घरेलू उद्योग को उत्पादन की लागत से कम पर बिक्री करने के लिए बाध्य होना पड़ा, क्योंकि उत्पादन की लागत से काफी कम कीमत पर आयात आ रहे थे।

ग. कम कीमत पर बिक्री

82. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण कम कीमत पर बिक्री करने की भी जांच की है। इस प्रयोजन के लिए घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित की गई गैर-क्षति कीमत की तुलना पी सी एन- वार आधार पर आयातों की पहुंच कीमत के साथ की गई है।

विवरण	इकाई	चीन जन. गण.	कोरिया गणराज्य	ताइवान	थाईलैंड
गैर-क्षति कीमत	रूपए/मी. टन	***	***	***	***
पहुंच मूल्य	रूपए/मी. टन	215,778	200,063	209,492	219,350
कम कीमत पर बिक्री	रूपए/मी. टन	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	%	***	***	***	***
कम कीमत पर बिक्री	रेंज	10-20%	20-30%	20-30%	10-20%

83. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित गैर-क्षति कीमत से कम थी। कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

III. घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

84. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-11 में यह अपेक्षित है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक मापदंडों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों ; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निम्नानुसार चर्चा की गई है :

क. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

85. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्रियां नीचे दर्शाई गई हैं :-

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
क्षमता – संयंत्र	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	114	141	164
उत्पादन- संयंत्र	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	118	135	167
क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	104	96	102
उत्पादन- विचाराधीन उत्पाद	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	146	182
घरेलू बिक्रियां – विचाराधीन उत्पाद	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	149	183

86. यह नोट किया जाता है कि :-

क. घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन में पूरी क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

ख. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में 2017-18 में गिरावट आई है और 2018-19 में पुनः वृद्धि हुई है।

ग. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

ख. बाजार हिस्सा

87. घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों का बाजार हिस्सा इस प्रकार है :-

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
संबद्ध आयात	%	8.57%	7.33%	4.61%	9.06%
अन्य आयात	%	17.99%	18.25%	14.80%	6.29%
घरेलू उद्योग की बिक्रियां	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	128	127
अन्य उत्पादकों की बिक्रियां	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	102	110

88. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग और अन्य उत्पादकों के बाजार हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है, तथापि, संबद्ध आयातों के बाजार अंश में घरेलू उद्योग से अधिक वृद्धि हुई है।

ग. माल सूची

89. संबद्ध वस्तुओं की मालसूची के संबंध में डाटा इस प्रकार है :-

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
प्रारंभिक मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
अंतिम मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
औसत मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	135	159	187

90. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की मालसूची में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है, जिसमें घरेलू उद्योग के पास मालसूची इकट्ठी होना दर्शाया गया है।

घ. लाभ, नकदी लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल

91. घरेलू उद्योग की लाभप्रद स्थिति लाभ अथवा हानि, नकदी लाभ तथा लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल के संदर्भ में इस प्रकार है :-

विवरण	इकाई	2015- 16	2016- 17	2017- 18	2018- 19
लाभ / (हानि)	लाख रु.	(***)	(***)	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	(40)	(280)	(120)
नकदी लाभ	लाख रु.	(***)	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	265	(1,058)	(158)
लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	***	***	(***)	(***)
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	(100)	35	(447)	(140)

92. यह देखा गया है कि :-

क. घरेलू उद्योग को पूरी क्षति अवधि के दौरान क्षति का सामना करना पड़ा है।

ख. यद्यपि घरेलू उद्योग के नकदी लाभ और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल में विगत वर्ष की तुलना में सुधार आया है, लेकिन घरेलू उद्योग को नकदी हानि हो रही है और लगाई गई पूंजी पर इसका प्रतिफल नकारात्मक है। इसके अलावा, हानि, नकदी हानि और लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल की मात्रा आधार वर्ष की तुलना में प्रतिकूल रही है।

ड. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता

93. प्राधिकारी ने रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता के संबंध में सूचना की जांच की है, जो इस प्रकार है:-

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
कर्मचारियों की सं.	संख्या	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	121	125
कार्य दिवसों की सं.	संख्या	***	***	***	***
मानव दिवस की उपलब्धता	संख्या	***	***	***	***
प्रति मानव दिवस उत्पादकता	मी. टन/ दिन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	109	120	146
मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	115	160	189

94. यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग के कर्मचारियों, मजदूरी और उत्पादकता में जांच की अवधि में वृद्धि हुई है।

च. वृद्धि

95. घरेलू उद्योग की मात्रा और लाभ मापदंडों की प्रवृत्ति इस प्रकार है :-

विवरण	इकाई	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
उत्पादन	%	-	25%	17%	25%
घरेलू बिक्री	%	-	26%	18%	23%
लाभ प्रति इकाई	%	-	68%	-494%	65%

नकदी लाभ	%	-	365%	-499%	85%
लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल	%	-	135%	-1386%	69%

96. घरेलू उद्योग की मात्रा और कीमत मापदंडों में वृद्धि दर्शाई गई है। तथापि, घरेलू उद्योग लगातार घाटे में रहा और अपनी लगाई गई पूंजी पर प्रतिफल प्राप्त करने में असमर्थ रहा।

छ. पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता

97. घरेलू उद्योग घाटे में है और अपने वर्तमान निवेशों पर नकारात्मक प्रतिफल का सामना कर रहा है। यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की पूंजीगत निवेश जुटाने की क्षमता संबद्ध आयातों से बुरी तरह से प्रभावित हुई है।

ज. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

98. संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती हो रही है और ये उत्पादन की लागत से काफी कम कीमत पर हैं। संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग को कीमतों में वृद्धि कर पाने में अवरोध आ रहा है।

झ. पाटन की मात्रा

99. यह नोट किया जाता है कि न केवल पाटन मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है, बल्कि संबद्ध देशों से पाटन का इतिहास भी रहा है।

IV. क्षति का समग्र आकलन

100. संबद्ध उत्पाद के आयातों की जांच और घरेलू उद्योग का निष्पादन स्पष्ट तौर पर यह दर्शाता है कि :-

क. आयातों में वृद्धि उत्पादन और खपत के संदर्भ में शुल्कों को समाप्त किए जाने के बाद सापेक्ष और निरपेक्ष दृष्टि से हुई है।

ख. आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है।

ग. आयातों से कीमतों में वृद्धि रुक रही है जो अन्यथा होती।

घ. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

ङ. घरेलू उद्योग के बाजार अंश में वृद्धि हुई है। तथापि, संबद्ध आयातों के बाजार अंश में घरेलू उद्योग के बाजार अंश से अधिक वृद्धि हुई है।

च. घरेलू उद्योग को निरंतर वित्तीय हानि, नकदी हानि, तथा नकारात्मक निवेश प्रतिफल का सामना करना पड़ रहा है।

छ. घरेलू उद्योग की उत्पाद की लागत से कम और गैर-क्षति कीमतों पर आयात हो रहे हैं और घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव पड़ रहा है।

ज. पाटन मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

V. अन्य ज्ञात कारक और कारणात्मक संबंध

101. घरेलू उद्योग की कीमतों पर कीमत कटौती के संदर्भ में क्षति, मात्रा और पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव की मौजूदगी की जांच करके प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति नियमानुसार पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक के कारण हुई है।

क. तीसरे देशों से आयात की मात्रा और कीमत

102. संबद्ध देशों के अलावा, वियतनाम और यूरोपीय संघ का आयातों में महत्वपूर्ण हिस्सा है। तथापि, पहले ही पाटनरोधी शुल्क के अधीन है। चूंकि अन्य देशों से आयातों की मात्रा नगण्य है, इसलिए प्राधिकारी ने यह पाया है कि घरेलू उद्योग को अन्य आयातों के कारण से क्षति नहीं हुई है।

ख. मांग में संकुचन

103. चूंकि क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग में 43 प्रतिशत वृद्धि हुई है इसलिए घरेलू उद्योग को इस संबंध में कोई हानि नहीं हुई है।

ग. खपत के पैटर्न में परिवर्तन

104. हितबद्ध पक्षकारों को खपत की पद्धति में कोई संभावित परिवर्तन नहीं दिखाई दिया जिससे कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

घ. व्यापार प्रतिबंध प्रक्रियाएं और विदेशी व घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

105. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई व्यापार प्रतिबंध प्रक्रिया और विदेश व घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा सामने नहीं लाई है, जिससे कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

ङ. प्रौद्योगिकी में विकास

106. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच में उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई विशिष्ट परिवर्तन नहीं दिखाई दिया, जिससे कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

च. निर्यात निष्पादन

107. घरेलू उद्योग द्वारा किया गया निर्यात नगण्य है और इसलिए इसे क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। बहरहाल घरेलू उद्योग का निष्पादन घरेलू और निर्यात बाजार से यथासंभव अलग हो गया है।

VI. कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

108. यद्यपि नियमानुसार सूचीबद्ध ज्ञात कारणों से घरेलू उद्योग को क्षति का पता नहीं चलता, निम्नलिखित मापदंड यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

- क. पहले लगाए गए पाटनरोधी शुल्क जनवरी, 2018 में समाप्त हो गए और उसके बाद संबद्ध आयातों में वृद्धि आई है।
- ख. बहुत ही कम समान अवधि में आयातों में काफी वृद्धि हुई है और पर्याप्त बाजार अंश प्राप्त कर लिया है।
- ग. संबद्ध आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से कम कीमत पर हो रहे आयातों से उद्योग की कीमतों में वृद्धि रुक रही है।
- घ. घरेलू उद्योग को वित्तीय हानि, नकदी हानि हो रही है और इसमें निवेश पर सकारात्मक प्रतिफल हो रहा है।

ढ. क्षति मार्जिन की मात्रा

109. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की गैर-क्षति कीमत जो प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध-III के संदर्भ में निर्धारित की गई है, की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देशों से निर्यातों के पहुंच मूल्य से की गई है और इस प्रकार से परिकलित क्षति मार्जिन इस प्रकार है :-

क्र. सं.	देश	पहुंच मूल्य	एनआईपी	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		(यू एस डॉलर/मी. टन)	(यू एस डॉलर/मी. टन)	(यू एस डॉलर/मी. टन)	(%)	(रेंज % में)
क	चीन जन. गण.					
1	फुजियान जिनसेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि०	***	***	***	***	20-40
2	फुजियान जिनजियांग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०, फुजियान जिनचांग नायलान इंडस्ट्री कंपनी लि०, और फुजियान जिगफेग टेक्नोलॉजी कंपनी लि०	***	***	***	***	10-30
	लीहेंग पोलिमाइड (चांगले) टेक्नालॉजी कंपनी लि० और चांगले	***	***	***	***	10-30

3	हाईसुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कंपनी लि०					
4	फुजियान काइबंग पोलिमाइड टेक्नोलॉजी कंपनी लि०	***	***	***	***	20-40
5	चीन जन. गण. के असहयोगी / शेष	***	***	***	***	40-60
ख	कोरिया गणराज्य					
1	टेवांग इंडस्ट्रियल कंपनी लि०	***	***	***	***	40-60
2	ह्योसंग टीएनसी कंपनी, इंको इंटरनेशनल कंपनी लि० और शिन्हान ट्रेडिंग कंपनी लि०	***	***	***	***	10-30
3	कोरिया गणराज्य के असहयोगी / शेष	***	***	***	***	40-60
ग	ताइवान	***	***	***	***	10-30
घ	थाइलैंड	***	***	***	***	10-30

ण. प्रकटन पश्चात उपरांत के अनुरोध

110. प्रकटन पश्चात अनुरोध कुछ हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त हुए हैं। उसमें उठाए गए अधिकांश मामलों को जांच के दौरान पूर्व में भी उठाया गया है और उनका समाधान प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त रूप से इस जांच परिणाम में कर दिया गया है। अतिरिक्त अनुरोधों का विश्लेषण इस प्रकार किया गया है :

ण.1 घरेलू उद्योग का अनुरोध

111. घरेलू उद्योग ने कम गलने वाले यार्न को बाहर करने, उत्तरोत्तरों को अस्वीकार करने, सामान्य मूल्य का निर्धारण करने और जनहित से संबंधित मुद्दों के संबंध में अपने अनुरोधों को दोहराया है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अन्य अनुरोध नीचे दिए गए अनुसार हैं :-

- क. कम गलने वाले यार्न को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर किए जाने के फलस्वरूप व्यापक तौर पर शुल्क से बचा जा सकता है।
- ख. चीन जन गण, ताइवान और थाइलैंड के लिए सामान्य मूल्य की गणना तथा ताइवान और थाइलैंड के लिए निर्यात कीमत को घरेलू उद्योग के समक्ष प्रकट किया जाना चाहिए।
- ग. निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर को चीन जन गण के निर्यातकों द्वारा उचित उत्तर देने में असफल रहने के बावजूद स्वीकार कर लिया गया है।
- घ. चीन जन गण के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण घरेलू उद्योग की भारित औसत कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए।
- ङ. चूंकि ताइवान और थाइलैंड के निर्यातक इस जांच में सहयोग करने से इंकार कर दिए हैं अतः सामान्य मूल्य की गणना उत्पादन की निम्नतम लागत के बजाए घरेलू उद्योग के उत्पादन की उच्चतम लागत के आधार पर किया जाना चाहिए।
- च. टाइक्वांग इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लि. और ह्योगसंग टी एन सी कॉर्पोरेशन द्वारा संबंधित पक्षकारों से इनपुट्स प्राप्त करने के मुद्दे की जांच प्रकटन विवरण में नहीं की गई है।
- ज. संबद्ध वस्तुओं के व्यापारियों द्वारा और न कि प्रयोक्ताओं द्वारा प्रमुख रूप से विरोध किया गया है। इस प्रकार से व्यापारियों की प्रमुख चिंता लाभप्रदता में गिरावट और न कि डाउनस्ट्रीम प्रयोक्ताओं का कल्याण है।
- झ. यह आशंका कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के पश्चात कीमतों में अनुचित वृद्धि होगी, में कोई दम नहीं है क्योंकि घरेलू उत्पादकों और उचित आयातों के साथ प्रतिस्पर्धा के बीच आपस में प्रतिस्पर्धा

एक रूकावट के रूप बने रहना जारी रहेगी। जब पाटनरोधी शुल्क पूर्व में लागू नहीं था, तब भी घरेलू उद्योग का लाभ हमेशा कम था।

- ट. प्रयोक्ता भारत में उचित प्रतिस्पर्धा को नष्ट करने की लागत पर पाटित कीमतों पर इनपुट्स प्राप्त होने के अधिकार का दावा नहीं कर सकता है। सरकार को जनहित की जांच करने में घरेलू उत्पादकों के हितों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।
- ठ. यह तथ्य कि प्रयोक्ता उपभोक्ताओं को कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि को बढ़ाने में सक्षम है, यह दर्शाता है कि वे इन शुल्कों को उपभोक्ताओं पर डालने में सक्षम होंगे। अंतिम उपभोक्ताओं पर शुल्क का प्रभाव 2 प्रतिशत से कम होगा।
- ड. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के दावे के बावजूद, ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है जो यह दर्शाता हो कि इकाइयों को पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण बंद कर दिया गया है। इसके विपरीत, अनेक डाउन स्ट्रीम प्रयोक्ता उद्योगों को प्रौद्योगिकी के अप्रचलित होने, बाजार की खराब स्थिति और उनके डाउन स्ट्रीम उत्पादों के सस्ते आयातों के कारण प्राथमिक रूप से बंदी का सामना करना पड़ा है।

ण.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों का अनुरोध

112. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अतिरिक्त अनुरोध नीचे दिए गए अनुसार हैं :

- क. नायलान 66 यार्न की कीमत नायलॉन 6 यार्न की कीमत का लगभग दोगुना है। मानव निर्मित वस्त्र अनुसंधान संघ (मंत्रा) ने यह प्रमाणित किया है कि नायलान 6 और नायलान 66 दोनों अपने अलग-अलग रासायनिक संरचना के कारण अलग हैं और इसके साथ ही, दोनों के प्रयोग भी अलग-अलग हैं तथा उनके अंतिम प्रयोक्ता भी अलग-अलग हैं और किसी भी रूप में उन्हें समान उत्पाद के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- ख. नायलान 66 यार्न को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि इसका उपयोग उन प्रयोगों के लिए किया जाता है, जिसमें उच्च यांत्रिक शक्ति, कठोरता और ताप के अंतर्गत अच्छी स्थिरता तथा रासायनिक प्रतिरोध अपेक्षित होता है।
- ग. मदर यार्न को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर किया जाना चाहिए क्योंकि इसकी पूर्ण रूप से अलग विशेषताएं होती हैं और इसका मोनोफिलामेंट यार्न के निर्माण को छोड़कर कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं है।
- घ. मंत्रा ने यह प्रमाणित किया है कि मदरयार्न का प्राथमिक रूप से उपयोग नायलान मोनोफिलामेंट यार्न का निर्माण करने के लिए किया जाता है।
- ड. नाजुक डेनियर यार्न, माइक्रो फिलामेंट यार्नस, एस एंड जैड टिवस्ट के साथ यार्न और रिसायकिल किए हुए यार्नों को केवल बिक्री बीजकों के आधार पर विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के बीजक वाणिज्यिक उत्पादन और बिक्री को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य नहीं होते हैं। इस प्रकार के यार्नों का उत्पादन याचिकाकर्ताओं के द्वारा नहीं किया जा रहा है। उनकी मासिक कीमत सूची भी इस प्रकार के यार्नों का हवाला नहीं देते हैं।
- च. अलग-अलग पीसीएन का निर्धारण ऑफ-ग्रेड उत्पादों के लिए किया जाना चाहिए क्योंकि नायलॉन निर्माता औसत कीमत को गलत ढंग से दर्शाने के लिए जानबूझकर ऑफ ग्रेड यार्नों का आयात करते हैं और प्राधिकारी को उच्चतर पाटन मार्जिन लगाने के लिए भ्रमित करते हैं।
- छ. ऑफ ग्रेड यार्न को शामिल नहीं किया जा सकता है क्योंकि इसका उपयोग क्राइम ग्रेड के यार्न के साथ एक-दूसरे के स्थान पर नहीं किया जा सकता है।
- ज. नए संयंत्रों जैसे पी एन पी पोलिमर्स के साथ उत्पादकों ने एक आवेदन दायर करने का विकल्प नहीं अपनाया है बल्कि मौखिक रूप से इस याचिका का समर्थन किया है क्योंकि वे सभी मानदंडों में उल्लेखनीय प्रगति को दर्शा रहे हैं।
- झ. आवेदकों ने नए संयंत्रों की स्थापना की है और अपनी क्षमताओं को दोगुना और तीन गुना कर लिया है जो यह दर्शाता है कि घरेलू उत्पादकों को पूंजी अथवा निधि की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है।

- ट. कोरिया से आयातों में वृद्धि पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने के कारण आयातों की मात्रा में एक स्वाभाविक वृद्धि है।
- ठ. पाटित आयातों के कीमत प्रभाव की जांच पी सी एन-वान पर ही किया जाना चाहिए।
- ड. घरेलू उद्योग को क्षति कच्ची सामग्री की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण हुई है।
- ढ. जब 85 प्रतिशत बाजार हिस्स याचिकाकर्ताओं द्वारा धारित किया गया है, तब किस प्रकार से 15 प्रतिशत आयात धारित करने से कीमत पर नियंत्रण हो सकता है।
- ण. थाइलैंड से आयातों की मात्रा 3 प्रतिशत से कम है और इस कारण से इसे अलग किया जाना चाहिए।
- त. याचिकाकर्ताओं की वार्षिक रिपोर्ट लाभ और राजस्व में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है।
- थ. प्रफुल्ल ओवरसीज द्वारा 80 प्रतिशत उत्पादन नायलोन चिप्स पर निर्भर है। इन चिप्स का उत्पादन बेंजीन से किया जाता है जो कीमतों में उतार-चढ़ाव में व्यापक परिवर्तनों के अध्वधीन है।
- द. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध देशों से नए उत्पादों के आयातों पर प्रतिबंध लगेगा।
- ध. 1.5 लाख विद्युतकरघों को नवंबर, 2016 से दिसंबर, 2018 के बीच समाप्त कर दिया गया है।
- न. अनेक प्रयोक्ता कुछ याचिकाकर्ताओं की तुलना में एक बहुत बड़ा घरेलू उद्योग होता है।
- प. कुछ प्रमुख कच्ची सामग्री पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के फलस्वरूप एक इनवर्टेड शुल्क संरचना बनता है और यह प्रयोक्ताओं के लिए वैश्विक आपूर्ति के विकल्प को बंद कर लेता है।
- फ. पी टी ए के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिया गया है क्योंकि यह वस्त्र फाइबरों और यानों के लिए एक प्रमुख इनपुट है।

ण.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

113. विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में बदलाव के लिए अनुरोधों की जहां तक बात है, उसका समाधान पहले ही प्राधिकारी द्वारा पैरा ग.3 में किया जा चुका है। प्रकटन पश्चात किए गए विशिष्ट अनुरोधों के संबंध में प्राधिकारी नीचे दिए गए अनुसार नोट करते हैं।
114. घरेलू उद्योग ने इस आधार पर विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के भीतर कम गलने वाले यार्न को शामिल करने वाले के लिए अनुरोध किया है कि उसे शामिल नहीं करने से लगाए गए शुल्क का उद्देश्य विफल हो जाएगा क्योंकि उद्योग शुल्क से बड़ सकते हैं। प्राधिकारी इस आशंका के लिए कोई आधार नहीं पाते हैं कि गलने वाले यार्न को बाहर किए जाने के कारण शुल्क से बचा जा सकता है। जैसा कि इस जांच परिणाम में नोट किया गया है, कम गलने वाले यानों की कीमत अन्य यानों की कीमत की तुलना में लगभग 3 गुना अधिक है। इसके अलावा, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि ऐसे यार्न अपने उत्पादन की प्रक्रिया और उपयोग के मामले में अन्य यानों से अलग हैं। इस कारण से, इस देश में समान वस्तु का कोई उत्पादन न होने की स्थिति में, उसे विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल नहीं किया जा सकता।
115. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि नायलॉन 66 यानों को पूर्व के जांच परिणामों में दिए गए आधार पर ही शामिल नहीं किया जा सकता है। यह नोट किया जाता है कि कोई नया तथ्य रिकॉर्ड पर नहीं लाया गया है और न ही कोई सामग्री उपलब्ध कराई गई है जोकि इस तथ्य के औचित्य को दर्शाता हो कि पूर्व के निर्धारण की पुनः जांच/ पुनर्विचार की आवश्यकता है और यह उसके प्रतिकूल विचार को दर्शाता है। जबकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि नायलॉन 66 यानों की कीमत नायलॉन 6 यानों की कीमत का दोगुना है अतः यह नोट किया जाता है कि आयात आंकड़े यह दर्शाते हैं कि इन दोनों की कीमतें एक ही सीमा में हैं। वास्तव में आयात संबंधी लेनदेन वार आंकड़े यह दर्शाते हैं कि नायलॉन 66 यानों का आयात कुछ मामलों में नायलॉन 6 यानों से भी कम कीमतों पर किया गया है। जहां तक मानव निर्मित वस्त्र अनुसंधान संघ द्वारा दिए गए मत का प्रश्न है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह प्राथमिक रूप से उत्पादन की प्रक्रिया में अंतरों का हवाला देता है। उत्पादन की प्रक्रिया में अंतर मात्र का यह आशय नहीं होता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयात किए गए उत्पाद का समान वस्तु नहीं है। यह नोट किया जाता है कि इस मुद्दे की जांच इस उत्पाद से संबंधित पूर्व की जांचों में गहराई से की गई थी और हरेक बार यह माना गया था कि नायलॉन 6 और

नायलॉन 66 समान वस्तु हैं। ये दोनों मद तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थानापन्न किए जाने योग्य नहीं हैं और इस कारण से इस मुद्दे पर पूर्व में किए गए निर्धारणों से अलग हटने का कोई कारण नहीं है। हालांकि, नायलॉन 66 यार्न जिसका उपयोग वस्त्र से संबंधित प्रयोगों के अलावा, अन्य उद्देश्यों से किया जाता है, को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर किया गया है।

116. जहां तक कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से मदर यार्न को बाहर किए जाने के अनुरोध का प्रश्न है, यह नोट किया जाता है कि मदर यार्न मल्टी फिलामेंट यार्न है। मल्टी फिलामेंट यार्न स्पष्ट रूप से विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र के भीतर आता है। यह दावा किया जाता है कि मदर यार्न का उपयोग मोनो फिलामेंट यार्न के निर्माण में किया जाता है। इससे स्पष्ट रूप से यह सिद्ध होता है कि मदर यार्न अपने आप में मोनो फिलामेंट यार्न नहीं है बल्कि मोनो फिलामेंट यार्न के निर्माण के लिए केवल एक इनपुट है। इस कारण से, मोनो फिलामेंट यार्न को बाहर किए जाने से इसके इनपुट/कच्ची सामग्री को शामिल नहीं किया जा सकता है। इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्क इस प्रकार से त्रुटिपूर्ण हैं। तदनुसार, प्राधिकारी इसे उपयुक्त नहीं मानते हैं कि मदर यार्न को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर किया जाए।
117. नाजुक डेनियर यार्नों, रिसायकल किए हुए यार्नों, एस एंड जैड ट्विस्ट वाले यार्नों के संबंध में, प्राधिकारी इस तर्क में कोई तथ्य नहीं पाते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए बीजक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि उन्होंने इस प्रकार के यार्नों का उत्पादन किया है और उसकी बिक्री की है।
118. ऑफ ग्रेड उत्पादों के लिए अलग-अलग पीसीएन (उत्पाद नियंत्रण संख्या) और विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से इस प्रकार के उत्पादों को बाहर किए जाने के लिए अनुरोध के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि ऑफ ग्रेड और प्राइम ग्रेड दोनों उत्पादों का उत्पादन एक ही कच्ची सामग्री से किया जाता है और उन दोनों के उत्पादन की प्रक्रिया भी एक ही है। इसके फलस्वरूप, ऑफ ग्रेड और प्राइम ग्रेडों के उत्पादन की लागत में कोई अंतर नहीं है। तदनुसार, कोई पृथक पीसीएन ऑफ ग्रेड उत्पादों के लिए नहीं बनाया गया है। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी की एक सतत कार्य पद्धति रही है कि वे उपर्युक्त कारणों से ऑफ ग्रेड उत्पादों के लिए कोई पृथक पीसीएन न बनाएं। इसके अलावा, ऑफ ग्रेड उत्पादों को बाहर किए जाने के फलस्वरूप अंततः प्राइम ग्रेड के उत्पादों का निर्यात भारत में अंतिम रूप से ऑफ ग्रेड उत्पादों के नाम पर किया जा सकता है।
119. जहां तक अन्य उत्पादकों के भाग न लेने से संबंधित तर्क का प्रश्न है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पात्र घरेलू उत्पादन में याचिकाकर्ताओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा है। याचिकाकर्ताओं का हिस्सा यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त है कि घरेलू उद्योग के आंकड़े संपूर्ण रूप में घरेलू उत्पादकों के द्योतक हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जबकि कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि प्रफुल्ल ओवरसीज के लाभों में वृद्धि देखी गई है, यह नोट किया जाता है कि इसके विपरीत उत्पादक द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़े इसकी लाभप्रदता में गिरावट को दर्शाते हैं। कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने इस मुद्दे को उठाया है कि नए संयंत्र और मशीनरी वाले पीएनपी पालीमर्स लि. जैसे उत्पादक को जानबूझकर इस याचिका का समर्थन करने के लिए चुना गया है वह याचिकाकर्ताओं में से एक याचिकाकर्ता नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि किसी भी व्यापार संबंधी निदान जांच में याचिकाकर्ता प्रत्येक घरेलू उत्पादक को एक साथी याचिकाकर्ता के रूप में होने के लिए बाध्य नहीं कर सकते हैं। यह नोट किया जाता है कि इस कंपनी ने आवेदन का समर्थन किया है। उसके अलावा यह नाट किया जाता है कि पी एन पी पालीमर्स लिमिटेड ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात भी किया है जिसके फलस्वरूप सामान्य प्रक्रिया में एक याचिकाकर्ता के रूप में इसे अयोग्य ठहराया गया होता। कुछ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह भी दावा किया गया है कि कुछ घरेलू उत्पादक के लाभ अथवा राजस्व में वृद्धि देखी गई है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने ए वाई एम सिंटेक्स, एलगोन इंडस्ट्रीज प्रा. लि., सेचरी एंका लिमिटेड, पीएनपी पालीमर्स लिमिटेड, प्रफुल्ल ओवरसीज प्रा. लि. आदि जैसे उत्पादक के कार्य निष्पादन पर विश्वास किया है और यह कि इस प्रकार के उत्पादक, या तो बहुत उत्पाद कंपनियां हैं अथवा विचाराधीन उत्पाद के व्यापार में शामिल हैं, या अन्य उत्पादों के उत्पादन एवं बिक्री में भी शामिल हैं। इस कारण से, ऐसे उत्पादकों के लिए संपूर्ण रूप में कंपनी का लाभ विचाराधीन उत्पाद के संबंध में इन उत्पादकों के कार्य निष्पादन को नहीं दर्शाता है।

120. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि पूर्व में लगाए गए शुल्कों के समाप्त होने के फलस्वरूप आयातों में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि शुल्कों के समाप्त होने के बाद, इन आयातों में वृद्धि हुई है जो शुल्कों को फिर से लगाए जाने की आवश्यकता को दर्शाता है।
121. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण क्षति उठानी पड़ी है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि रिकॉर्ड पर साक्ष्य यह दर्शाता है कि आयात कीमतें सतत रूप से घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से कम हैं। अतः, आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों को बढ़ाने से रोक दिया है और इन घाटों का कारण कच्ची सामग्री कीमतों में उतार-चढ़ाव को नहीं माना जा सकता है।
122. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने आयातों के कीमत प्रभाव का पीसीएन वार विश्लेषण का अनुरोध किया है। यह स्पष्ट किया जाता है कि निर्धारित की गई कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री परिकलित पीसीएन वार कीमत में कटौती और कम कीमत पर बिक्री का वास्तव में भारित औसत है।
123. कुछ हितबद्ध पक्षकारों ने इस प्रश्न को भी उठाया है कि इस प्रकार से 15 प्रतिशत बाजार हिस्से वाले आयात घरेलू बाजार में कीमत के नियंत्रित कर सकता है जब 85 प्रतिशत बाजार हिस्सा याचिकाकर्ताओं के पास है। यह नोट किया जाता है कि खपत में संबद्ध आयात के हिस्से के बजाए संबद्ध आयातों की कीमत घरेलू कीमत पर प्रभाव डालने में अधिक संगत हैं। वर्तमान मामले में, संबद्ध आयातों का कीमत निर्धारण घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत से कम पर भी किया गया है और आयातों की मात्रा में वृद्धि जांच की अवधि के दौरान स्वतंत्र रूप में तथा भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में ही हुई है।
124. यह तर्क दिया गया है कि थाइलैंड से आयात 3 प्रतिशत से कम है। इस संबंध में, यह नोट किया जाता है कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार, कुल आयातों में थाइलैंड से आयातों का हिस्सा तीन प्रतिशत से अधिक है और इस कारण से यह न्यूनतम से अधिक है।
125. यह भी तर्क दिया गया है कि याचिकाकर्ताओं की वार्षिक रिपोर्ट लाभ और राजस्व में निरंतर वृद्धि को दर्शाता है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन को विचाराधीन उत्पाद के संबंध में ही और न कि संपूर्ण रूप में कंपनी के संबंध में देखे जाने की आवश्यकता है। अन्य उत्पादों से संबंधित लाभ इस जांच के लिए संगत नहीं है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जहां तक विचाराधीन उत्पाद का प्रश्न है, घरेलू उद्योग को क्षति की पूरी अवधि के दौरान हानि हुई है। इस तथ्य को इस जांच परिणाम के संगत पैरा में उत्तर में दर्शाया है।
126. इस तथ्य के संबंध में कि पाटनरोधी शुल्क को लगाए जाने से संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर प्रतिबंध लगेगा और उपभोक्ताओं पर प्रतिकूल रूप से प्रभाव पड़ेगा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस जांच में यह दर्शाया है कि घरेलू उद्योग को विभिन्न स्रोतों से पाटन के कारण निरंतर हानि होती रही है। यदि कोई पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तब विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उत्पादकों के प्रचालनों की व्यवहार्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतः शुल्कों को लगाया जाना घरेलू उद्योग की व्यवहार्यता को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। संबद्ध वस्तुओं की मांग इस अवधि के दौरान तब भी बढ़ती रही है जब पाटनरोधी शुल्क संबद्ध आयातों के विरुद्ध लागू थी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अंतिम उत्पाद पर प्रस्तावित शुल्कों का प्रभाव बहुत अधिक नहीं हो सकता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा अनुचित व्यापार की क्षतिकारक प्रभावों को दूर करने के लिए एक सुधारात्मक कदम है। अतः इस उद्योग को पाटन के क्षतिकारक प्रभाव से बचाने के लिए पाटनरोधी शुल्क को लगाने का अर्थ उपभोक्ताओं अथवा अर्थव्यवस्था के किसी अन्य क्षेत्र को अनुचित कदम के रूप में नहीं लगाया जा सकता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह आवश्यक है कि प्रतिस्पर्धा की उचित स्थितियां विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों की तुलना में घरेलू उत्पादकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने हेतु स्थापित की जाए।
127. इस तर्क के संबंध में कि कुछ प्रमुख कच्ची सामग्री पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के फलस्वरूप एक इनवरटेड शुल्क संरचना बन जाएगी और उपभोक्ताओं के लिए वैश्विक रूप से आपूर्ति का विकल्प समाप्त हो जाएगा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि फैब्रिक्स पर सीमाशुल्क यार्न पर सीमाशुल्क से अधिक है।

न. निष्कर्ष

128. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, उपलब्ध कराई गई सूचना और किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणामों में रिकॉर्ड किए गए अनुसार प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों के संबंध में और पाटन तथा परिणामी क्षति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि :

- विचाराधीन उत्पाद का निर्यात संबद्ध देशों से पाटित कीमतों पर किया गया है।
- घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है।
- वास्तविक क्षति संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित, संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण हुई है।

प. भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

129. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रतिकूल प्रभाव भारत में इस उत्पाद की कीमत के स्तरों पर पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय बाजार में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा में पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने के कारण कमी नहीं आएगी। इसके विपरीत पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने से पाटन की प्रथाओं के द्वारा प्राप्त अनुचित लाभों को दूर किया जाएगा, घरेलू उद्योग की गिरावट को रोका जाएगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखी जाएगी। पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य सामान्य रूप से पाटन की अनुचित व्यापार कार्य पद्धतियों के द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है जिससे कि भारतीय बाजार में खुली एवं निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की स्थिति फिर से स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में है। इस कारण से पाटनरोधी शुल्कों को लगाए जाने का प्रभाव उपभोक्ताओं के उत्पाद की उपलब्धता पर नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क को लगाए जाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध देशों से आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा और इस कारण से कि उपभोक्ताओं के उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

फ. सिफारिश

130. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था। निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना उपलब्ध कराने के लिए समुचित अवसर दिया गया था। इस नियमावली के संबंध में पाटन, क्षति और इसके कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने और उसे पूरा किए जाने के बाद तथा घरेलू उद्योग को इस प्रकार के पाटित आयातों के द्वारा हुई वास्तविक क्षति तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन स्थापित करने के बाद, प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन और क्षति के प्रभाव को निष्क्रिय करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक है।

131. कमतर शुल्क नियमावली के संबंध में, प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन में से कमतर के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में दर्शाई गई राशि के बराबर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क को संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से पांच (5) वर्षों की अवधि के लिए लगाए जाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र. सं.	एच एस कोड	वस्तुओं का विवरण	उत्पत्ति का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
1	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन. गण.	चीन जन.गण. सहित कोई अन्य देश	मै. फुजियान जिनसेन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजी कं. लि.	771.37	मी.ट.	अम. डॉ.
2	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन. गण.	चीन जन.गण. सहित कोई अन्य देश	मै. फुजियान जिनजियांग टेक्नोलॉजी कं. लि., मै. फुजियां जिनचुआंग नायलॉन इंडस्ट्री कं. लि., मै. फुजियां जिनफेंग	448.95	मी.ट.	अम. डॉ.

					टेक्नोलॉजी कं. लि.			
3	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन. गण.	चीन जन.गण. सहित कोई अन्य देश	मै. लिहेंग (चांगले) पोलीमाइड टेक्नोलॉजी कं., लि., मै. चांगले हिंसुन सिंथेटिक फाइबर टेक्नोलॉजीज कं. लि.,	491.23	मी.ट.	अम. डॉ.
4	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन. गण.	चीन जन.गण. सहित कोई अन्य देश	मै. फुजियान काइबंग पोलीमाइड टेक्नोलॉजी कं. लि.	653.77	मी.ट.	अम. डॉ.
5	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन. गण.	चीन जन.गण. सहित कोई अन्य देश	उपर्युक्त को छोड़कर कोई अन्य उत्पादक	1086.73	मी.ट.	अम. डॉ.
6	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन.गण., कोरिया गण., थाइलैंड और ताइवान को छोड़कर कोई अन्य देश	चीन जन.गण.	कोई भी	1086.73	मी.ट.	अम. डॉ.
7	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	कोरिया गण.	कोरिया गण. सहित कोई अन्य देश	मै. टाइकवांड इंडस्ट्रीयल कं. लि.	407.15	मी.ट.	अम. डॉ.
8	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	कोरिया गण.	कोरिया गण. सहित कोई अन्य देश	मै. ह्योसुग टीएनसी कं.	648.40	मी.ट.	अम. डॉ.
9	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	कोरिया गण.	कोरिया गण. सहित कोई अन्य देश	उपर्युक्त को छोड़कर कोई अन्य उत्पादक	1,148.22	मी.ट.	अम. डॉ.
10	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन.गण., कोरिया गण., थाइलैंड और ताइवान को छोड़कर कोई अन्य देश	कोरिया गण.	कोई भी	1,148.22	मी.ट.	अम. डॉ.
11	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	थाइलैंड	थाइलैंड सहित कोई अन्य देश	कोई भी उत्पादक	629.54	मी.ट.	अम. डॉ.
12	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन.गण., कोरिया गण., थाइलैंड और ताइवान को छोड़कर कोई अन्य देश	थाइलैंड	कोई भी	629.54	मी.ट.	अम. डॉ.
13	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	ताइवान	ताइवान सहित कोई अन्य देश	कोई भी उत्पादक	490.34	मी.ट.	अम. डॉ.

14	5402	नायलॉन मल्टी फिलामेंट यार्न *	चीन जन.गण., कोरिया गण., थाइलैंड और ताइवान को छोड़कर कोई अन्य देश	ताइवान	कोई भी	490.34	मी.ट.	अम. डॉ.
----	------	-------------------------------	---	--------	--------	--------	-------	------------

* विचाराधीन उत्पाद में नायलॉन अथवा पोलियामाइड्स के सिंथेटिक मल्टी फिलामेंट यार्न के सभी प्रकार एवं रूप जैसे फ्लैट/ टेक्सचर्ड/ ट्विस्टेड/ अन ट्विस्टेड, चमकीली/सेमी डल/ फुल डल (अथवा उसके रूप), ग्रे/ कलर्ड/ डायड (अथवा उसके रूप), सिंगल/ डबल/ मल्टीपल/ फोल्डेड/ केबल्ड (अथवा उसके रूप) चाहे उसका आकार निर्धारित हो अथवा नहीं, शामिल हैं।

इनमें फ्लैट यार्न – ट्विस्टेड और/अथवा अन ट्विस्टेड, पूर्ण रूप से ड्रान यार्न (एफ डी वाई) स्पिन ड्रॉन यार्न (एस डी वाई) पूर्ण रूप से ओरिएण्टेड यार्न (एफओवाई), उच्च ओरिएण्टेड यार्न (एच ओ वाई), आंशिक रूप से ओरिएण्टेड यार्न (पीओवाई), टेक्सचर्ड यार्न - ट्विस्टेड और/अथवा अन ट्विस्टेड, और रंगे हुए यार्न, सिंगल, डबल, मल्टीपल, फोल्डेड अथवा केबल्ड शामिल हैं। मल्टी फिलामेंट यार्न होने के कारण मदर यार्न को भी विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल किया गया है। विचाराधीन उत्पाद में केवल मल्टी फिलामेंट यार्न शामिल है। निम्नलिखित यार्नों को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा गया है :

मोनोफिलामेंट यार्न (ii) उच्च कठोरता वाले नायलॉन यार्न (iii) सभी मानव निर्मित फिलामेंट यार्न जिनमें नायलोन अथवा पोलियामाइड्स नहीं हो (iv) कम गलने वाले यार्न (v) गैर वस्त्र उपयोगों के लिए प्रयोग किए जाने वाले नायलॉन 66 यार्न।

ब. आगे की प्रक्रिया

132. इस अंतिम जांच परिणाम की अधिसूचना के कारण केन्द्र सरकार के आदेश के विरुद्ध अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी।

भूपिन्दर एस. भल्ला, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th March, 2020

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-dumping investigation on the import of Nylon Multi Filament Yarn originating in or exported from China PR, Korea RP, Taiwan and Thailand.

A. BACKGROUND OF THE CASE

F. No. 6/11/2019-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “the Act”) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “the Rules”) thereof.

1. M/s Century Enka Limited and M/s Gujarat Polyfilms Limited (hereinafter referred to as the Applicants) have filed a fresh application before the Authority in accordance with the Act, and the Rules, for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of Nylon Multi Filament Yarn (hereinafter also referred to as the product under consideration (PUC) or the subject goods) from China PR, Korea RP, Taiwan and Thailand (hereinafter also referred to as the subject countries).
2. In view of the duly substantiated application filed by the Applicants, the Authority in accordance with Rule 5 of the Rules, initiated the anti-dumping investigation vide Notification No. 6/11/2019-

DGTR dated 28th June, 2019, published in the Gazette of India, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
 - i. The Authority notified the Embassies of the subject countries prior to initiation of investigation, in accordance with Rule 5(5) of the Rules.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 28th June, 2019 to the embassies of the subject countries in India, the known producers and exporters from the subject countries, known importers and other interested parties, as per the available information. The interested parties were requested to provide relevant information in the form and manner prescribed and make their submissions known in writing within the prescribed time-limit.
 - iii. Copy of the non-confidential version of the application filed by the Applicants was made available to the known producers / exporters of the subject countries and the embassies of the subject countries in accordance with Rule 6(2) and 6(3) of the Rules.
 - iv. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating anti-dumping investigation to the following known producers / exporters in the subject countries and opportunity to make their submissions known in writing within forty days in accordance with the Rules 6(4) of the Rules:
 - a. China Resources Yantai Nylon Co Ltd, China PR
 - b. Fujian Jingfeng Technology Co.,Ltd. China PR
 - c. Fujian Kaibang Polyamide Technology Co. Ltd, China PR
 - d. Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co.Ltd., China PR
 - e. Fuzhou Hang Yang International Trade Co.,Ltd., China PR
 - f. Guangdong Charme Industrial Company, China PR
 - g. Jiangsu Onetouch Business Service C, China PR
 - h. JianhuHuashun Textile Co.Ltd., China PR
 - i. Liheng (Changle) Polymide Technology Co Ltd, China PR
 - j. New Brite Industries Inc., China PR
 - k. United Raw Material Pte Ltd., China PR
 - l. Kolon Corporation, China PR
 - m. GaoyaoHuajin Group Co., Ltd, China PR
 - n. Qingdao Zhongtai Group Company, China PR
 - o. Basf-Huayuan Nylon Co.,Ltd., China PR
 - p. Shandong Dacheng Chemical Industry Group Co.,Ltd, China PR
 - q. Guangdong XinhuiMeida Nylon Co. Ltd, China PR
 - r. Jinan Juda Fiber Co Ltd, China PR
 - s. Wu Jiang Heng Yu Textile Co.,Ltd, China PR
 - t. Xiamen Tonglun Industrial Co.,Ltd., China PR
 - u. Kolon Nanjing Co.,Ltd., China PR

- v. Xiamen Phoenix New Material Technology Co Ltd, China PR
- w. YiwuBangcheng Import and Export Co Ltd, China PR
- x. Zhangjiagang Bojun Trade Co., Ltd, China PR
- y. Zhejiang Summer Plus Trading Co, China PR
- z. ZhujiBaifuqin Trade Co Ltd, China PR
- aa. Hyosung Corporation, Korea RP
- bb. Hyosung TNC Corporation, Korea RP
- cc. Inco International Co. Ltd., Korea RP
- dd. Kolon Fashion Material, Inc, Korea RP
- ee. Shinhan Trading Co.Ltd., Korea RP
- ff. Kohap Corporation, Korea RP
- gg. Kolon Industries, Korea RP
- hh. Sung Hwa Industry Ltd, Korea RP
- ii. Taekwang Industrial Co.Ltd, Korea RP
- jj. Acelon Chemicals & Fiber Corpo, Taiwan
- kk. Elite Spirit Co.,Ltd, Taiwan
- ll. Hi-Tech Textile Company Ltd, Taiwan mm. Joysun Textile Corp, Taiwan
- nn. Chung Shing Textiles, Taiwan
- oo. Li Peng Enterprise Co., Ltd., Taiwan
- pp. New Brite Industries Inc, Taiwan
- qq. Pacific International Financial Co Ltd, Taiwan
- rr. Qin Xiang Industrial Co., Ltd, Taiwan
- ss. Maw Chawg Enterprise Co., Limited, Taiwan tt. Chain Yarn Co., Ltd, Taiwan
- uu. Neshin Spinning Co., Ltd, Taiwan
- vv. Formosa Nylon, Taiwan
- ww. Right Prosper Inc, Taiwan
- xx. Suntex Fiber Co. Ltd., Taiwan
- yy. United Raw Material Pte Ltd., Taiwan
- zz. Zig Sheng Industrial Co., Ltd, Taiwan aaa. M/s. Fenatex Co. Ltd., Taiwan
- bbb. Thai Toray Synthetics Co., Ltd., Thailand
- ccc. Thailon Techno Fiber Limited, Thailand ddd. Thai Taffeta Company Limited, Thailand
- eee. Asia Fibre Public Company Limited Company Limited, Thailand
- fff. Thai Baroda Industries Limited, Thailand
- v. In response to the above notification, following exporters / producers have filed response to the exporters' questionnaire:
 - a) Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co. Ltd., China PR
 - b) Fujian Jinjiang Technology Co. Ltd., China PR
 - c) Fujian Jingfeng Technology Co. Ltd., China PR
 - d) Fujian Xinchuang Nylon Industry Co. Ltd., China PR

- e) Fujian Kaibang Polyamide Technology Co. Ltd., China PR
- f) Changle Highsun Synthetic Fiber Technologies Co. Ltd., China PR
- g) Liheng (Changle) Polyamide technology Co. Ltd., China PR
- h) Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd., China PR
- i) Taekwang Industrial Co. Ltd, Korea RP
- j) Hyosung TNC Co., Korea RP
- k) Inco International Co. Ltd., Korea RP
- l) Shinhan Trading Co. Ltd., Korea RP
- vi. Additionally, submissions have been filed by China Chamber of Commerce for Imports and Exports of Textiles.
- vii. The Authority sent Questionnaires to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules.
 - a) Brakes India Limited
 - b) AASU Textiles Private Ltd.
 - c) Baliga Fishnets
 - d) Bayer India Ltd.
 - e) Birla Ericsson Optical Ltd.
 - f) Chidambaram Fishnets Pvt. Ltd.
 - g) D C Mills Pvt. Ltd.
 - h) Dupont Fibers Ltd.
 - i) Entremode Polycoaters Ltd.,
 - j) Garware Wall Ropes Ltd.
 - k) Goenka Industries
 - l) Habasitlakoka Pvt. Ltd.
 - m) IDL Industries Ltd
 - n) SRF Ltd.
 - o) Vivilon Textile Industries Pvt. Ltd.
 - p) Garden Silks Mills Ltd.
 - q) Euro Vista India Ltd.
 - r) KayavlonImpex Pvt. Ltd.
 - s) SK Exports
 - t) Sarla Performance Fibers Ltd.,
 - u) Shalon Silk Industries Pvt. Ltd.
 - v) Surat Synthetics Ltd.
 - w) Suertexlnds. Ltd.
 - x) Supreme India Impex Ltd.
 - y) Valson Polyester Ltd

- viii. In response to the above, following importers / users filed responses and made submissions.
 - a. Ginza Industries Ltd
 - b. Pratiman Textiles
 - c. SGP India
- ix. Authority also sent initiation notification to the following associations intimating them about the initiation of the investigation and also to call for their comments on initiation:
 - a. Federation of Indian Art Silk Weaving Industry
 - b. Federation of Gujarat Weavers Association
 - c. Surat Grey Kapada UtpadakSangh.
- x. The following interested parties filed submissions responding to the initiation notification:
 - a. Surat Art Silk Weaving Industry
 - b. Surat Textile Club
 - c. South Gujarat Warp Knitters Association
 - d. Federation of Gujarat Weaver's Welfare Association
 - e. Pandesara Weavers Co-op Soc. Ltd.
 - f. SASME Co-operative Society Limited
- xi. Submissions have also been filed by Bishnu Texport Pvt. Ltd, Sunheri Texcraft Pvt. Ltd. and Thailon Techno Fiber Limited.
- xii. Post hearing, Ved Road Art Silk Small Co. Op. Federation Ltd., The Surat Art Silk Cloth Manufacturers Association and SainathKnitex also filed written submissions. Foreign producers/exporters and other interested parties who have not responded to the Authority, or not supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating interested parties.
- xiii. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2018 to 31st March, 2019 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2015-16, 2016-17, 2017-18 and the period of investigation.
- xiv. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange for details of imports of subject goods for the past three years and the period of investigation. The Authority has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume of imports and required analysis.
- xv. On-the-spot verification of the information / data provided by the applicant domestic industry, to the extent deemed necessary, was carried out by the Authority. Only such verified information with necessary rectification, wherever applicable, has been relied upon for the purpose of the present investigation.
- xvi. Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry. The non-injurious price (NIP) has been determined by the Authority in terms of the principles laid down under Annexure – III to the Rules.
- xvii. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 10th October, 2019. Further, a 2nd oral hearing was held on 5.12.2019 in view of change in the Designated Authority, in pursuance of the decision of the Hon'ble Supreme Court in the matter of *Automotive Tyres*

Manufacturers' Association vs Designated Authority. The parties, which presented their views in the oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.

- xviii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xix. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this Final Findings.
- xx. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- xxi. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded the disclosure on the basis of facts available.
- xxii. A Disclosure Statement containing the essential facts in this investigation which forms the basis of the present Final Findings was issued to the interested parties on 04.02.2020. The post Disclosure Statement submissions received from the domestic industry and other interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this Final Findings Notification.
- xxiii. ***represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules. Information in () bracket in this Final Findings indicates negative number/range.
- xxiv. The average exchange rate of 1US\$ = Rs 70.82 prevailing during the period of investigation has been adopted by the Authority

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

- 4. The product under consideration in the present investigation is “Synthetic Multi Filament Yarn of Nylon” also known as “Polyamide Multi Filament Yarn” or “Nylon Multi Filament Yarn”.

C. 1 Submissions of the domestic industry

- 5. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to product under consideration:
 - a. The price difference between partially oriented yarn and fully drawn yarn is significant which should also be considered for determining the PCN.
 - b. The PCN methodology should be based on crimped / flat yarn, partially oriented / fully drawn yarn, filaments, denier, luster and color, as adopted in the previous investigation.
 - c. The domestic industry is producing fine denier yarn, micro filament yarns, yarns with S & Z twist and mother yarns.
 - d. While the domestic industry has not produced low melting NFY or conductive yarn, it has the capability to produce the same and has not produced them only because of low demand and unviable prices.
 - e. Off-grade yarns cannot be excluded as such yarns invariably arise as a part of production with all producers. It is well settled that the scope of product cannot be defined on the basis of quality.
 - f. There is no need for exclusion of mother yarn, which is a fully drawn multi- filament yarn without intermingling and is being made by the domestic industry. Further, the imports of mother yarn have caused injury to the domestic industry.

- g. As regards the request to exclude Nylon 66 the issue is well settled in past Findings of the Authority, wherein it was noted that Nylon 6 yarns produced by the domestic industry are like article to the imported Nylon 66 yarns.
- h. As regards the contention of the respondents that the domestic industry has not supplied yarn having equal length and weight, it is submitted that the Domestic industry has provided evidence establishing that it has supplied the same.
- i. As regards the contention that quality should be made a parameter for PCN, it is submitted that non-prime and prime goods use the same raw materials and undergo the same production process, entailing the same conversion costs, and therefore, quality should not be a criterion for PCN.

C2. Submissions of other interested parties

6. Following submissions have been made by the Exporter/Importer/User/Trader with regard to product under consideration:
 - a. The Indian producers are unable to produce delicate denier filaments with S&Z twists, which is used to produce seamless garments.
 - b. Nylon 6 and Nylon 66 should not be under the scope of product under consideration as they are not produced by the domestic industry. They are imported to produce air covered yarn. They were outside the scope of previous investigation as well.
 - c. Mother Yarn should not be a part of product under consideration as it is converted completely into mono filament yarn, which is outside the scope of product under consideration.
 - d. Low melting NFY having melting point of 90-100 degree Celsius and used in making upper fabric of shoe is not produced in India and should be excluded from the scope of investigation.
 - e. There is a substantial difference in cost and prices in High Oriented Yarn (HOY), Drawn Textured Yarn (DTY), Spin Drawn Yarn (SDY), Air Textured Yarn (ATY), and therefore, should form separate PCNs.
 - f. A separate PCN should be devised for goods with denier of less than 10 and exceeding 250.
 - g. Grade of the product, in terms of prime and non-prime, should also be considered as a parameter for PCN, which is consistent with the Anti-Dumping Agreement, Rules, formats prescribed by DGTR and practice of other authorities.
 - h. Off-grade products exported by Taekwang should be excluded from the scope of product under consideration.
 - i. Recycled yarn should be excluded from scope of product under consideration.
 - j. Since the domestic industry is not producing nylon filament yarn having packages of equal length and weight, which is required by the warp knitting industry, the same should be excluded from the scope of product.

C.3 Examination by the Authority

7. The submissions made by the domestic industry and other interested parties with regard to the product under consideration and like article related issues have been examined.
8. The product under consideration in the present investigation is “Synthetic Filament Yarn of Nylon” also known as “Polyamide Multi Filament Yarn” or “Nylon Multi Filament Yarn”. The subject goods are classified under heading Chapter 54 under customs subheading no. 5402 of the Customs Tariff Act, 1975.
9. The product under consideration has been imported under the tariff Codes 5402 31, 5402 32, 5402 39, 5402 45, 5402 49, 5402 51, 5402 59, 5402 61 and 5402 69. The customs classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
10. The product under consideration includes all kinds of synthetic multi filament yarns of Nylon or

Polyamides, such as flat yarn - twisted and/or untwisted, Fully Drawn Yarn (FDY), Spin Drawn Yarn (SDY), Fully Oriented Yarn (FOY), High Oriented Yarn (HOY), Partially Oriented Yarn (POY), textured yarn – twisted and/or untwisted, and dyed yarn, single, double, multiple, folded or cabled. Nylon filament yarn is a synthetic filament yarn produced by polymerization of organic monomers. Mother yarn, being multi-filament yarn, is also included in the scope of product under consideration. The product under consideration includes only multi-filament yarn and mono filament yarns are excluded from the scope of PUC.

11. The product includes all variants of Nylon Filament Yarn or Polyamide Yarns such as flat/ textured/ twisted/ untwisted, bright/ semi-dull/ full-dull (or variants thereof), grey/ colored/ dyed (or variants thereof), single/ double/ multiple/ folded/ cabled (or variants thereof), whether or not sized, but excludes high tenacity yarn of nylon. All manmade filament yarns not having nylon or polyamides are beyond the scope of the product under consideration.
12. The interested parties have sought exclusion of certain product types from the scope of product under consideration. The claims have been examined herein below.
 - a. Nylon 66 yarn (also referred to as nylon 6.6 yarn) – The interested parties have claimed that nylon 66 yarn should be excluded as they are not being produced by the domestic industry. The Authority notes that the issue of exclusion of nylon 66 yarn has been examined in previous investigations as well. In anti-dumping investigation concerning imports of Nylon Filament yarn originating in or exported from China PR, Chinese Taipei, Malaysia, Indonesia, Thailand and Korea RP having Final Findings Notification No. 14/5/2005-DGAD dated 3rd July, 2006, the Authority noted as under:

“7. Nylon filament yarn has vast applications in textiles applications, which includes saree, dupatta, women’s dress material / fashion wear, fancy causal knit wear, stockings and socks, intimate wear and foundation wear, lingerie and night wear, briefs, panties, slips, kids wear, sportswear and active wear, swim wear and beach wear, outer wear, wind wear, fashion accessories, elastic tapes, show/footwear linings, laces/fancy tapes, tie/scarves, feather yarn, ribbons/satin ribbons, etc. With regards to the observations made by some of the interested parties not to take into account Nylon filament Yarn made from Nylon 66 because of its allegedly different characteristics, the Authority has considered all relevant information made available by interested parties with regard to whether or not nylon 6 and nylon 66 are one like products and notes that nylon 66 has been rightly included within the scope of product under consideration. The Authority holds nylon 6 and 66 as one like product, considering parameters such as physical and chemical properties, technology, manufacturing process, raw materials, functions and uses, tariff classifications etc. Nylon 66 is therefore, considered within the scope of present investigations.”

The Authority also took the same view in the Sunset Review investigation of anti- dumping duty imposed on imports of Nylon Filament Yarn from China PR, Chinese Taipei, Malaysia, Indonesia, Thailand and Korea RP, having Final Findings notification no. 15/14/2010-DGAD dated 19th November, 2011. While demanding exclusion, none of the interested parties has not provided any new information that could justify reconsideration of the Authority’s consistent view in previous Findings. Therefore, the Authority holds nylon 66 yarn within the scope of product under consideration. However, based on post-disclosure submissions, nylon 66 yarn, used for non-textile applications, have been excluded from the scope of product under consideration.
 - b. Mother yarn – As regards the exclusion of mother yarn, it is noted that it is multi filament yarn and is produced and sold by the domestic industry. The fact that such yarn is later converted into mono filament yarn is not relevant for determining the scope of product under consideration. The Authority also notes that mother yarn was included in the scope of product under consideration in the anti-dumping investigation into imports of nylon filament yarn from European Union and Vietnam as well.
 - c. Delicate denier yarns, micro filament yarns, yarns with S&Z twists and recycled yarns – The interested parties had also sought exclusion of the aforesaid types of yarns on the ground that these types are not being produced by the domestic industry. However, the domestic industry submitted that it has produced and sold such yarns during the period of investigation. The

domestic industry has also submitted sales invoices and other evidences establishing that they have produced and sold such types of yarns. Accordingly, the Authority does not holds to exclude these yarns from the scope of product under consideration

- d. Low-melting yarn – The interested parties have submitted that the domestic industry is not able to supply low melting yarns. The domestic industry has conceded that it has not produced the same, but that it holds the capability to supply the same and the only reason for not producing is absence of orders from the consumers. Both the interested parties have acknowledged that the price of such yarn is much higher than the price of other yarns. The Authority has examined the same and it is found that such yarn are priced higher than other yarns. Accordingly, the Authority finds it appropriate to exclude this yarn from the scope of the product under consideration,
 - e. Off-grade products – The interested parties have sought exclusion of off grade products. The Authority notes that a product cannot be excluded from the scope of the investigation merely on the ground of difference in quality. This is especially when there is nothing to show that off-grade products are not competing with the like article manufactured by the domestic industry. The Authority had taken the same view in the earlier investigations into the product under consideration. The Authority accordingly holds not to exclude off-grade products.
13. Subject to above, there is no known difference between the subject goods imported from the subject countries and that produced by the Applicants. Nylon filament yarn produced by the Indian industry and imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable and consumers can use them interchangeably. The Authority holds that the goods produced by the Applicants are like articles to the product under consideration imported from the subject countries.
14. In order to ensure fair comparison for the purposes of determining the dumping margin and injury margin, a PCN methodology has been adopted after inviting comments from interested parties. The submissions made by the interested parties have already been considered and appropriately addressed in the PCN methodology. Insofar as the arguments regarding PCN categorization of prime / non-prime is concerned, the Authority notes that the PCN methodology adopted by the Authority is in line with its consistent practice. Non-prime grade / off-grade material is also produced from the same raw material and undergoes the same processing and accordingly have same cost of production as the prime grade. Therefore, the Authority holds that the PCN methodology adopted for this investigation is appropriate.

The Authority has considered following PCN methodology for the purpose of the present investigation.

SN	Characteristic	Format	Explanation
1.	Yarn type	XX	a. Partly/high oriented yam "PO" b. Fully Drawn/Flat /Spin Draw yarn "FD" c. Draw Textured/Crimped Yarn "DT" d. Air Textured Yarn "AT" e. Other than above: "OT" (please specify and give explanation/ justification separately)
2.	Denier	XXXX	The next 4 digits in the PCN should denote Denier. For Example: a. 15 Denier: 0015 b. 20 Denier: 0020 c. 100 Denier: 0100
3.	Filaments	XXX	These 3 digits in the PCN should denote the number of filaments.
4.	Luster	XX	The next 2 digits in the PCN should denote luster which may be

			bright, dull etc. a. Bright: "BR" b. Semi dull: "SD" c. Full Dull: "FD" d. Other than above: "OT" (please specify and give explanation/justification separately)
5.	Colour	XX	Next two digits to show whether the product is grey or coloured. a. GR= Grey (raw white) b. DY (Coloured) c. UN= Unidentified d. Other than above: "OT" (please specify and give explanation/justification separately)
6.	Speciality Product	XX	Next two digits to show whether the product is speciality product or not. a. Not a speciality product "NO" b. Speciality product "YS"

D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

D.1. Submissions of the domestic industry

15. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to product under consideration:

- a. The Applicants have neither imported the subject goods nor are related to any of the exporter or importer.
- b. The following producers are engaged in the import of subject goods and therefore their production should not be included in the total Indian production:
 - i. M/s AYM Syntex,
 - ii. M/s PNP Polytex Private Limited,
 - iii. M/s Sarla Performance Fibres Limited,
 - iv. M/s Aglon Industries Private Limited and
 - v. M/s JCT Limited
 - vi. Shiven Yarn Private Limited
- c. M/s Salasar Polytex Private Limited and M/s TodiRayons Private Limited have a related company named M/s Salasar Yarns Private Limited, which is also involved in the importation of the subject goods. Therefore, the production of the both the companies should also not be considered in the calculation of total Indian production.
- d. JPB Fibres is related to M/s Eagle Fibres Private Limited and M/s Aglon Industries Private Limited, who are involved in importation of subject goods.
- e. Contrary to arguments of the opposing parties, M/s Praful Overseas Private Limited has provided complete costing information on 8th August, 2019.
- f. A total of 13 other domestic producers have filed letters supporting the investigation post the initiation of investigation. Two other producers named Gujarat Synthetics Limited and Gujarat State Fertilizers & Chemical Limited have suspended their production and M/s J-Korin Spinning Private Limited has switched over their production to polyester. The current petition is supported by all operating producers in India.

- g. The non-confidential version of the support letters was filed vide letter dated 5th August, 2019.
- h. A number of producers are importing the subject goods because the subject imports are priced much below the cost of production in India.
- i. The Applicants account for more than 30% of the total domestic production and more than 50% of the eligible Indian production and thus, constitute domestic industry.
- j. If Prafful Overseas is included, the combined share of the producers is more than 40% of the total domestic production.
- k. Since there is no opposition by any domestic producer, the Applicants accounted for more than 50% of the domestic production of that portion of domestic producers expressing either support or opposition.
- l. As regards the argument that other domestic producers are not required to participate, it was submitted that domestic producers are interested parties under Rule 2(c) of the Rules. Further, Trade Notice 11/2018 provides that if a party is registered as interested party within stipulated time, it shall be allowed to participate in the investigation, even if it does not file a questionnaire response.
- m. As noted by the WTO Panel report in case relating to Argentina – Definitive Anti-Dumping Duties on Poultry from Brazil, the domestic industry may be defined even in case of producers constituting less than 50% of the total domestic production.

D.2. Submissions of other interested parties

16. The other interested parties have submitted as under:

- a. The Applicants constitute merely 34.3% of the total domestic production and, therefore, do not constitute domestic industry.
- b. Since the Applicants constitute less than 50% of the total domestic production, the requirements of Rule 2(b) and the minimum requirement for an application to be deemed to be on behalf of domestic industry under Rule 5(3) are not satisfied. The Applicants cannot unilaterally exclude 8 producers from the scope of domestic industry as exclusion of producers is at the discretion of the Authority.
- c. Prafful Overseas has not filed details as required in terms of Trade Notice 13/2018 dated 27th September 2018.
- d. The production of Applicants is ***MT, while the eligible production is ***MT, implying a total production of ***MT. Therefore, the Applicants constitute only 21.96% of the total production, which is less than the prescribed level of 25%.
- e. 19 producers in India produce the subject goods, whereas only two have filed the petition.
- f. The excluded domestic producers have neither filed their support letters, nor required information as mandated in Trade Notice 13/2018 dated 27th September, 2018.
- g. As per Trade Notice 6/2018, support letters are required to be filed pre-initiation with the original petition. However, in the present case, they are being filed post initiation.
- h. Aglon Industries Private Limited has claimed that their imports are only 2% of total imports, which is not correct.
- i. Since the supporters have not filed the information prescribed as per the trade notice, they should not be allowed to participate in the oral hearing and further proceedings.
- j. Since most of the producers are also importing the subject goods, they should have filed Importers' Questionnaire Response. In the absence of response, they should not be allowed to participate.

D.3. Examination by the Authority

17. Rule 2(b) of the Rules defines domestic industry as under:

“(b) ‘domestic industry’ means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

18. The application has been filed jointly by M/s Century Enka Limited and M/s Gujarat Polyfilms Limited. Both the companies have neither imported the subject goods from the subject countries nor are they related to any importer/exporter of the subject product.

19. The following domestic producer have supported the petition filed by the Applicants.

- i. Prafful Overseas Private Limited
- ii. Oriilon India Private Limited
- iii. Garden Silks Mills Limited
- iv. Kejriwal Synthetics Private Limited
- v. Wellknown Polyester Private Limited
- vi. PNP Polymers Private Limited
- vii. JCT Limited
- viii. Shiven Yarn Private Limited
- ix. JPB Fibres
- x. Salasar Polytex Private Limited
- xi. TodiRayons Private Limited
- xii. Aglon Industries Private Limited
- xiii. AYM Syntex Limited
- xiv. Sarla Performance Fibers Limited

20. The Applicants had identified following domestic producer companies as an importers of the product under consideration or related to importer who are importing the PUC. The Authority notes that following domestic producers are importing the subject goods or related to the importers.

- i. PNP Polymers Private Limited
- ii. JCT Limited
- iii. Shiven Yarn Private Limited
- iv. JPB Fibres
- v. Salasar Polytex Private Limited
- vi. TodiRayons Private Limited
- vii. Aglon Industries Private Limited
- viii. AYM Syntex Limited
- ix. Sarla Performance Fibers Limited

21. M/s Prafful Overseas Private Limited (“Prafful Overseas”), a supporter of the Application, has submitted injury information as well.

22. The information in respect of all domestic producers including Applicants, supporters and importer of the PUC is summarized below

Sl.No.	Particulars		Total production (MT)	Eligible production (MT)	Share in total production	Share in eligible production
A	Applicants Production		***	***	***	***
1	Gujarat Polyfilms Limited		***	***	***	***
2	Century Enka Limited		***	***	***	***
B	Supporters		***	***	***	***
3	Praful Overseas Private Limited		***	***	***	***
4	Orilon India Private Limited		***	***	***	***
5	Garden Silks Mills Limited		***	***	***	***
6	Kejriwal Synthetics Private Limited		***	***	***	***
7	Wellknown Polyester Private Limited		***	***	***	***
8	PNP Polymers Private Limited	Importer	***	***	***	***
9	JCT Limited	Importer	***	***	***	***
10	Shiven Yarn Private Limited	Importer	***	***	***	***
11	JPB Fibres	Related to Eagle Fibres	***	***	***	***
12	Salasar Polytex Private Limited	Related to Salasar Yarns Private Limited	***	***	***	***
13	Todi Rayons Private Limited	Related to Salasar Yarns Private Limited	***	***	***	***
14	Aglon Industries Private Limited	Importer	***	***	***	***
15	AYM Syntex Limited	Importer	***	***	***	***
16	Sarla Performance Fibers Limited	Importer	***	***	***	***
D	Other Eligible Producers		***	***	***	***
17	J-Korin Spinning Private Limited		***	***	***	***
18	Gupta Synthetics Limited *		***	***	***	***
19	GSFC Ltd*		***	***	***	***

E	Total production		1,18,758	66,087	100%	100%
F	Petitioner + Eligible Supporter			***	***	***

* Plant of both the companies were under shut down in the POI.

23. Some interested parties have contended that the Applicants cannot unilaterally exclude 8 producers from the scope of domestic industry as exclusion of importing producers is at the discretion of the Authority. The Authority notes that it has considered all the information available on record in respect of all the producers and after examining the same has excluded those domestic producer from the purview of domestic industry who have either imported or are related to importers.

24. As regards the contention that M/s Prafful Overseas has not filed details as required in terms of Trade Notice 13/2018 dated 27th September 2018, the Authority notes they have filed information as per the said Trade Notice and have also filed injury information.

25. In so far compliance with Trade Notice 6/2018 by supporters is concerned, it is noted that Trade Notice 6/2018 pertains to importer's questionnaire and not is not relevant for supporters of the Application.

26. The Applicants constitute 60% share in total eligible domestic production and along with supporter it is 98.49%. Hence, Century Enka Limited and M/s Gujarat Polyfilms Limited, constitutes a major proportion and constitute domestic industry within the meaning of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the Rules.

E. CONFIDENTIALITY

E.1. Submissions of the domestic industry

27. The domestic industry has submitted as under:

- a. Liheng and Highsun have claimed certain information as confidential, in complete contravention of the requirements of the Trade Notice 10/2018 dated 7th September, 2018, without providing any reasons for the same. They have also failed to follow the requirements of trade notice 1/2013 dated 9th December, 2013.
- b. Xinsen, Jinjiang, Xinchuang and Jingfeng have failed to disclose the names of major raw materials used in product under consideration.
- c. Inco and Shinhan have failed to provide information in indexed form as is required by the trade notice.
- d. Jinjiang and Jingfeng have failed to furnish an appropriate and meaningful non- confidential summary of their performance parameters.
- e. The exporters have even claimed publicly available information as confidential.
- f. Taekwang has gone to the extent of claiming even regulations governing drawback as confidential.
- g. Other critical information such as channel of distribution for sales, adjustments to normal value and export price, and whether the producer is captively producing inputs or sourcing from a related party have been claimed confidential.
- h. Hyosung has even claimed the names of products that it wants excluded from scope of product under consideration as confidential.
- i. Contrary to the arguments of the interested parties, the domestic industry has submitted a justification table for its claims of confidentiality both with the non- confidential version of the petition and the updated data. Further, the domestic industry has submitted a table showing its compliance with the trade notice.
- j. Format A to K contain costing and price information, which cannot be disclosed.
- k. All the injury parameters of the domestic industry have been provided in the indexed form and in line with the requirements of the trade notice.

E.2. Submissions of the other interested parties

28. The other interested parties have made following submissions:

- a. The non-confidential version of the petition does not allow the interested parties to sufficiently defend their rights. The Applicants have not provided the justification table as required in trade notice and have not complied with the requirements of Rule 7 or the Trade Notices.
- b. The Applicants have not provided any information in Section – VI of the petition and nothing has been provided in Formats A to K.

E.3. Examination by the Authority

29. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provides as follows:

“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”

30. With regard to the contention that Xinsen, Jinjiang, Xinchuang and Jingfeng have failed to disclose the names of major raw materials and that Inco, Shinhan, Jinjiang and Jingfeng have failed to provide information in indexed form, the Authority notes that normal value has been constructed in terms of para 7 of Annexure-I of the Rules, not on the basis of questionnaire response and, therefore, no prejudice has been caused to any party on this account due to non-disclosure of the said information.

31. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential versions of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

F. MISCELLANEOUS**F.1. Submissions of other interested parties**

32. The miscellaneous submissions made by the interested parties are recorded below:

- a. Indian Nylon Spinners have imported due to the shortage of nylon filament yarn in the country and requirement of good quality and dyeing guarantee.
- b. The Indian Nylon Spinners have imported more than one third of the total imports of the subject goods despite domestic industry running at optimum capacity utilization.
- c. The fact that the exports are 1% of the sales of the petitioner also shows that the production of the Indian producers is not up to international standards.
- d. Many spinners in India, such as Century Enka Limited have converted their old polyester lines to nylon spinning lines, thereby compromising on its quality.

- e. There is shortage of high-quality nylon chips and as a result of which 90% of the nylon chips are being imported into India. Out of the total imports of nylon chips and nylon yarns, nylon chips account for 89%.
- f. The users have had to return the goods purchased from JCT Limited, Aglon Industries Private Limited and Todi Rayons Private Limited on account of poor quality.
- g. The users have imported 151 MT of the subject goods from Changle High sun Synthetic Fiber Technologies Co., Ltd and have faced no issues with quality.
- h. The domestic industry is not able to supply the goods in time.
- i. An anti-dumping investigation can only be initiated where the Applicants provide sufficient evidence of dumping, material injury and causal link, which was not furnished in the present case.
- j. The Applicants have not brought forth any substantive evidence to establish the conditions of initiation of investigation and the initiation of investigation is totally baseless.
- k. In spite of the domestic producers operating at optimum capacity, they are unable to meet the demand in India as the users are growing at 20% per annum.
- l. Century Enka Limited has mentioned in its annual report that the consumption of subject goods is growing at 19% on a year-on-year basis. The domestic industry cannot meet the increasing demand.
- m. Anti-dumping duty will create imbalance of demand and supply leading to shortage of basic raw material for user industry which will further lead to price-rise, un- competitiveness, closure and unemployment for millions of people directly and indirectly connected with the user Industry.
- n. In the entire nylon chain, there is no anti-dumping on any product from the basic raw material to the finished product, except nylon yarn.
- o. While there are a handful of nylon spinners in India, there is a large user industry comprising of weavers, knitters, interlining etc.
- p. Out of 5.5 lakh power looms in Surat, 1.1 lakh power looms have been scrapped in the past 1.5 years. The power looms industries in Surat consist of 6500 MSMEs, employ 1.5 lakh workers directly and indirectly and have a total net worth of Rs. 7,500 crores. There are 1.5 lakh looms using nylon filament yarn.
- q. As per Textiles Time published by CITI, India is not competitive in production of nylon yarn, high tenacity yarn and functional yarn in terms of quality and price.
- r. Imposition of duty will give the Indian Nylon Spinners an opportunity to cartelize and increase the prices.
- s. While updating the data for the period of investigation, the data for the injury period itself has undergone a change in respect of export sales, number of employees and productivity.
- t. It is unreasonable to impose anti-dumping duty within a period of only one year, following the expiry of the earlier duties.
- u. A duty of 1\$ implies that the domestic producers would increase price by Rs. 70 per kg, which is an increase of 35%. Since a fabric is of 25-35 grams per meter and the price of fabric is about Rs.14 per meter, the duty would lead to an impact of 18%. Since nylon fabric is sold at an average of Rs. 300 to 400 per kg, the impact of duty of 1\$ would be 20%.

F.2. Submissions of the domestic industry

- 33. The domestic industry has made following submissions;
 - a. Since Element Knitts, Unique Fur N Fabrics Private Limited and Sainath Knitex Pvt. Ltd. were not registered as interested parties within the prescribed time and their submissions should not

be considered, in line with Trade Notice 11/2018.

- b. With regard to quality, it is submitted that the quality of goods produced by Indian producer is at par, or even better than the imported goods.
- c. The exporters have themselves admitted that they are exporting non-prime or off- grade goods to India, which demonstrates that the allegations as to poor quality of domestically produced goods are baseless.
- d. The quality of domestic goods is evident from the fact that the domestic producers have historically accounted for 80-90% of the Indian market.
- e. The domestic producers are using imported machines and raw materials, have automatic winders and standard spools. Further, the domestic producers have set up cells for redressal of customer grievances, whereas there is no such redressal mechanism in case of imports.
- f. As regards the allegation that no dyeing guarantee is given, it is submitted that the producers are giving guarantees for yarns. However, no guarantee can be given at fabric stage as it is difficult to trace the yarn to the supplier of fabric.
- g. Responding to the allegation of returns of goods produced domestically, it is submitted that this itself shows that the domestic industry is accommodating to give the desired product to the customers.
- h. As regards the contention regarding conversion of polyester lines it is submitted that the producers in the subject countries are themselves using machinery which is 20- 25 years old. This is evident from the fact that except for China, there has not been any fresh investment in any country.
- i. The domestic industry has no objection to any quality check of the goods supplied by it.
- j. The other domestic producers are importing the subject goods only because of cheap import prices.
- k. The present investigation has been initiated by the Authority after being prima facie satisfied regarding the adequacy and accuracy of evidence.
- l. The capacity in India is more than the demand in the country and there is no demand-supply gap. In any case, anti-dumping duty can be imposed even in cases where there is a demand-supply gap.
- m. There would be no adverse impact of the anti-dumping duty on the end user, as the impact would be less than 2% as shown in the table below. Further, since nylon products constitute merely 3% of the total textile consumption, the impact of duty would be less than 0.06% on the total textiles sector.

Segment	Estimated Consumption MT/Annum	Average Retail Price Rs. per unit	Consumption of yarn in gm / unit	Unit	Impact of Duty of Rs60/kg on sale price per unit	Impact of Duty on sale price %
Saree	54,000	160	60	SqMeter	3.60	2%
Dupatta/ Stolls	30,000	70	35	SqMeter	2.10	3%
Dress material	27,000	90	70	SqMeter	4.20	5%
Swim Wear, Lingerie	1,200	900	80	Pcs	4.80	1%
Suiting and Shirting	300	140	120	Sq Meter	7.20	5%
ACTIVE WEAR					-	
Socks/ Bottoms	1,500	60	20	Pcs	1.20	2%
T shirts / Tops	500	600	100	Pcs	6.00	1%
Sweaters	500	800	60	pcs	3.60	0%

INDUSTRIAL					-	
Elastics / Tapes	11,000	4	6	SqMeter	0.36	9%
Crochet / Labels/ Velcro/ Laces	7,000	70	20	SqMeter	1.20	2%
Rugs, Carpets, Packaging	2,000	400	250	Pcs	15.00	4%
Threads, Cosmetics, Fish Nets	2,400	350	70	Meter	4.20	1%
AUTOMOTIVE					-	
Automotive Backing, Gloves	1,800	600	40	Pcs	2.40	0%
Bolting, Filters	800	70	65	Meter	3.90	6%
Total	1,40,000	131			3.18	2%

- n. The impact of duty should not be seen on the prices of the immediate user, but on the prices of the end consumer. When the users pass-through the increase or decrease in raw material prices to the final consumers, the contention that impact of duty cannot be passed on is not tenable.
- o. The fact that the downstream consumption grew at a rate of more than 20% itself indicates that the anti-dumping duties levied earlier did not impact the downstream industry.
- p. The argument that there is no duty on other product in the nylon chain is of no relevance.
- q. No weaving and knitting units were forced to close down due to duties in force earlier.
- r. It is submitted that it is in the interest of all concerned that conditions of fair competition be established, in order to ensure a vibrant and growing Indian industry for the subject goods. However, the viability of the users can hardly be dependent upon unfettered access to dumped and unfair priced goods.
- s. Regarding the contention that 1.5 lakh looms were scrapped in last 1.5 years, it is submitted that there was no anti-dumping duty in force during this period.
- t. The imposition of duty is necessary to ensure a level playing field to the domestic producers.
- u. The imposition of duty would not allow the domestic producers to create cartels as inter-se competition shall continue. Further, in case of cartelization, the users would have recourse to Competition Commission of India.

F.3. Examination by the Authority

34. The interested parties have raised concerns regarding poor quality of goods produced by domestic industry. The domestic industry on the other hand, has pointed out that the exporters have admitted exporting off-grade goods to India. The Authority notes that the Indian industry accounts for about 85% of the domestic demand over the injury period, which indicates that the Indian industry has been substantially meeting the demand for the product in the country. In any case, the imposition of duties shall not restrict the availability of imports, and the imports would continue to be available at fair prices.

35. Similarly, the continued availability of imports at fair / un-dumped prices means that the imposition of duty shall not lead to any cartelization. The quantum of duty shall only offset the trade distortion caused by unfair priced imports and shall not act as deterrent on imports. In any case, considering the number of producers and capacities in the country, there shall be sufficient inter-se fair competition between the domestic producers, which shall ensure that the subject goods are available at competitive prices to users.

36. As regards appropriateness of the initiation, it is clarified that the investigation was initiated only after Findings sufficient prima facie evidence of dumping, injury and causal link.

37. With regard to demand-supply gap, the Authority notes that the capacity of the domestic industry, as evidenced by the information in support letters filed, is sufficient to cater to the demand in India. As

against domestic consumption of 1,36,995 MT in period of investigation, the installed capacities in India for the product during POI is 1,62,291 MT.

38. As regards the impact on downstream users, the domestic industry has submitted evidence showing that the impact of the duty on the final consumers would be minimal. Other interested parties have, however, contended that the impact on their operations would be significant. The Authority notes that the imposition of anti-dumping duties may marginally affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market is not reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, the purpose of anti-dumping duties is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of the anti-dumping measures does not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

39. Insofar as changes in data of the domestic industry are concerned, the Authority notes that it has considered verified data for the purpose of its assessment.

G. DUMPING AND DUMPING MARGIN

G.1. Submissions of the domestic industry

40. The submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows:

- a. There is a history of dumping from the subject countries since 2006.
- b. Dumping margin calculated for the subject countries is positive and significant.
- c. None of the producers from China PR have claimed market economy status.
- d. Considering the large number of producers /exporters of the subject goods and the number of product types, there is a need for sampling.
- e. A number of producers have used related or unrelated traders for exporting the product and hence the establishment of value chain becomes quite necessary for correct establishment of normal value and export price.
- f. None of the exporters have denied the fact of dumping.
- g. Brazil has also imposed anti-dumping duty against the imports of subject goods. The amount of duty is as high as 3224 USD/MT and has been in place since 2013.
- h. The responding exporters have claimed inappropriate adjustments to normal value and export price.
- i. Hyosung TNC Corporation has claimed both ocean freight and inland freight for domestic sales.
- j. Inco International Co. Ltd. and Shinhan Trading Co have not claimed freight as an adjustment.
- k. Fujian Jinjiang, Fujian Xinchuang and Fujian Jingfeng have related parties engaged in production of subject goods, which have not been disclosed in the response. Similarly, Highsun and Liheng have suppressed the details of related parties engaged in the production of subject goods.
- l. The related trading company of Fujian Jinjiang Fujian Xinchuang and Fujian Jingfeng, named Fujian Jinjiang Hongsheng Trading Co, has not participated in the investigation.
- m. Taekwang and Fujian Xinsen have exported to India through some trading entities, which have not participated in the investigation.
- n. The response filed by Fujian Xinsen is incomplete as it has failed to provide information of related parties, whether or not involved in export of product under consideration. Investigating authorities in other jurisdictions have been known to reject responses on this ground itself.

- o. It should be examined that inputs or services procured from related parties are considered at arms' length price.
- p. There are certain aberrations in the trends of the cost, sales and profit reported, which indicate the need for examining the correctness of data provided by the exporters. As regards the request for price undertaking, the domestic industry expressed no objection to the same if the Authority found that such an undertaking can be monitored effectively and the exporter would not be able to abuse the same.
- q. As regards the contention that China PR should be treated as a market economy, it is submitted that the provisions of Article 15(a)(i) of the Accession Protocol continue to remain in force, which implies that Chinese prices or costs can be used only if the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry.

G.2. Submissions of other interested parties

41. The submissions made by the interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows:

- i. With regard to determination of normal value, export price and dumping margin, China Chamber of Commerce for Imports and Exports of Textiles has claimed that the exporters in China PR should be considered as operating under market economy conditions as Section 15(a)(ii) of the Protocol on the Accession of the People's Republic of China expired on 11th December, 2016.
- ii. Hyosung requested that it may be allowed to give a price undertaking under Rule 15 of the Rules.

G.3. Examination by the Authority

42. The Authority advised the producers/ exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status and sent copies of the supplementary questionnaire to all the known producers/ exporters. The Authority also requested Government of China PR to advise the producers/exporters in China to provide the relevant information.

43. While the China Chamber of Commerce for Imports and Exports of Textiles has claimed the exporters should be treated as operating under market economy conditions, no such claim has been made by individual Chinese producers/exporters.

44. Responses to Exporters' Questionnaire have been filed by the following producers/ exporters:

- a. Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co. Ltd., China PR
- b. Fujian Jinjiang Technology Co. Ltd., China PR
- c. Fujian Jingfeng Technology Co. Ltd., China PR
- d. Fujian Xinchuang Nylon Industry Co. Ltd., China PR
- e. Fujian Kaibang Polyamide Technology Co. Ltd., China PR
- f. Changle Highsun Synthetic Fiber Technologies Co. Ltd., China PR
- g. Liheng (Changle) Polyamide technology Co. Ltd., China PR
- h. Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd., China PR
- i. Taekwang Industrial Co. Ltd, Korea RP
- j. Hyosung TNC Co., Korea RP
- k. Inco International Co. Ltd., Korea RP
- l. Shinhan Trading Co. Ltd., Korea RP

H. DETERMINATION OF NORMAL VALUE

H.1. Normal value for China PR

45. The Authority notes that though China Chamber of Commerce for Imports and Exports of Textiles made a claim for market economy treatment but none of the Chinese producers have claimed market economy status. Since none of the exporters from China PR has claimed market economy treatment, the normal value was constructed in terms of Para 7 of Annexure-I of Rules. The Authority accordingly explored the option of construction of normal value as per the hierarchy laid down in Para 7 of Annexure-I of Rules which provides that normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin.

46. The Authority notes that none of interested parties including domestic industry have provided information with regard to price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India. Further, there is a PCN wise information required for determination of normal value and information must be available separately for each PCN involved. Since, there is no information on record with regard to cost or price in market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, normal value could not be determined on the basis of the same. Accordingly, the normal value has been determined on the basis of price paid or payable in India in term of para 7 of Annexure-I, The Authority has therefore, determined normal value on the basis of best estimates of cost of production of the subject goods in India, duly adjusted for selling, general & administrative expenses, with the addition of reasonable profit margin @ 5%. The normal value so constructed is mentioned under dumping margin table.

Normal value for all non-cooperative producers/exporters from China PR

47. Normal Value for non-cooperative producer/exporter of China PR has been taken based on the highest normal value among the cooperative exporters in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

H.2. Normal value for Korea RP

48. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

i) *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

ii) *when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*

(a) *comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*

(b) *the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Normal value for M/s Taekwang Industrial Co. Ltd.

49. M/s Taekwang Industrial Co. Ltd. has provided information pertaining to their domestic sales in the exporter's questionnaire. It is noted from the response that during the POI the company has sold *** MT in domestic market to various unrelated parties. In order to determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with

reference to cost of production of subject goods. The Authority found that profitable sales are less than 80%, thus, the Authority considered only profitable sales for determination of normal value. The company has claimed adjustments on account of credit cost, which has been allowed. Accordingly, normal value for M/s Taekwang Industrial Co. Ltd, Korea RP is mentioned in the dumping margin table.

Normal value for M/s Hyosung TNC Co., M/s Inco International Co. Ltd. and M/s Shinhan Trading Co. Ltd.

50. It is noted from the response filed that they have given information pertaining to their domestic sales in the exporter's questionnaire response. It is also noted from the response that during the POI the company has sold *** MT in domestic market to various unrelated parties. In order to determine the normal value, the authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to cost of production of subject goods. The Authority found that profitable sales are less than 80%, thus, the Authority considered only profitable sales for determination of normal value. The company has claimed adjustments on account of credit cost, which has been allowed. Accordingly, normal value for M/s Hyosung TNC Co is mentioned in the dumping margin table.

Normal value for all non-cooperative producers/exporters from Korea RP

51. Normal Value for non-cooperative producer/exporter of Korea RP has been taken based on the highest normal value among the cooperative exporters in terms of Rule 6(8) of the Rules. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

H.3. Normal value for Taiwan

52. None of the producers / exporters from Taiwan have participated in the investigation. Accordingly, the normal value has been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The Authority has determined normal value on the basis of best estimates of cost of production of the subject goods, duly adjusted for selling, general & administrative expenses, with the addition of reasonable profit margin @ 5%. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

H.4. Normal value for Thailand

53. None of the producers / exporters from Thailand have participated in the investigation. Accordingly, the normal value has been determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The Authority has determined normal value on the basis of best estimates of cost of production of the subject goods, duly adjusted for selling, general & administrative expenses, with the addition of reasonable profit margin @ 5%. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

I. DETERMINATION OF EXPORT PRICE

I.1. Export price for China PR

Export price for M/s Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co., Ltd.

54. M/s Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co., Ltd has sold ***MT directly to India and sold *** MT through unrelated company. No response has been received from unrelated company. Accordingly Export price for *** MT is determined based on data provided by the company. The exporter has claimed adjustment on account of ocean freight, insurance, transportation port and other expenses credit cost and bank charges. The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the ex-factory export price in respect of the producer/exporter. For the non-co-operative traders for *** MT ex-factory export price has been determined based on data of non-cooperative exporter. Accordingly, weighted average ex-factory export price has been determined for *** MT. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

Export price for M/s Fujian Jinjiang Technology Co., Ltd., M/s Fujian Xinchuang Nylon Industry Co., Ltd. and M/s Fujian Jingfeng Technology Co., Ltd.

55. M/s Fujian Jinjiang Technology Co., Ltd has sold *** MT directly to India and has sold

*** MT to India through its related Company M/s Fujian Jingfeng Technology Co., Ltd. The exporter has claimed adjustment on account of inland transportation Port and other related expenses, Fumigation fee, Customs reporting fee, freight and clearance & handling charges. The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the ex-factory export price in respect of the producer/exporter. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

Export price for M/s Liheng (Changle) Polyamide Technology Co., Ltd. and M/s Changle Highsun Synthetic Fiber Technologies Co., Ltd.

56. M/s Liheng (Changle) Polyamide Technology Co., Ltd. and M/s Changle Highsun Synthetic Fiber Technologies Co., Ltd. are related companies engaged in production and export of subject goods. Goods produced by each company is exported directly to Indian unrelated customer. The volume of export are M/s Liheng (Changle) Polyamide Technology Co., Ltd *** MT and M/s Changle Highsun Synthetic Fiber Technologies Co., Ltd *** MT. The total volume of export by Changle group is *** MT. Changle group claimed deduction on account of post factory expenses such as ocean freight, ocean insurance, inland transportation, documentation fee, port and custom charges, credit cost and bank charges. The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the ex-factory export price in respect of the producer/exporter. The ex- factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

Export price for M/s Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd.

57. M/s Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd. is engaged in production and export of subject goods. Goods produced by the company are exported directly to Indian unrelated customer. The volume of export by M/s Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd. is *** MT. The company claimed deduction on account of post factory expenses such as ocean freight, ocean insurance, inland transportation, documentation fee, port and custom charges, credit cost and bank charges. The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the ex-factory export price in respect of the producer/exporter. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

Export price for all non-cooperative producers/exporters from China PR

58. The export price for other non-cooperative producers / exporters from China PR has been taken as the lowest export price among the cooperating exporters in terms of Rule 6(8) of the Rules.

I.2. Export price for Korea RP

Export price for M/s Taekwang Industrial Co. Ltd.

59. M/s Taekwang Industrial Co. Ltd has sold *** MT directly to India. The exporter has claimed adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port handling charges, credit cost, brokerage, bank charges and duty drawback. The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the ex-factory export price in respect of the producer/exporter. The ex-factory export price so determined is mentioned in the dumping margin table.

Export price for M/s Hyosung TNC Co., M/s Inco International Co. Ltd. and M/s Shinhan Trading Co. Ltd.

60. M/s Hyosung TNC Corporation has sold *** MT directly to India and *** MT through unrelated traders. The exporter has claimed adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, Port handling and other charges, credit cost Brokerage, bank charges. The Authority has allowed the adjustments as claimed and determined the ex-factory export price in respect of the producer/exporter. The ex-factory export price so determine is mentioned in the dumping margin table.

Export price for all non-cooperative producers/exporters from Korea RP

61. The export price for other non-cooperative producers / exporters from Korea RP has been taken as the lowest export price among the cooperating exporters in terms of Rule 6(8) of the Rules.

I.3. Export price for Taiwan

62. None of the producers / exporters from Taiwan have participated in the investigation. Accordingly, the export price has been determined on the basis of facts available. For the purpose, information

provided by the DGC&S has been considered. Further, price adjustments have been carried out on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, bank charges, port expenses and commission on the basis of facts available.

I.4. Export price for Thailand

63. None of the producers / exporters from Thailand have participated in the investigation. Accordingly, the export price has been determined on the basis of facts available. For this purpose, information provided by the DGC&S has been considered. Further, price adjustments have been carried out on account of ocean freight, marine insurance, inland freight, bank charges, port expenses and commission on the basis of facts available.

J. Normal Value, Ex-factory Export Price and Dumping Margin.

64. The Normal Value, Ex-factory Export Price and dumping margin determined in the present investigation for all the subject countries are as follows: -

SN	Country	Normal Value	Export Price	Dumping Margin	Dumping Margin	Dumping Margin
		(USD/MT)	(USD/MT)	(USD/MT)	(%)	(Range in %)
A	China PR					
1	Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co., Ltd.	***	***	***	***	20-40
2	Fujian Jinjiang Technology Co., Ltd., Fujian Xinchuang Nylon Industry Co., Ltd. and Fujian Jingfeng Technology Co., Ltd.	***	***	***	***	10-30
3	Liheng (Changle) Polyamide Technology Co., Ltd. and ChangleHightsun Synthetic Fiber Technologies Co., Ltd.	***	***	***	***	10-30
4	Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd.	***	***	***	***	20-40
5	Non-cooperative/Residual of China PR	***	***	***	***	40-60
B	Korea RP	***	***	***	***	
1	Taekwang Industrial Co. Ltd.	***	***	***	***	10-30
2	Hyosung TNC Co., Inco International Co. Ltd. and Shinhan Trading Co. Ltd.	***	***	***	***	90-110
3	Non-cooperative/Residual of Korea RP	***	***	***	***	110-130
C	Taiwan	***	***	***	***	20-40
D	Thailand	***	***	***	***	10-30

K. EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

K.1. Submissions of the domestic industry

65. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to injury and causal link:

- The imports from the subject countries have increased drastically during the period of investigation.

- b. While the demand increased by only 24%, subject imports have increased by around 144%.
- c. Contrary to argument of other parties, increase in imports should be seen only in respect of subject imports, and not total imports.
- d. The ratio of imports to production, consumption and total imports has doubled during the period of investigation in comparison to the previous year.
- e. The producers in China are making significant capacity additions, without a commensurate increase in demand in China PR.
- f. The response filed by the Korean exporters shows that their domestic sales have declined and exports to India have increased. Further, exports to India have increased at a faster rate as compared to export to other countries.
- g. A number of exporters from China PR have started exporting the subject goods to India only in the period of investigation or the preceding year.
- h. Regarding the contention that imports are increasing to substitute imports from European Union and Vietnam, it is submitted that if dumped imports from one country substitute the dumped imports from other countries, then it should be given the same treatment.
- i. The share held by Korea is not insignificant.
- j. There is significant increase in imports post-period of investigation, wherein the subject imports have increased by 80% as compared to the period of investigation and by 340% as compared to the level in 2017-18, when duties had been in force.
- k. Post expiry of duty the proportion of exports to India in total exports from China has risen from usual 1-5% to high of 20-30%, making India the largest importer of subject goods.
- l. The mark-up of import price over raw material cost has reduced.
- m. The dumped imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry.
- n. 75% of the imports are priced below the selling price of the domestic industry.
- o. The imports from subject country have been entering the domestic market much below the cost of production of the domestic industry.
- p. The price underselling is positive and significant. Even in previous investigations, the Authority had found price underselling in excess of 10%.
- q. The domestic industry has been forced to sell at losses and has not been able to increase its selling price in line with the cost. The imports have prevented price increases, which otherwise would have occurred.
- r. It is impossible for the domestic industry to reach break-even level at present prices. The domestic industry would need to increase its prices significantly, which will be possible only if the landed price of subject goods is at un-dumped and non-injurious level.
- s. Production and sales of the domestic industry have increased only because the domestic industry sold at losses to maintain its market share.
- t. A number of producers in India have resorted to imports, despite holding under- utilized capacities.
- u. The inventories of the domestic industry are piling up. The domestic industry is incurring losses and is in cash losses and its return on investment has become negative.
- v. While the number of employees has increased due to increase in capacity, the employment generated per MT has reduced.
- w. The domestic industry has been able to achieve positive growth in respect of production, sales, capacity and market share and consequently its position has deteriorated with regard to profitability, cash profits and return on investment.

- x. The fact that the domestic industry is earning negative returns shows that its ability to raise capital investment is impaired.
- y. Gujarat State Fertilizers & Chemicals Limited has been forced to suspend production.
- z. The situation has reversed as compared to the earlier Findings of the Authority, as the imports have increased dramatically, and the domestic industry is suffering losses. Further, the scope of product under consideration in the earlier sunset review included mono filament yarn, where the domestic industry was not suffering injury.
- aa. As regards the contention that data for post-period of investigation is not relevant, it is submitted that such data has been considered by the Authority in several cases, where needed. The examination of such data would allow an evaluation of how the imports have increased after expiry of duty.
- bb. Responding to the reference to annual report of Century Enka Limited, it is submitted that the increased in profits were due to favorable performance in other products, and that the same annual report also indicated that imports of subject goods from China, post removal of duty, were causing pressure on margins.
- cc. The reliance of interested parties on ICRA rating of Praful is misplaced as the same related to 2017-18, when the producer had relatively higher profits.
- dd. The injury to the domestic industry has not been caused by any other factor.
- ee. There is a clear causal link between the dumping of the subject goods and injury to the domestic industry.
- ff. As regards the contention that injury to the domestic industry was caused by unjustified increase in capacities, it is submitted that the domestic industry has demonstrated that its processing cost reduced as a result of the increase in capacities. However, as a result of reduced mark-up of import prices over raw material prices, it was unable to benefit from the reduced processing costs.
- gg. The domestic industry has suffered injury continuously due to dumping from different countries at different times. Had the earlier duties been continued, while duties were imposed against European Union and Vietnam, the domestic industry would have earned adequate profits.
- hh. As the demand for the subject goods has increased, despite macroeconomic reforms, the injury to the domestic industry is not on account of such reforms.

K.2. Submissions of other interested parties

66. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:

- a. The Applicants are enjoying protection in the form of anti-dumping duty for the past 12 years. The Authority had itself held that the duty has served its purpose and is not further required to be recommended considering the overall performance of the domestic industry.
- b. The Applicants have exaggerated the increased imports and deliberately invented injury.
- c. The volume of imports has increased with increase in demand.
- d. Marginal increase in imports can be attributed to the imposition of duty on imports from European Union and Vietnam. The total imports have declined over the years.
- e. The imports constitute merely 15% of the total domestic production.
- f. There is no surge in imports and the total imports into the country have remained stagnant
- g. Korea accounts for only 14.16% of the subject imports, which is not significant.
- h. The share of subject imports in total imports declined from 30% to 22% in the first three years and thereafter, temporarily increased to 50%.

- i. Data for post period of investigation has no relevance as the investigation relates only to the period of investigation.
- j. The market share of the domestic industry has increased over the period, while the market share of subject imports has remained the same as compared to the base year.
- k. While imports have increased in period of investigation as compared to 2017-18, the increase is less than the growth in domestic sales of Applicants.
- l. There is no impact of the imported volumes on the preference of the users for the products produced by Applicants.
- m. The capacity and production of the domestic industry have increased significantly.
- n. The landed price of imports has increased consistently over the period.
- o. The price of imports has increased steadily, and the prices of the domestic industry have shown a commensurate increase.
- p. The selling prices of the Applicants continued to increase during the injury period, while the import prices fluctuated. Price undercutting is negative.
- q. The selling price of the domestic industry has increased in line with the cost.
- r. The losses of the domestic industry have reduced, and the cash profits improved. Therefore, the injury to the domestic industry was on account of other factors.
- s. The Annual Report of Century Enka Limited itself shows that the production, sales and profits of the company have improved over the period and that its profits were impacted due to inventory losses as a result of sudden drop in raw material prices.
- t. As per Brickworks rating, the profits of M/s Gujarat Polyfilms Limited have declined due to price of raw material, Caprolactam.
- u. As per credit rating report issued by ICRA, the revenue of Prafful Overseas has declined due to decline in sale of fabrics and the profit of nylon yarn segment have increased.
- v. There is a contradiction between the data presented in the petition and that available based on the annual reports of the companies and reports of Credit Rating Agencies.
- w. The number of employees has increased over the period.
- x. The injury to the domestic industry has been caused by other factors such as its inability to cater to the demand.
- y. Injury to the domestic industry is caused due to unjustified increase in capacities, since the domestic industry is not able to stabilize its capacities which results into higher capital employed, negative return on capital employed and huge losses.
- z. The domestic industry has suffered injury due to the fluctuations in raw material prices, which increased by 33% over the injury period.
- aa. The domestic industry has suffered injury due to use of obsolete technology.
- bb. The domestic industry has suffered injury due to macroeconomic factors such as demonetization and GST, which created a grim situation for the entire textile industry
- cc. Injury to the domestic industry has been caused by unavailability of raw material as it relies on imported raw material.
- dd. The statement that 10,000 employees would be affected is misleading and exaggerated.
- ee. Off grade material exported by Taekwang should be compared to the other off grade products sold by the domestic industry.
- ff. Only off-grade products are being sold at a conversion cost of 15 cents, and most goods are entering the market allowing a reasonable conversion cost.

K.3. Examination by the Authority

67. The Authority has examined the arguments and counterarguments of the interested parties with regard to injury to the domestic industry. The injury analysis made by the Authority hereunder addresses the various submissions made by the interested parties.

a. Cumulative assessment

68. Article 3.3 of WTO agreement and para (iii) of Annexure II of the Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:

- a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and
- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

69. The Authority notes that :

- a. The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de minimis* limits prescribed under the Rules.
- b. The volume of imports from each of the subject countries is individually more than 3% of the total volume of imports.
- c. Cumulative assessment of the effects of import is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

70. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from China PR, Korea RP, Taiwan and Thailand on the domestic industry.

71. Rule 11 of the Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is essential to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as sales, profits, output, market share, productivity, return on investments, utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.

72. The Authority has taken note of various submissions of the domestic industry and the exporters/importers/traders/users on injury to the domestic industry and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.

b. Assessment of demand

73. For the purpose of assessment of the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of the domestic industry and other Indian producers have been added to the total imports into India and the same have been summarized below.

Particular	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Sale of domestic industry	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	149	183
Sale of other producers	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	118	159
Subject countries imports	MT	8,135	7,852	5,080	12,411
Other imports	MT	17,072	19,547	16,315	8,614
Total Demand	MT	94,897	1,07,117	1,10,256	1,36,995

74. It is noted that the demand for the subject goods has increased consistently over the injury period.

I. Volume effect of dumped imports

75. With regard to the volume of dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject goods from the subject countries have been analyzed as under –

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
China PR	MT	989	1,108	1,708	7,024
Korea RP	MT	732	753	379	1,924
Taiwan	MT	5,827	5,356	2,294	2,683
Thailand	MT	586	634	698	779
Subject countries	MT	8,135	7,852	5,080	12,411
Imports from other countries attracting duty	MT	11,947	16,576	14,566	7,032
Other imports	MT	5,125	2,971	1,748	1,582
Total imports	MT	25,207	27,399	21,394	21,025
Imports in relation to					
Domestic production	%	***	***	***	***
Consumption	%	8.57%	7.33%	4.61%	9.06%
Total Imports	%	32.27%	28.66%	23.74%	59.03%

76. It is seen that:

- Imports had been declining upto 2017-18 from subject countries, when the anti- dumping duty was in force, and have increased significantly thereafter by 144% after cessation of duty.
- Imports from subject countries were declining upto 2017-18 in relation to domestic production, consumption and total imports, but these have increased sharply in the period of investigation after cessation of duty.
- The imports from other countries registered declined during the POI.

II. Price effect of dumped imports

77. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price

of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports from the subject countries has been examined with reference to the price undercutting, price underselling, price suppression/ price depression, if any. For the purpose of this analysis, the cost of production, net sales realization and non-injurious price of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

a. Price undercutting

78. Price undercutting has been worked out by comparing the landed price of imports with the net sales realization of the domestic industry for the POI.

Particulars	Unit	China PR	Korea RP	Taiwan	Thailand
Net sales realization	Rs./MT	***	***	***	***
Landed price	Rs./MT	215,778	200,063	209,492	219,350
Price undercutting	Rs./MT	***	***	***	***
Price undercutting	%	***	***	***	***
Price undercutting	Range in %	0-10	10-20	10-20%	0-10

79. It is seen that the price undercutting is positive.

b. Price suppression/depression

80. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority considered the changes in the costs and prices over the injury period as compared to the landed price of imports.

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Selling price	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	96	100	115
Cost of sales	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	94	103	113
Landed price	Rs./MT	181,236	165,389	190,730	212,206
Trend	Indexed	100	91	105	117

81. It is seen that while both cost of sales and selling price of the domestic industry have increased, the domestic industry is nevertheless forced to sell below the cost of production, as the imports are priced significantly below the cost of production.

c. Price underselling

82. The Authority has also examined the price underselling suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries. For this purpose, the non-injurious price determined for the domestic industry has been compared with the landed price of imports on a PCN-wise basis.

Particulars	Unit	China PR	Korea RP	Taiwan	Thailand
Non-Injurious Price	Rs./MT	***	***	***	***
Landed price	Rs./MT	215,778	200,063	209,492	219,350

Price underselling	Rs./MT	***	***	***	***
Price underselling	%	***	***	***	***
Price underselling	Range	10-20%	20-30%	20-30%	10-20%

83. It is seen that the landed price of the subject goods from the subject countries were lower than the non-injurious price determined for the domestic industry. The price underselling is positive and significant.

III. Economic parameters of the domestic industry

84. Annexure II to the Rules provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

a. Capacity, production, capacity utilization and sale

85. The capacity, production, capacity utilization and sales of the domestic industry are shown below:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Capacity – Plant	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	114	141	164
Production – Plant	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	118	135	167
Capacity Utilization	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	104	96	102
Production – PUC	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	125	146	182
Domestic sales-PUC	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	126	149	183

86. It is seen that:

- The capacity and the production of the domestic industry has increased throughout the injury period.
- The capacity utilization of the domestic industry dipped in 2017-18, and has increased again in 2018-19.
- The domestic sales of the domestic industry have increased over the period.

b. Market share

87. The market share of the domestic industry and other Indian producers is as under:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Subject imports	%	8.57%	7.33%	4.61%	9.06%
Other imports	%	17.99%	18.25%	14.80%	6.29%
Domestic industry sales	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	112	128	127

Other producers sales	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	97	102	110

88. It is seen that the market share of the domestic industry and other producer slightly increased, However, market share of subject imports increased more than that of the domestic industry.

c. Inventories

89. The data relating to inventories of the subject goods is as follows:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Opening inventory	MT	***	***	***	***
Closing inventory	MT	***	***	***	***
Average inventory	MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	135	159	187

90. The Authority notes that the inventories of the domestic industry have increased over the period, indicating accumulation of inventories with the domestic industry.

d. Profits, cash profits and return on capital employed

91. The profitability position of the domestic industry in terms of profit or loss, cash profits and return on capital employed was as under:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Profit / (loss)	Rs. Lacs	(***)	(***)	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	(40)	(280)	(120)
Cash profits	Rs. Lacs	(***)	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	265	(1,058)	(158)
Return on capital employed	%	***	***	(***)	(***)
Trend	Indexed	(100)	35	(447)	(140)

92. It is seen that

a. The domestic industry suffered losses throughout the injury period.

b. While the cash profits and return on capital employed of the domestic industry have improved as compared to the previous year yet the domestic industry is in cash losses and its return on capital employed is negative. Further, the extent of losses, cash losses and return on capital employed were adverse as compared to the base year.

e. Employment, wages and productivity

93. The Authority has examined the information relating to employment, wages and productivity, as given below.

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
No. of Employees	Nos	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	121	125

No. of working Days	No.	***	***	***	***
Man days available	No.	***	***	***	***
Productivity per man-day	MT/Day	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	109	120	146
Wages	□ Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	115	160	189

94. It is seen that the number of employees, wages and productivity of the domestic industry have increased over the period.

f. Growth

95. The trends of volume and profit parameters of the domestic industry are as under:

Particulars	Unit	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
Production	%	-	25%	17%	25%
Domestic sales	%	-	26%	18%	23%
Profit per unit	%	-	68%	-494%	65%
Cash profit	%	-	365%	-499%	85%
Return on capital employed	%	-	135%	-1386%	69%

96. The volume and price parameters of the domestic industry have shown growth. However, the domestic industry continues to be in losses and is unable to earn return on its capital employed.

g. Ability to raise capital investment

97. The domestic industry is in losses and facing negative returns over its current investments. This shows that the ability of the domestic industry to raise capital investments has been severely impacted by the subject imports.

h. Factors affecting prices

98. The subject imports are undercutting the selling price of the domestic industry and are priced much below the cost of production. The subject imports are preventing the domestic industry from increasing the prices.

i. Magnitude of dumping

99. It is noted that not only is the dumping margin positive and significant, but also there is a history of dumping from the subject countries.

IV. Overall assessment of injury

100. The examination of the imports of the subject product and performance of domestic industry clearly shows that

- The imports have increased in absolute terms as well as in relation to production and consumption post expiry of duty,
- The imports are undercutting the prices of the domestic industry,
- Imports have prevented price increases which otherwise would have occurred
- The capacity, production, sales and capacity utilization of the domestic industry have increased over the period.
- The market share of the domestic industry has increased. However, market share of subject imports

have increase more than the market share of domestic industry.

f. The domestic industry is suffering continued financial losses, cash losses, and negative return on investment.

g. The imports are below the cost of production and non-injurious price of the domestic industry and are affecting the prices of the domestic industry.

h. The dumping margin is positive and significant.

V. Other known factors and causal link

101. Having examined the existence of injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price undercutting; the Authority has examined whether injury to the domestic industry can be attributed to any factor, other than the dumped imports, as listed under the Rules.

a. Volume and prices of imports from third countries

102. Besides the subject countries, Vietnam and European Union have a significant share in the imports. However, they are already attracting the anti-dumping duty. Since the volume of imports from other countries is negligible, the Authority finds that the domestic industry has not suffered injury as a result of other imports.

b. Contraction in demand

103. Since the demand for the product under consideration has increased by 43% over the injury period, the domestic industry has not suffered injury on this account.

c. Changes in the pattern of consumption

104. The interested parties have not identified any possible changes in pattern of consumption, which could have caused injury to the domestic industry.

d. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

105. The Authority notes that there is no trade restrictive practice and competition between the foreign and domestic producers brought by any interested party, which could have contributed to the injury to the domestic industry.

e. Developments in technology

106. The Authority notes that the investigation has not shown any material change in technology for production of the product, which could have cause injury to the domestic industry.

f. Export performance

107. The exports made by the domestic industry are negligible and can, therefore not be construed as a cause of injury. In any case, the performance of the domestic industry has been segregated for domestic and export market, to the extent possible.

VI. Conclusions on causal link

108. While known factors listed under the rules do not appear to have caused injury to the domestic industry, the following parameters show that injury to the domestic industry is caused by the dumped imports.

a. The anti-dumping imposed earlier expired in January, 2018 and the subject imports has increased significantly, thereafter.

b. The imports increased substantially in a very short period of time and have gained significant market share.

c. The subject imports are undercutting the prices of the domestic industry and priced below cost of production of the domestic industry. have prevented the industry from increasing its prices

d. The domestic industry is incurring financial losses, cash losses and its return on investment is

negative.

L. MAGNITUDE OF INJURY MARGIN

109. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject countries for determination of injury margin during the period of investigation and the injury margin so worked out is as under:

SN	Country	Landed Value	NIP	Injury Margin	Injury Margin	Injury Margin
		(USD/MT)	(USD/MT)	(USD/MT)	(%)	(Range in %)
A	China PR					
1	Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co., Ltd.	***	***	***	***	20-40
2	Fujian Jinjiang Technology Co., Ltd., Fujian Xinchuang Nylon Industry Co., Ltd. and Fujian Jingfeng Technology Co., Ltd.	***	***	***	***	10-30
3	Liheng (Changle) Polyamide Technology Co., Ltd. and Changle Hightsun Synthetic Fiber Technologies Co., Ltd.	***	***	***	***	10-30
4	Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd.	***	***	***	***	20-40
5	Non-cooperative/Residual of China PR	***	***	***	***	20-40
B	Korea RP		***	***	***	
1	Taekwang Industrial Co. Ltd.	***	***	***	***	40-60
2	Hyosung TNC Co., Inco International Co. Ltd. and Shinhan Trading Co. Ltd.	***	***	***	***	10-30
3	Non-cooperative/Residual of Korea RP	***	***	***	***	40-60
C	Taiwan	***	***	***	***	10-30
D	Thailand	***	***	***	***	10-30

M. POST-DISCLOSURE SUBMISSIONS

110. The post disclosure submissions have been received from some interested parties. A majority of the issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately by the Authority in this Findings. Additional submissions have been analysed below.

M.1. Submissions of the domestic industry

111. The domestic industry reiterated its submissions regarding exclusion of low melting yarn, rejection of responses, determination of normal value and public interest related issues. Other submissions made by the domestic industry are as follows:

- Exclusion of low melting yarns from the scope of product under consideration may lead to large-scale evasion of the duty.
- The normal value calculation for China PR, Taiwan and Thailand, and export price for Taiwan and Thailand should be disclosed to the domestic industry.
- The exporters' questionnaire responses have been accepted despite exporters from China PR having failed to provide proper responses.
- The normal value for China PR should be determined based on the weighted average cost of the domestic industry.

- e. Since the exporters from Taiwan and Thailand have refused to cooperate in the investigation, the normal value should be calculated based on the highest cost of production of the domestic industry instead of the lowest cost of production.
- f. The issue of Taekwang Industrial Co., Ltd and Hyosung TNC Corporation procuring inputs from related parties has not been examined in the disclosure statement.
- g. The major opposition has been made by the traders of the subject goods and not by the users. The main concern of such traders is decline of profitability and not the welfare of downstream users.
- h. The apprehension that there will be undue hike in the prices after imposition of anti-dumping duty is without merit as inter-se competition between domestic producers as well competition with fair imports would continue to act as a check. Even when the anti-dumping duty had been in force earlier, the profits of domestic industry were always low.
- i. Users cannot claim right to inputs at dumped prices, at the cost of demolishing fair competition in India. The government should not disregard the interest of the domestic producers in examining public interest.
- j. The fact that users are able to pass on increase in price of raw materials to the consumers shows that they would be able to pass on the duties to consumers. The impact of duty on the final consumers will be less than 2%.
- k. Despite claims of other interested parties, there is no concrete evidence to suggest that units have been shut down due to the levy of anti-dumping duty. On the contrary, many downstream user industries have faced closure primarily due to obsolescence of technology, poor market condition and cheap imports of their downstream products.

M.2. Submissions of other interested parties

112. Additional submissions made by other interested parties are as under:

- a. Price of nylon 66 yarn is almost twice as that of nylon 6 yarn. Man Made Textiles Research Association (MANTRA) certified that both Nylon 6 and Nylon 66 are different due to their different chemical structure and also both have different applications and end-uses and in no-way they can be considered as like products.
- b. Nylon 66 yarns should be excluded from scope of product under consideration as it is used for applications requiring high mechanical strength, rigidity and good stability under heat and chemical resistance.
- c. Mother yarn should be excluded from scope of product under consideration as it has completely different characteristics and has no independent existence except for manufacture of mono filament yarn.
- d. MANTRA has certified that mother yarn is primarily used to manufacture nylon mono filament yarn.
- e. Delicate denier yams, micro filament yams, yarns with S&Z twists and recycled yams should not be included in scope of product under consideration merely on the basis of sales invoices as such invoices do not constitute sufficient evidence for proving commercial production and sale. Such yarns are not being produced by the petitioners. Their monthly price lists also do not refer to such yarns.
- f. Separate PCN should be prescribed for off-grade products as nylon makers deliberately import off-grade yarns to distort the average pricing and mislead the Authority to impose higher dumping margin.
- g. Off-grade yarn cannot be included, as it cannot be interchangeably used with the prime grade yarn.
- h. Producers with new plants, such as PNP Polymers, have opted not to file an application but have supported the petition orally as they are showing remarkable growth in all parameters.
- i. Producers have set up new plants and have doubled and tripled their capacities, which shows that there is no shortage of capital or funding available to the domestic producers.
- j. Any increase in imports from Korea is a natural increase in volume of imports, due to removal of anti-dumping duty.

- k. The price effect of dumped imports must be examined on PCN-wise.
- l. The injury to the domestic industry is on account of fluctuations in price of raw materials.
- m. When 85% of the market share is held by the petitioners, how can the imports holding 15% control the price?
- n. The volume of imports from Thailand is less than 3% and therefore, it should be excluded.
- o. The annual reports of the petitioners show consistent increase in profits and revenue.
- p. 80% of the production by Prafful Overseas depends on nylon chips. Chips are produced from benzene, which is subject to wide variations in price fluctuations..
- q. Imposition of anti-dumping duty would restrict imports of innovative products from the subject countries.
- r. 1.5 lakh power looms have been scrapped between November, 2016 to December, 2018.
- s. The multiple users form a much larger domestic industry as compared to a handful of petitioners.
- t. The imposition of anti-dumping duty on key raw materials leads to an inverted duty structure and closes the option of global sourcing for users.
- u. The anti-dumping duty against PTA has been withdrawn as it is a key input for textile fibers and yarns.

M.3. Examination by the Authority

113. As regards the requests for change in scope of product under consideration, the same have already been addressed by the Authority in Para C.3. With regard to the specific submissions made post disclosure, the Authority notes as under.

114. The domestic industry has requested for inclusion low melting yarn within the scope of product under consideration on the basis that non-inclusion would defeat the duty levied by allowing evasion of duty. The Authority finds no basis for the apprehension that exclusion of melting yarn would lead to evasion of duty. As noted in the Findings, the price of low melting yarns is significantly higher than that of other yarns, by about 3 times. Further, such yarns are undeniably different from other yarns in terms of their production process and application. Therefore, in the absence of any production of like article in the country, the same cannot be included in the scope of product under consideration.

115. Some interested parties have argued that nylon 66 yarns cannot be included merely on the basis of the earlier findings given. It is noted that no new facts have been brought on record, nor any material has been provided justifying the need for reconsideration/re-examination of the previous determination and taking a view to the contrary. While the other interested parties have argued that the price of nylon 66 yarns are twice of the price of nylon 6 yarns, it is noted that the import data shows that the prices of the two are within the same range. In fact, the import transaction data shows that nylon 66 yarns have been imported at prices lower than nylon 6 yarns even in some cases. In so far as the opinion given by Man Made Textiles Research Association is concerned, the Authority notes that it primarily refers to differences in production process. Mere difference in production process does not imply that the goods produced by the domestic industry are not like article to the imported product. It is noted that this issue had been examined in depth in earlier investigations concerning this product and each time it was held the Authority that nylon 6 and nylon 66 are like articles. Both these items are also technically and commercially substitutable and, therefore, there is no reason to deviate from the earlier determinations on this issue. However, nylon 66 yarns, used for other than textile applications, have been excluded from the scope of product under consideration.

116. As regards request for exclusion of mother yarn from the purview of PUC by some interested parties, it is noted that mother yarn is multi-filament yarn. Multi-filament yarn clearly falls within the scope of PUC. Mother yarn is claimed to be used in manufacture of mono filament yarn. This clearly establishes that Mother yarn is not the mono-filament yarn itself but only an input for manufacture of mono filament yarn. Therefore, exclusion granted to mono filament yarn does not extend to its input/ raw material. The argument advanced by these interested parties, thus, is flawed. Accordingly, the Authority does not consider it appropriate to exclude mother yarn from the scope of the product under

consideration.

117. Regarding the delicate denier yarns, recycled yarns, yarns with S&Z twists, the Authority finds no merit in the argument that invoices furnished by the domestic industry do not establish that they have produced and sold such yarns.

118. With regard to the request for separate PCN (product control number) for off-grade products and exclusion of such products from the scope of PUC, it is noted that both off-grade and prime grade products are produced from the same raw material and through the same production process. As a result, there is no difference in cost of production of off-grade and prime grade products. Accordingly, no separate PCN has been developed for the off-grade products. It is further noted that this has been a consistent practice of the Authority not to develop separate PCN for off-grade products on account of the reasons stated above. Besides, the exclusion of off-grade products may eventually lead to prime grade products being exported to India under the garb of off-grade products.

119. As regards the contention regarding non-participation of other producers, the Authority notes that the petitioners account for a major proportion in the eligible domestic production. The share of the petitioners is significant enough to ensure that the data of the domestic industry is representative of the domestic producers as a whole. The Authority notes that while some interested parties have claimed that the profits of Prafful Overseas have witnessed increase, it is noted that the data filed by the producer, on the contrary, shows decline in its profitability. Some interested parties have raised the issue that producer like PNP Polymers Limited having new plant and machinery has purposely been chosen only to support the petition and not be one of the petitioners. The Authority notes that petitioners in any trade remedy investigation cannot force every domestic producer to be a co-petitioner. It is noted that this company has supported the application. It is further noted that PNP Polymers Limited has also undertaken import of subject goods from subject countries, which would have led to its disqualification as a petitioner in the normal course. Claims have also been made by some interested parties that profits or revenue of some domestic producers show an increase. In this regard, it is noted that these interested parties have relied upon the performance of producer such as AYM Syntex, Aglon Industries Private Limited, Century Enka Limited, PNP Polymers Limited, Prafful Overseas Private Limited, etc. and that such producers are either multi-product companies or are involved in trading of the PUC or engaged in production and sale of other products as well. Therefore, profit of the company as a whole for such producers is not indicative of the performance of these producers in respect of the product under consideration.

120. The other interested parties have also argued that imports have increased as a consequence of expiry of earlier duties. The Authority notes that post expiry of duties, the imports have increased, which shows the need for re-imposition of duties.

121. Some interested parties have contended that the domestic industry has suffered injury due to fluctuations in raw material prices. The Authority notes that the evidence on record shows that the import prices are consistently below the cost of production of the domestic industry. Therefore, the imports have prevented the domestic industry from increasing its prices, and the losses cannot be attributed to the fluctuations in raw material prices.

122. Some interested parties have requested for a PCN-wise analysis of price effect of imports. It is clarified that the price undercutting and underselling determined are actually weighted average of price undercutting and underselling calculated PCN -wise.

123. Some interested parties have questioned as to how the imports holding 15% market share control the price in the domestic market when 85% of the market share is held by the petitioners. It is noted that the price of subject imports rather than the share of subject import in consumption is more relevant in impacting the domestic price. In the present case, subject imports are priced below even the cost of production of the domestic industry and the volume of imports has increased during POI, in absolute terms as also in relation to production and consumption in India.

124. It has been contended that the imports from Thailand is less than 3%. In this regard, it is noted that as per DGCI&S data, the share of imports from Thailand in total imports is more than 3% and, therefore, above *de-minimis*.

125. It has also been contended that the annual reports of the petitioners show a consistent increase in

profits and revenue. In this regard, it is noted that the performance of domestic industry is required to be seen only in respect of PUC and not in respect of company as a whole. The profit relating to other products is irrelevant for this investigation. The Authority notes that the domestic industry has suffered losses throughout the injury period in so far as the product under consideration is concerned. This fact has been highlighted above in the relevant para of this findings.

126. With regard to the contention that imposition of anti-dumping duty would restrict imports of subject goods from the subject countries and adversely affect the consumers, the Authority notes that the investigation has shown that the domestic industry has been in consistent losses due to dumping from different sources. If no anti-dumping duty is imposed, the viability of the operations of the domestic producers for the product under consideration may be adversely impacted. Therefore, the imposition of duties is necessary to ensure the viability of the domestic industry. The demand for the subject goods has continued to grow over the period, even when anti-dumping duties were in force against the subject imports. The Authority notes that the impact of the proposed measures on the eventual end product may not be significant. The Authority also notes that the anti-dumping duty is a corrective measure, for remedying the injurious effects of unfair trade by the foreign producers/ exporters. Therefore, imposition of anti-dumping duty to offset the injurious effect of dumping to the industry cannot be construed as a move unfair to the users, or any other segment of the economy. The Authority notes that it is imperative that fair conditions of competition are established to ensure level playing field for the domestic producers vis-à-vis foreign producers/ exporters.

127. As regard the contention that the imposition of anti-dumping duty on key raw materials leads to an inverted duty structure and closes the option of global sourcing for users, the Authority notes that customs duty on fabrics is higher than that on yarn.

N. CONCLUSION

128. Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of dumping and consequent injury, the Authority concludes that:

- i. The product under consideration has been exported from the subject countries at dumped prices.
- ii. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration.
- iii. The material injury has been caused by the dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

O. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

129. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

P. RECOMMENDATION

130. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all the interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted an investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Rules and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti-dumping duty is necessary to offset dumping

and injury.

131. Having regard to the lesser duty rule, the Authority recommends imposition of definitive antidumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount indicated in Column 7 of the duty table below is recommended to be imposed for a period of five (5) years from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

S. No.	HS code	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Duty amount	Unit	Currency
1	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	China PR	Any country including China PR	M/s Fujian Xinsen Synthetic Fiber Technology Co., Ltd	771.34	MT	USD
2	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	China PR	Any country including China PR	M/s Fujian Jinjiang Technology Co., Ltd. M/s Fujian Xinchuang Nylon Industry Co., Ltd. M/s Fujian Jingfeng Technology Co., Ltd.	448.95	MT	USD
3	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	China PR	Any country including China PR	M/s Liheng (Changle) Polyamide Technology Co., Ltd M/s Changle Highsun Synthetic Fiber Technologies Co., Ltd	491.23	MT	USD
4	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	China PR	Any country including China PR	M/s Fujian Kaibang Polyamide Technology Co., Ltd.	653.77	MT	USD
5	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	China PR	Any country including China PR	Any producers other than mentioned above	1086.73	MT	USD
6	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Any country other than China ;PR, Korea RP, Thailand and Taiwan	China PR	Any	1086.73	MT	USD
7	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Korea RP	Any country including Korea RP	M/s Taekwang Industrial Co. Ltd	407.15	MT	USD
8	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Korea RP	Any country including Korea RP	M/s Hyosung TNC Co.	648.40	MT	USD
9	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Korea RP	Any country including Korea RP	Any producers other than mentioned above	1,148.22	MT	USD
10	5402	Nylon Multi	Any country	Korea RP	Any	1,148.22	MT	USD

		Filament Yarn*	other than China PR, Korea RP, Thailand and Taiwan					
11	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Thailand	Any country including Thailand	Any Producer	629.54	MT	USD
12	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Any country other than China PR, Korea RP, Thailand and Taiwan	Thailand	Any	629.54	MT	USD
13	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Taiwan	Any country including Taiwan	Any producer	490.34	MT	USD
14	5402	Nylon Multi Filament Yarn*	Any country other than China PR, Korea RP, Thailand and Taiwan	Taiwan	Any	490.34	MT	USD

*The product under consideration includes all kinds and variants of synthetic multi filament yarns of Nylon or Polyamides, such as flat/ textured/ twisted/ untwisted, bright/ semi-dull/ full-dull (or variants thereof), grey/ colored/ dyed (or variants thereof), single/ double/ multiple/ folded/ cabled (or variants thereof), whether or not sized.

These include flat yarn - twisted and/or untwisted, Fully Drawn Yarn (FDY), Spin Drawn Yarn (SDY), Fully Oriented Yarn (FOY), High Oriented Yarn (HOY), Partially Oriented Yarn (POY), textured yarn – twisted and/or untwisted, and dyed yarn, single, double, multiple, folded or cabled. Mother yarn, being multi-filament yarn, is also included in the scope of product under consideration. The product under consideration includes only Multi-filament yarn. Following yarns are excluded from the scope of the product under consideration:

(i) Mono filament yarns (ii) High tenacity yarn of nylon (iii) All manmade filament yarns not having nylon or polyamides (iv) Low Melting Yarn (v) Nylon 66 yarn used for non-textile applications.

Q. FURTHER PROCEDURE

132. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

BHUPINDER S. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority